वनस्पति विज्ञान परिभाषा-कोश

(संशोधित एवं परिवर्धित संस्करण)

DEFINITIONAL DICTIONARY OF BOTANY

(REVISED AND ENLARGED EDITION)

1996

वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग

मानव संसाधन विकास मंत्रालय (शिक्षा विभाग), भारत सरकार

वनस्पति विज्ञान परिभाषा-कोश

(संशोधित एवं परिवर्धित संस्करण)

DEFINITIONAL DICTIONARY OF BOTANY

(REVISED AND ENLARGED EDITION)

कम्प्यूटरीकृत डाटाबेस

Computerised Database

सत्यमेव जयते

वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग
मानव संसाधन विकास मंत्रालय
(शिक्षा विभाग)
भारत सरकार
1996

)MMISSION FOR SCIENTIFIC & TECHNICAL TERMINOLOGY
MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT
(DEPARTMENT OF EDUCATION)
GOVERNMENT OF INDIA
1996

© कॉपीराइट, भारत सरकार, 1996
© COPYRIGHT, GOVERNMENT OF INDIA, 1996

PED—752

2000—1997—DSK-II

प्रथम संस्करण – 1967
संशोधित एवं परिवर्धित संस्करण – 1996
प्रथम ई-संस्करण – 2019

मूल्य : 75 रुपये

प्रकाशक :
वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग
पश्चिमी खंड–7, रामकृष्णपुरम्
नई दिल्ली–110 066

मुद्रक :
प्रकाशन निदेशालय
चौ. चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय
हिसार–125 004

बिक्री का पता :
बिक्री अनुभाग
वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग
पश्चिमी खंड–7, रामकृष्णपुरम्
नई दिल्ली–110 066

श्री एस. एस. टोंक के प्रबन्ध में चौ. च. सिं. हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय प्रेस, हिसार से मुद्रित

अध्यक्ष की कलम से

वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग, उच्चतर शिक्षा विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार, 1961 में अपनी स्थापना समय से ही, उसे सौंपे गए कार्य-भार अनुसार भारतीय भाषाओं में शिक्षा माध्यम परिवर्तन हेतु विभिन्न विषयों में भारतीय भाषाओं की मानक शब्दावली तथा विश्वविद्यालय स्तरीय विभिन्न विषयक पुस्तकों का निर्माण एवं प्रकाशन करता आ रहा है । इस दीर्घ अवधि में आयोग ने विभिन्न आवश्यक विषयों से संबंधित अंग्रेजी-हिंदी तथा अन्य भारतीय भाषा शब्दावलियों का निर्माण एवं प्रकाशन किया है । इक्कीसवीं सदी के सूचना प्रौद्योगिकी के इस दौर में शिक्षा एवं ज्ञानार्जन के साधन को सद्यः उपलब्धता में क्रांतिकारी परिवर्तन आया है । ई-गवर्नेंस, ई-व्यवसाय एवं डिजिटल इंडिया जैसे क्रिया-कलाप दैनंदिन जीवन के अंग हो गए हैं। ऐसे में आयोग ने भी इन अधुनातन साधनों का उपयोग करने का निश्चय किया । इस क्रम में आयोग द्वारा निर्मित सभी शब्दावलियों, परिभाषा-कोशों का ई-संस्करण आपको सहज रूप से उपलब्ध कराने के उद्देश्य से ई-बुक निर्माण योजना पर कार्य प्रारंभ किया गया है । इसी उद्देश्य की पूर्ति हेतु **'वनस्पति विज्ञान परिभाषा-कोश'** का ई-बुक का संस्करण प्रकाशित किया जा रहा है ।

मुझे इस परिभाषा कोश का ई-संस्करण आप सबको सुलभ कराते हुए अत्यंत हर्ष हो रहा है । इसी भांति आयोग द्वारा अन्य विषयों के भी हिंदी तथा अन्य भारतीय भाषाओं की शब्दावली, परिभाषा-कोशों का ई-संस्करण प्रकाशित करने के कार्य भी प्रगति पर है । आयोग को सौंपे गए महत्वपूर्ण दायित्व में से एक दायित्व, निर्मित शब्दवलियाँ प्रयोक्ताओं तक पहुँचाने का रहा है । इलेक्ट्रोनिक माध्यम से आयोग अपने प्रकाशनों के प्रचार-प्रसार में अधिक प्रभावशाली होगा । मुझे आशा है आयोग द्वारा किए जा रहे इस प्रयास से निर्मित शब्दावलियाँ जन-जन तक पहुंचेगी साथ ही सभी जिज्ञासु इस ई-संस्करण का अधिक से अधिक लाभ उठा सकेंगे।

प्रो. अवनीश कुमार
अध्यक्ष

वनस्पति विज्ञान परिभाषा-कोश ई-शब्द संग्रह निर्माण से संबद्ध आयोग के अधिकारी

प्रधान संपादक

प्रो. अवनीश कुमार

अध्यक्ष

संपादक

डॉ. अशोक एन. सेलवटकर

(सहायक निदेशक)

श्री शिव कुमार चौधरी

(सहायक निदेशक)

श्री जय सिंह रावत

(सहायक वैज्ञानिक अधिकारी)

श्रीमती चक्प्रम बिनोदिनी देवी

(सहायक वैज्ञानिक अधिकारी)

सुश्री मर्सी ललरोहलू हमार

(सहायक वैज्ञानिक अधिकारी)

विषय सूची

1.	प्रस्तावना	V-VI
2.	वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग के अंशकालिक सदस्य	VII
3.	पूर्व वनस्पति विज्ञान कोश समिति	VIII
4.	वर्तमान विशेषज्ञ	IX-XIII
5.	वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग के अधिकारीगण	XV
6.	प्रकाशन सहयोग	XVI
7.	परिभाषाएं	1–204

प्रस्तावना

ज्ञान-विज्ञान के विभिन्न विषयों में हिंदी पर्यायों का निर्धारण कर चुकने के बाद यह आवश्यक समझा गया कि आधारभूत तकनीकी शब्दों की संकल्पनाओं को सुस्पष्ट और स्थिर करने की दृष्टि से परिभाषा-कोशों का निर्माण किया जाए । वस्तुतः शब्दावली को सुस्थिर आधार परिभाषाएं ही प्रदान करती हैं। एक सीमा तक परिभाषाएं तकनीकी शब्दों के प्रयोग की क्षमताओं को भी उजागर करती हैं। आयोग अब तक विज्ञान और सामाजिक विज्ञान विषयों के 47 परिभाषा-कोश प्रकाशित कर चुका है।

कृषि विज्ञान की विभिन्न शाखाओं की शृंखला में "वनस्पति विज्ञान परिभाषा-कोश" का यह संशोधित एवं परिवर्धित संस्करण है।

आयोग तथा उसके द्वारा अनुपालन किए जा रहे उद्देश्यों के प्रसंग पर कुछ प्रकाश डालना उचित होगा । भारत के राष्ट्रपति के आदेश द्वारा सन् 1961 में आयोग की स्थापना की गई थी जिसकी वैधानिक अपेक्षा थी कि विज्ञान और मानविकी की आधारभूत तथा अनुप्रयुक्त विभिन्न प्रशाखाओं में हिंदी तथा अन्य भारतीय भाषाओं में शब्दावली निर्माण तथा उससे संबद्ध सिद्धांतों के निर्धारण और समन्वय में उत्तरदायित्वपूर्ण एक केंद्रीय भूमिका का निर्वाह करे ।

तकनीकी शब्दों के निर्माण तथा मानकीकरण के लिए आयोग द्वारा निर्धारित सिद्धांत निम्नलिखित मानदंडों पर संकेंद्रित है :

अंतर्राष्ट्रीय शब्दों को यथासंभव अंग्रेजी या अन्य विदेशी भाषा में उपयोग में आने वाले प्रचलित उच्चारण के अनुसार ग्रहण कर लेना चाहिए तथा गणित और विज्ञान की शाखाओं में संख्यांक, प्रतीक चिह्न और सूत्र इत्यादि में प्रयुक्त अक्षर रोमन या ग्रीक वर्णमाला के होने चाहिएं । संक्षिप्त मानक रूप नागरी लिपि में लिखे जा सकते हैं। तथापि ज्यामितीय आकृतियों में भारतीय लिप्याक्षरों का प्रयोग किया जा सकता है। संकल्पनाओं को व्यक्त करने वाले शब्दों का अनुवाद हो सकता है । यथासंभव हिंदी के अथवा

अन्य भारतीय भाषाओं के पर्यायों के चयन को स्वीकार कर लेना चाहिए तथा संस्कृत धातुओं को वरीयता देनी चाहिए । लोकप्रिय या प्रचलित शब्द विदेशी भाषाओं के क्यों न हों, उन्हे ग्रहण कर लेना चाहिए । हिंदी तथा अन्य भारतीय भाषाओं द्वारा गृहीत अंतर्राष्ट्रीय शब्दों का व्याकरण की दृष्टि से पुल्लिंग में प्रयोग होना चाहिए । अनादर सूचक अथवा अश्लील शब्दों और जटिल अनुवाद को सर्वथा ग्रहण न किया जाए ।

विज्ञान के विभिन्न एवं मुख्य क्षेत्रों में कृषि विज्ञान की एक अहम भूमिका है। हमारे देश की पूर्ण अर्थव्यवस्था कृषि पर आधारित है। कृषि का सीधा संबंध वनस्पति से है, इस विज्ञान से संबंधित अन्य विषयों, जैसे पादप आनुवंशिकी, पादप प्रजनन, वर्गीकरण तथा आर्थिक दृष्टि से उपयोगी वनस्पतियों से संबंधित परिभाषाओं का इसमें समावेश है।

प्रस्तुत परिभाषा–कोश को तैयार करने में आयोग ने देश के विभिन्न क्षेत्रों एवं विश्वविद्यालयों के विषय विशेषज्ञों तथा भाषा शास्त्रियों का सहयोग प्राप्त किया जिसके लिए हम उनके हृदय से आभारी हैं । हमें पूर्ण आशा है कि यह परिभाषा–कोश कृषि विज्ञान के स्नातक, स्नातकोत्तर स्तर के विद्यार्थियों, प्राध्यापकों एवं इस विषय में रुचि रखने वाले लेखकों की आवश्यकताओं की भली–भांति पूर्ति करेगा।

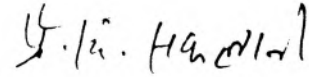

नई दिल्ली
अक्तूबर 1996

(प्रेम स्वरूप सकलानी)
अध्यक्ष
वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग
मानव संसाधन विकास मंत्रालय
भारत सरकार

वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग के अंशकालिक सदस्य

1. डॉ. अनूप चोपड़ा,
   प्रोफेसर, ई. एन. टी.,
   लोक नायक जय प्रकाश अस्पताल,
   नई दिल्ली ।
2. प्रो. कीर्ति सिंह,
   सदस्य, कृषि वैज्ञानिक नियुक्ति मण्डल, पूसा, नई दिल्ली ।
3. प्रो. बी. डी. नौटियाल,
   सिविल इंजीनियरिंग विभाग,
   बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय,
   वाराणसी ।
4. श्री डी. बी. डिमरी,
   महानिदेशक,
   भारतीय भूविज्ञान सर्वेक्षण,
   कलकत्ता ।
5. प्रो. प्रेम सिंह,
   भाषा विज्ञान विभाग,
   दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली ।
6. प्रो. एल. एस. कोठारी,
   पूर्व अध्यक्ष, भौतिकी विभाग,
   दिल्ली विश्वविद्यालय,
   दिल्ली ।

पूर्व वनस्पति विज्ञान कोश समिति

डॉ. एस. बालसुब्रह्मण्यम (सदस्य आयोग)

डॉ. डी. वी. बाल (सदस्य आयोग)

डॉ. सिद्धेश्वर वर्मा (भूतपूर्व प्रधान सम्पादक)

डॉ. रामधन शर्मा (प्रधान सम्पादक)

डॉ. विद्याभास्कर शुक्ल

स्वर्गीय डॉ. शिवकण्ठ पाण्डे

डॉ. राम कुमार सक्सेना

डॉ. आत्माराम भैरव जोशी

श्री देवकीनन्दन पालीवाल

श्री दयानन्द पंत (सम्पादक)

श्री प्रेमानन्द चन्दोला

श्री कृष्णकान्त

श्री रमेशदत्त शर्मा

वर्तमान विशेषज्ञ

1. डॉ. ए. एन. राय,
   सहप्राध्यापक,
   वनस्पति विज्ञान विभाग,
   आगरा कालेज, आगरा
2. डॉ. उमेश चन्द्र श्रीवास्तव,
   वरिष्ठ वैज्ञानिक,
   राष्ट्रीय पादप आनुवंशिक
   संसाधन ब्यूरो, पूसा,
   नई दिल्ली
3. डॉ. कुशलपाल सिंह,
   प्राध्यापक एवं अध्यक्ष,
   आनुवंशिकी विभाग,
   चौ. चरण सिंह हरियाणा
   कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
4. प्रो. कीर्ति सिंह,
   सदस्य, कृषि वैज्ञानिक
   नियुक्ति मण्डल,
   भारतीय कृषि अनुसंधान
   संस्थान, अनुसंधान भवन,
   नई दिल्ली
5. डॉ. गोपाल भारद्वाज,
   सहअनुसंधानकर्त्ता,
   आनुवंशिकी विभाग,
   भारतीय कृषि अनुसंधान
   संस्थान, नई दिल्ली
6. डॉ. जी. पी. लोदी,
   प्राध्यापक एवं अध्यक्ष,
   पादप प्रजनन विभाग,
   चौ. चरण सिंह हरियाणा कृषि
   विश्वविद्यालय, हिसार
7. डॉ. जे. बी. चौधरी,
   कुलपति,
   चौ. चरण सिंह हरियाणा
   कृषि विश्वविद्यालय,
   हिसार
8. डॉ. जे. आर. कारिहालु,
   वरिष्ठ वैज्ञानिक,
   एन. बी. पी. जी. आर.,
   भारतीय कृषि अनुसंधान
   संस्थान, नई दिल्ली
9. डॉ. जी. एस. चौहान,
   वैज्ञानिक,
   जवाहर लाल नेहरू कृषि
   महाविद्यालय कैम्पस,
   ग्वालियर
10. डॉ. जे. एस. ढ़ाकरे,
    प्रिंसिपल,
    आर. बी. एस. कालेज,
    आगरा

11. डॉ. जी. एस. शर्मा,
प्राध्यापक,
पादप प्रजनन विभाग,
राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय,
उदयपुर

12. डॉ. डी. के. सक्सेना,
सहप्राध्यापक,
आनुवंशिकी विभाग,
मोहन लाल सुखाडिया कृषि
विश्वविद्यालय, कैम्पस फतेहपुर,
सीकर (राजस्थान)

13. डॉ. एन. के. मोतीरमानी,
प्राध्यापक,
आनुवंशिकी विभाग,
इंदिरा गांधी कृषि
विश्वविद्यालय,
रायपुर

14. डॉ. एन. एन. सिंह,
निदेशक,
मक्का अनुसंधान प्रयोगशाला,
भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान,
नई दिल्ली

15. डॉ. एम. एन. श्रीवास्तव,
प्राध्यापक,
इंदिरा गांधी कृषि
विश्वविद्यालय, रायपुर

16. डॉ. प्रिय रंजन कुमार,
निदेशक (समन्वय),
चौ. च. सिं. हरियाणा कृषि
विश्वविद्यालय, हिसार

17. डॉ. पी. एन. माथुर,
वरिष्ठ वैज्ञानिक,
एन. बी. पी. जी. आर.,
भारतीय कृषि अनुसंधान
संस्थान, नई दिल्ली

18. डॉ. के. सी. बंसल,
वैज्ञानिक,
पादप जैव प्रौद्योगिकी राष्ट्रीय
अनुसंधान केंद्र, भारतीय कृषि
अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली

19. डॉ. बी. डी. बैजल,
प्राध्यापक,
वनस्पति विज्ञान विभाग,
आगरा कालेज,
आगरा

20. डॉ. बी. पी. एस. चौहान,
रीडर एवं अध्यक्ष,
वनस्पति विज्ञान विभाग,
आर. बी. एस. कालेज,
आगरा

21. डॉ. बी. पी. सिंह,
भारतीय कृषि अनुसंधान
संस्थान, नई दिल्ली

22. डॉ. एम. पी. गुप्ता,
प्राध्यापक,
पादप प्रजनन विभाग,
चन्द्रशेखर आजाद कृषि विश्वविद्यालय, कानपुर

23. डॉ. मुन्शी सिंह,
प्राध्यापक,
पादप प्रजनन विभाग,
भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली

24. डॉ. आर. के राठौर,
रीडर,
वनस्पति विज्ञान विभाग,
आर. बी. एस. कालेज,
आगरा

25. डॉ. आर. के. शाहू,
प्राध्यापक,
पादप आनुवंशिकी विभाग,
इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय,
रायपुर

26. डॉ. आर. जी. शर्मा,
रीडर,
प्राणी विज्ञान विभाग,
आगरा कालेज, आगरा

27. श्री आर. पी. चन्दौला,
सेवानिवृत्त वरिष्ठ वैज्ञानिक,
दुर्गापुरा फार्म,
जयपुर

28. डॉ. आर. एस. राणा,
निदेशक,
एन. बी. पी. जी. आर.
भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान,
नई दिल्ली

29. डॉ. एस. के. कटियार,
प्राध्यापक,
आनुवंशिकी विभाग,
इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय,
रायपुर

30. डॉ. एस. आर्य,
पूर्व कुलपति,
चौ. च. सि. हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

31. डॉ. सतीश चन्द्र पोखरियाल,
पूर्व वरिष्ठ वैज्ञानिक,
पादप आनुवंशिकी विभाग,
भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान,
नई दिल्ली

32. डॉ. एस. एन. चतुर्वेदी,
सेवानिवृत्त प्राध्यापक,
इमरेटस वैज्ञानिक,
वनस्पति विज्ञान विभाग,
आर. बी. एस. कालेज,
आगरा

33. डॉ. एस. एन. भारद्वाज,
पूर्व प्रधान वैज्ञानिक,
पादप शरीरक्रिया विज्ञान विभाग, भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली

34. डॉ. एस. एन. मिश्रा,
प्राध्यापक,
पादप प्रजनन विभाग,
गो. ब. पंत कृषि विश्वविद्यालय,
पंतनगर (नैनीताल)

35. डॉ. एस. एन. रैना,
रीडर, वनस्पति विज्ञान विभाग,
दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

36. डॉ. एस. बी. एस. चौहान,
रीडर, वनस्पति विज्ञान विभाग,
आर. बी. एस. कालेज,
आगरा

37. डॉ. सुलतान सिंह,
प्राध्यापक,
पादप प्रजनन विभाग,
चौ. च. सिं. हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

38. डॉ. सुनील सोलोमन,
वरिष्ठ वैज्ञानिक,
मक्का अनुसंधान प्रयोगशाला,
भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली

39. डॉ. एस. सी. गुप्ता
अध्यक्ष,
वनस्पति विज्ञान विभाग,
दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

40. डॉ. एस. एस. बघेल,
निदेशक (अनुसंधान),
इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय,
रायपुर

41. डॉ. एस. आर. भट्ट,
वरिष्ठ वैज्ञानिक,
एन. बी. पी. जी. आर.,
भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली

42. डॉ. एच. डी. सिंह,
प्रधान वैज्ञानिक,
आनुवंशिकी विभाग,
भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली

भाषा विशेषज्ञ

1. श्री के. सी. मेहता
   वरिष्ठ संपादक हिंदी
   चौ. च. सिं. हरियाणा कृषि
   विश्वविद्यालय, हिसार
2. डॉ. किशोरी लाल शर्मा,
   पूर्व प्राध्यापक,
   भाषा प्रौद्योगिकी विभाग,
   केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा
3. डॉ. रमानाथ सहाय,
   पूर्व प्राध्यापक,
   भाषा प्रौद्योगिकी विभाग,
   केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा
4. डॉ. जी. पी. श्रीवास्तव,
   भाषा विज्ञान विभाग,
   रविशंकर विश्वविद्यालय,
   रायपुर
5. डॉ. भारत भूषण
   पूर्व प्राध्यापक,
   केंद्रीय हिंदी संस्थान,
   नई दिल्ली
6. श्री शेर सिंह
   चौ. च. सिं. हरियाणा कृषि
   विश्वविद्यालय,
   हिसार

वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग के अधिकारीगण

प्रो. प्रेम स्वरूप सकलानी
अध्यक्ष

●

डा. हरीश कुमार
प्रधान वैज्ञानिक अधिकारी

●

श्रीमती शशि गुप्ता
सहायक शिक्षा अधिकारी
श्री गुलाब सिह
सहायक शिक्षा अधिकारी
श्री डी. पी. मिश्रा
सहायक शिक्षा अधिकारी

●

श्री धर्मेन्द्र कुमार
अनुसधान सहायक
डॉ. रतन चंद शर्मा
अनुसधान सहायक
श्री अशोक सेलवटकर
अनुसंधान सहायक

प्रकाशन सहयोग

प्रकाशन निदेशालय
चौ. चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

प्रो. प्रेम सिंह
निदेशक प्रकाशन

●

कृष्ण मेहता
वरिष्ठ संपादक

●

शेर सिंह बिश्नोई
सहायक संपादक

●

कुलजीत मान
मुखावरण सज्जा

●

राजेश कुमार
कम्प्यूटरीकरण

वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग, भारत सरकार के लिए प्रकाशन निदेशालय, चौ. चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार द्वारा विश्वविद्यालय ऑफसैट मुद्रणालय, हिसार में मुद्रित

परिभाषा–कोश : आयोग : 96/3/6396/2000/20.11.96

"A"

abiotic **जीवेतर, अजैव**

चेतनता अथवा जीवन के लक्षणों से रहित।

abortion **वृद्धिरोध**

किसी जीव या उसके अंग का परिवर्धन आरंभ न होना अथवा आरंभ होकर अवरुद्ध हो जाना, जिसके फलस्वरूप वह बन ही नही पाता अथवा अपूर्ण रह जाता है।

abortive **रुद्धवृद्धि**

वर्धरोध के फलस्वरुप अपूर्ण रूप से परिवर्धित जैसे अवर्धी भ्रूण।

Abrus precatorius **रत्ती, घुंघची**

यह पैपिलिओनेटी कुल का एक पौधा है।

Abscission layer **विलग परत**

कोशिकाओं की वह परत, जिसके विघटन से पत्तियाँ तने से टूट कर गिर जाती हैं।

absorptive root **अवशोषक मूल**

जल मे घुले हुए खनिज पदार्थों का अवशोषण करने वाली जड़।

Abutilon indicum **एबूटिलोन इंडिकम**

एबूटिलोन की एक जाति, जिसे कंघी कहते हैं।

Acacia arabica (A. nilotica) **बबूल, कीकर**

अकैसिया अरेबिका का सामान्य नाम।

Acacia catechu **अकेसिया कैटेचू (खैर, खादिर)**

अकेसिया की एक जाति (स्पीशीज)। इसकी लकड़ी से कत्था निकाला जाता है।

Acalypha indica **ऐकेलाइफा इंडिका**

ऐकेलाइफा की एक जाति (स्पीशीज) जिसे खोकली कहते हैं।

Acanthus ilicifolius **ऐकेन्थस इलिसीफोलियस**

ऐकेन्थस की एक जाति (स्पीशीज) जो कांटेदार, चिरहरित शाक मैंग्रोव में पाई जाती है।

accessory **सहायक**

प्रमुख अंग के साथ गौण रूप में स्थित अंग जैसे वह कलिका जो पत्ती के कक्ष (ऐक्सिल) की मुख्य कलिका के साथ हो।

acentric **अकेन्द्रीय**

गुणसूत्र बिंदू (सेन्ट्रोमियर) से रहित गुणसूत्र या गुणसूत्र खंड।

achene **ऐकीन**

पतली फलभित्ति वाला साधारण, शुष्क, न फटने वाला एकबीजी फल, जो एक स्वतंत्र अंडप से बनता है। उदाहरण क्लीमेटिस, नारवेलिया।

achlamydeous **अपरिदली**

वह पुष्प जिसमें परिदल पुंज (दलपुंज + बाह्यदल पुंज) नहीं होता, जैसे एरंड का फूल।

achromatic spindle **अवर्णक तर्कु**

कोशिका विभाजन में ऐसे आभासी सूत्रों का तंत्र, जो केन्द्रक के ध्रुवों की ओर मिलते हुए और मध्य रेखा की ओर बढ़ते हुए दिखाई देते हैं।

achromatin **एक्रोमेटिन**

केन्द्रक का वह पदार्थ जो क्षारकीय अभिरंजकों द्वारा आसानी से नही रंगा जा सकता।

acrocentric **अग्रबिंदुक**

ऐसा गुणसूत्र जिसके दूरस्थ सिरे के समीप गुणसूत्र बिन्दु रहता है।

actinomorphic **त्रिज्या-सममित**

फूल जो किसी भी तल से अनुदैर्ध्य अर्थात लंबाईवार काटे जाने पर, दो समान भागो मे विभाजित हो सके : जैसे सरसों का फूल।

active **सक्रिय**

क्रियाशील या वर्धनशील, जैसे सक्रिय कलिका।

active site **सक्रिय स्थल**

प्रकिण्व (एन्जाइम) का वह स्थल जहां अवस्तर स्वंय को अनुलग्न करता है।

acuminate **लंबाग्र**

(पत्ती का अग्रक) जो क्रमशः पतला तथा लंबा होता जाता है।

adaptability **अनुकूलनशीलता**

नई परस्थितियों के अनुकूल अपने को बनाने की सामर्थ्य। यह जीवों का एक लक्षण है।

addition line **अतिरिक्त वंशानुक्रम**

किसी जाति का वह वंशक्रम, जिसमें सामान्य कायिक गुणसूत्र-पूरक के साथ-साथ किसी अन्य जाति या किस्म का एक अतिरिक्त गुणसूत्र-युग्म पाया जाता है।

adenosine triphosphate **एडीनोसीन ट्राइफास्फेट (एटीपी)**

जीवों में हो रही अनेक रासायनिक प्रतिक्रियाओं में भाग लेने वाला कार्बनिक यौगिक जिसमें एडीनीन, राइबोस और तीन फास्फेट वर्ग होते हैं। कोशिका की विभिन्न क्रियाओं के लिए ऊर्जा उत्पन्न करने में इसका विशेष महत्व है।

adherant **आसंजित**

परस्पर जुड़े हुए दो विभिन्न प्रकार के अवयव या भाग, जैसे कुछ फलों में दलों के साथ लगे हुए पुंकेसर।

adhesion **आसंजन**

फूल के एक चक्कर के अवयव से किसी दूसरे चक्कर के अवयव का जुड़ जाना, जैसे दल के साथ पुंकेसर का।

adnate **संलग्न**

अपनी पूरी लंबाई में दूसरे अंग से जुड़ा हुआ; जैसे परागकोश पुंतंतु से।

adventitious root **अपस्थानिक मूल (जड़)**

जड़ निकलने के सामान्य स्थान, जैसे प्राथमिक मूल अथवा उसकी शाखाओं के अतिरिक्त पौधे के किसी अन्य अंग से निकली हुई जड़। दूब आदि भूप्रसारी पौधों में तने (रनर) से, तथा ब्रायोफिल्म, बीगोनिया आदि कुछ अन्य पौधों में ये पत्तियों से निकलती हैं।

Aegle marmelos **एईगल मारमेलोस/एग्ल मारमेलोस**

एईगल की एक जाति (स्पीशीज) जिसे बिल्व या बेल कहते हैं।

aerenchyma **वायूतक**

पानी में तैरने वाले पौधों की पतली भित्ति वाली कोशिकाओं का ऊतक, जिसके बड़े-बड़े अंतराकोशिकीय अवकाशों में हवा भरी रहने के कारण ये पौधे तैरते रहते हैं।

aerial **वायवीय**

(पौधों के अंगों के संबंध मे) जो भूमि के अन्दर या पानी में न रहकर वायु में रहें, जैसे वायवीय जड़।

aerobic **ऑक्सीय, एअरोबिक**

(जीवों के संबंध में) जिनके श्वसन के लिए ऑक्सीजन गैस का उपयोग अनिवार्य हो।

aerobic respiration **वायुश्वसन, ऑक्सीश्वसन**

श्वसन क्रिया का मुख्य प्रकार, जिसमें ऑक्सीजन ग्रहण कर जीव अपने शरीर पदार्थों के ऑक्सीकरण (ऑक्सीडेशन) से जीवन क्रियाओं के निमित्त ऊर्जा प्राप्त करता है।

aestivation **पुष्पदलविन्यास**

पुष्प में दलों (परिदल, बाह्यदल या दल) का विन्यास, जो कलिकावस्था में सुव्यक्त होता है।

agamospermy **अनिषेकबीजता**

ऐसा जनन जिसमें भ्रूण का विकास अर्धसूत्री विभाजन और निषेचन के बिना होता है।

agglutination **आश्लेषण, समूहन**

कोशिका सतह पर प्रतिजनों से संलग्न प्रतिरक्षियों द्वारा परस्पर संयुक्त लाल रुधिर कोशिकाओं के गुच्छों का निर्माण।

agglutinin **एग्लूटिनिन, समूहनिन**

वह प्रतिरक्षी जिससे प्रतिजनी-संरचना का गुच्छन (समूहन) हो जाता है।

aggregate fruit **पुंजफल**

कई समान फलिकाओं का समूह, जो एक ही पुष्प के पृथकअंडपी जायांग के अलग-अलग अंडपों के एक साथ परिवर्धन के फलस्वरूप बनता है, जैसे चंपा (माइकेलिया चंपाका)।

air cavity **वायु-गुहिका**

अन्तराकोशिका अवकाश के रूप में पाई जाने वाली गुहिका। जैसे रंध्र (स्टोमा) के नीचे का रिक्त स्थान।

ala/wing **पक्ष**

(1) मटर कुल के फूलों के पार्श्विक दल।

(2) पौधे के किसी अंग का बढ़ा हुआ झिल्ली सा भाग, जैसे चिलबिल साल आदि के फलों और जैकरंडा, टिकोमा आदि के बीजों के चपटे अंग।

Albizzia labbeck **ऐल्बिजिया लैबेक**

ऐल्बिजिया की एक जाति (स्पीशीज) जिसे सिरस कहते हैं। इससे एक प्रकार का गोंद निकलता है।

Aleurites moluccana **एल्यूराइटीज मौलुकैना**

ऐल्यूराइटीज की एक जाति (स्पीशीज) जिसे तुंग कहते हैं। इसका तेल पेन्ट और वार्निश बनाने के काम आता है।

aleurone grain **ऐल्यूरोन कण**

मक्का, एरंड आदि के बीजों में कणरूप में पाया जाने वाला प्रोटीन पदार्थ।

aleuroplast **एल्यूरोप्लास्ट**

प्रोटीन कणिकाओं के संश्लेषण एवं भंडारण से संबद्ध लवक (प्लास्टिड)।

algae **शैवाल**

थैलोफाइटा का एक पादप समुदाय। इन्हीं आदि वनस्पतियों से जीवों का विकास हुआ है। ये अधिकांशतः जलीय हैं तथा इनमें पर्णहरित और अन्य प्रकाश संश्लेषी वर्णक (पिगमेंट) होते हैं।

alkaloid **ऐल्कैलॉयड**

पौधों के कार्बनिक क्षारक (बेस)।

allelism **विकल्पता (युग्मविकल्पता)**

दो युग्म विकल्पियों (ऐलीलों) के बीच का संबंध।

allelomorph **युग्मविकल्पी, ऐलीलोमॉर्फ**

आनुवंशिकता में विकल्पी तथा विपरीत लक्षणों, कारकों या जीनों में से कोई एक। जैसे मटर के पौधे में लंबा या बौना होने का लक्षण, कारक या जीन।

alliogenesis **एकांतरजनन**

किसी जीव के जीवन–चक्र में लैंगिक तथा अलैंगिक जनन का एकान्तरण।

Allium cepa **एलियम सेपा**

एलियम की जाति, जिसे प्याज कहते हैं।

Allium sativum **एलियम सेटाइवम**

एलियम की जाति, जिसे लहसुन कहते हैं।

allogamy **परानिषेचन**

आनुवंशिक रूप से भिन्न दो युग्मकों का संयुग्मन।

allopolyploid **अपरबहुगुणित, परबहुगुणित**

एक ऐसा बहुगुणित जिसमे विभिन्न जातियों के दो या दो से अधिक जीनोम समुच्चय रहते हैं।

allopatric **विस्थानिक**

एक दूसरे से भिन्न, अलग-अलग भौगोलिक वितरण-क्षेत्र वाली जातियां ।

allopatric species **विस्थानिक जाति**

वह पादप जाति जो विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों मे पाई जाती हैं।

allopolyploidy **परबहुगुणिता**

परबहुगुणित होने की अवस्था।

allosteric effect **एलोस्टेरिक प्रभाव**

प्रोटीन अणु के साथ एक लघु अणु की, एक उत्क्रमणीय अन्योन्य क्रिया जिससे प्रोटीन की आकृति मे परिवर्तन होता है जिसके परिणाम स्वरूप उस प्रोटीन की एक तीसरे अणु के साथ अंतरक्रिया मे परिवर्तन आ जाता है।

allotetraploid **परचतुर्गुणित**

दो जीनोमो (AABB) वाला द्विगुणित जीव।

allotype **एलोटाइप, अन्यप्ररूप**

नामप्ररूप (होलोटाइप) के स्पेसीमेन से पृथक लिंग वाला प्रारूपिक निदर्श, विशेषतः वह जिसका मूल लेखक द्वारा नामकरण किया गया हो।

allozymes **ऐलोजाइम**

एन्जाइम के वे वैकल्पिक रूप जो एकल विस्थल पर विभिन्न युग्म-विकल्पियों द्वारा कोडित होते हैं।

Aloe vera **एलो वेरा**

एलो की एक जाति जिसे कुमारी (सामान्य भाषा में घी कुवार) कहते हैं।

alternate **एकांतर**

पत्तियाँ, कलिका आदि जो उत्तरोत्तर पर्वसन्धियों पर वामावर्त एवं दक्षिणावर्त एकल क्रम में लगी रहती है

alternation of generation **पीढ़ी एकान्तरण**

वह क्रम जिसमें किसी जीव की द्विगुणित पीढ़ी (डिप्लॉइड) अलैंगिक विधि से जनन करती हुई अगुणित पीढ़ी (हैप्लाइड) को जन्म देती है जो फिर लैंगिक विधि से जनन करती हुई पुनः द्विगुणित पीढ़ी को जन्म देती है और यह क्रम इसी प्रकार चलता जाता है; जैसे पर्णांग (फर्न)।

Althaea rosea **एल्थिया रोजिया**

एल्थिया की जाति जिसे गुलखैरा कहते हैं।

alu family **ऐल्यू फेमिली**

मानव जीनोम में परिक्षिप्त तथा परस्पर-संबद्ध अनुक्रमों का समुच्चय जिनमें प्रत्येक की लम्बाई 300 बी. पी. होती है और प्रत्येक अनुक्रम के हर सिरे पर ऐल्यु बिदलन स्थल होता है। इसीलिए इसका यह नाम है।

amino acid **एमीनो अम्ल**

कार्बनिक यौगिकों का एक ऐसा वर्ग जिसमें एमीनो ($-NH_2$) तथा कार्बोक्सिल (-COOH) समूह अन्तर्निहित रहते हैं और जिसके साथ पार्श्व शृंखला भी लगी रहती है। यह प्रोटीन की आधारगत संरचनात्मक इकाई है।

amitosis **असूत्रीविभाजन, एमाइटोसिस**

(1) कोशिका-विभाजन का वह प्रकार, जिसमें कोशिका का केन्द्रक बिना गुणसूत्र सरीखे अंगों के बने ही दो भागों में विभाजित हो जाता है।

(2) तर्कु या सूत्र जैसी संरचनाओं के निर्माण के बिना ही केन्द्रक के सीधे विभाजन के फलस्वरूप एक से दो कोशिकाओं का बनना।

amoeboid movement **अमीबीय गति**

जीव द्रव्य की अमीबा की सी गति।

amphibious plant **ज़लस्थलीय पादप**

वह पौधा जो जल और स्थल दोनों में रह सकता है, जैसे पोलीगोनम एम्फीबियम मार्सीलिया आदि।

amphidiploid (allotetraploid) **उभयद्विगुणित (एलोटेट्राप्लाइड)**

ऐसा चतुर्गुणित जीव जिसमें दो विभिन्न द्विगुणित जातियों के दो जीनोम समुच्चय उपस्थित रहते हैं।

amphimixis **उभयमिश्रण, ऐम्फिमिक्सिस**

निषेचन की क्रिया में नर और मादा प्राक्रेन्द्रकों के मिलने से एक ही व्यष्टि में विभिन्न मातृ और पितृ लक्षणों का सम्मिलन।

amphipathic **उभयसंवेदी**

ऐसी स्थिति जिसमें अणु में जल विरागी और जलरागी दोनों क्षेत्र विद्यमान रहते हैं।

amphitropous **अनुप्रस्थ, एम्फिट्रोपस**

(बीजांड के संबंध में) जो अपने वृंत पर समकोण बनाता हुआ स्थित हो।

amylase **एमिलेस**

मंड या ग्लाइकोजन को माल्टोस में बदलने वाला एन्जाइम। यह एन्जाइम अंकुरित होते हुए बीजों, पत्तियों और पौधों के अन्य भागों में पाया जाता है।

amyloplast **मंड लवक**

मंड (स्टार्च) के संश्लेषण एवं भंडारण से संबद्ध लवक (प्लास्टिड)।

anabolism **उपचय**

जीवद्रव्य के रचनात्मक प्रक्रम, जिनके द्वारा सरल रासायनिक पदार्थों से जटिल पदार्थ बनते हैं और रासायनिक ऊर्जा का संग्रह होता है।

anaerobic **अनॉक्सीय**

(जीवों के संबंध में) जो श्वसन क्रिया के लिए ऑक्सीजन के अतिरिक्त अन्य पदार्थों को काम में लाए।

anaerobic respiration **अवायु श्वसन, अनॉक्सीय श्वसन**

वह श्वसन जिसमें मुक्त ऑक्सीजन के अतिरिक्त अन्य पदार्थों के द्वारा जीव अपने शरीर-द्रव्यों के मंद दहन से ऊर्जा प्राप्त करता है।

anaerobiosis **अवायुजीवन**

वायु अथवा मुक्त ऑक्सीजन के अभाव में जीवन-क्रियाओं का चालू रहना।

analogous **समवृत्ति**

कार्य में समान किन्तु उद्भव में भिन्न। उदाहरण –

(1) अंगूर के प्रतान (तना-रूप) और मटर के प्रतान (पत्ररूप)

(2) नागफनी या ऐस्पैरेगस का पत्रवत् तना और कोई साधारण पत्ती।

analysis **विश्लेषण**

किसी पदार्थ को उसके अवयवों में पृथक करना। उदाहरण–पर्णहरित (क्लोरोफिल) का विश्लेषण।

anaphase **पश्चावस्था, एनाफेज**

कोशिका-विभाजन की वह अवस्था जिसमें गुणसूत्र कोशिका के दोनों ध्रुवों की ओर चलते हैं। यह मध्यावस्था (मेटाफेज) और अंत्यावस्था (टेलोफेज) के बीच की अवस्था है।

anastral mitosis **अंतारक सूत्री विभाजन**

सूत्री विभाजन जिसमें तर्कु रचना तारक केन्द्र और तारक से सम्बद्ध नही होता जैसा कि उच्च कोटि के पादपो में होता है।

anatomy **शारीर**

जीवविज्ञान की वह शाखा, जिसमें जीव की आंतरिक संरचना का अध्ययन किया जाता है।

androecium **पुमंग**

पौधे का नर जनन अंग, जैसे फूल के पुंकेसरो का समूह।

androgenesis **पुजनन**

परागकण से व्यष्टि का परिवर्धन।

androspore **पुंबीजाणु**

ईडोगोनियम कुल के शैवालों में पाया जाने वाला एक विशेष प्रकार का चलबीजाणु (जूस्पोर) जिससे पुंवामन (डवार्फ मेल) पैदा होता है। पुंवामन नर-युग्मक उत्पन्न करता है।

anemophilous/wind pollinated **वायुपरागित**

वायु द्वारा परागित पुष्प।

anemophily/wind pollination **वायुपरागण**

एक प्रकार का परागण जिसमें परागकोश से वर्तिकाग्र तक पराग का स्थानांतरण वायु के द्वारा होता है।

aneuploid **विषमगुणित**

ऐसी कोशिका या जीव जिसमें उसके कायिक गुणसूत्रो की संख्या की अपेक्षा एक या एक से अधिक गुणसूत्र, कम या अधिक होते हैं।

Angiosperms **आवृतबीजी**

वनस्पति जगत का एक विशाल उपसंघ (सबफाइलम), जिसमें पौधों के बीज ढके रहते हैं।

anisogamete **असमयुग्मक**

वह युग्मक जो अपने प्रतिरूपी दूसरे युग्मक से आकार में असमान हो।

anisogamy **असमयुग्मन**

वह युग्मन जिसमें संलयित होने वाले दोनों युग्मक आकार, रूप, तथा कार्य में असमान हों।

annual ring (growth ring) **वृद्धि वलय**

वृक्षों और क्षुपों के आड़े (अनुप्रस्थ) काट में दीखने वाला द्वितीयक दारू का वलय जो एक-एक प्रतिवर्ष बनता है। इनकी संख्या से वृक्ष अथवा क्षुप की आयु आंकी जा सकती है।

annuals **एकवर्षी**

वे पौधे, जो एक ही वर्ष में अपना जीवन-चक्र पूरा कर लेते हैं।

annulus **वलय**

वनस्पति-शरीर में पाया जाने वाला छल्ले की आकृति का अंग; जैसे :-

(1) छत्रक के वृंत को घेरने वाला झिल्ली का छल्ला।

(2) मॉस की स्फोटिका को घेरनेवाला कोशिकाओं का छल्ला।

(3) मोटी दीवार वाली कोशिकाओं का छल्ला, जो पर्णांगों की बीजाणुधानियों को घेरे रहता है।

(4) मदार आदि के पुष्प-मुकुट (कॉरोना) का छल्ला।

(5) इक्वीसीटम के शंकु के नीचे का पर्णछद।

anomaly **असंगति**

सामान्य स्थिति से विचलन; जैसे ड्रेसीना के तने का एक बीजपत्री होते हुए भी मोटाई मे बढ़ना।

anomalous growth **असंगत वृद्धि**

वह वृद्धि जो वर्ग-विशेष का सामान्य लक्षण न हो, जैसे ड्रेसीना मे, जहां तना अन्य सामान्य एक बीजपत्री पौधों से भिन्न परवर्ती वृद्धि हो जाने से मोटाई मे बढ़ जाता है।

anther **परागकोश**

पुंकेसर का परागोत्पादक भाग, जिसमे प्रायः चार परागधानी (पुंबीजाणुधानी) होती है।

antheridial cell **पुंधानी कोशिका**

निम्न कोटि पादपों की कोशिका, जिसमे नर युग्मक उत्पन्न होते है।

antheridiophore **पुमाशयधर**

पुंधानियों को धारण करने वाली विशेष शाखा, जैसे कुछ लिवरवर्टों मे।

antheridium **पुंधानी**

नर जननांग जिसमे नर युग्मक उत्पन्न होते हैं।

anthesis **प्रफुल्लन (परागोद्भव)**

पुष्प का प्रथम खिलन।

anthocyanin **ऐंथोसाइनिन**

पौधो मे पाया जाने वाला एक रंजक जिसके कारण पौधो के अंग नीले अथवा अरुण वर्ण के होते हैं।

antibiotic **प्रतिजैविक, ऐन्टिबायोटिक**

सूक्ष्म जीवों द्वारा या अन्यथा उत्पन्न रासायनिक पदार्थ जो हल्के विलयनों में जीवाणुओं तथा अन्य सूक्ष्मजीवों का विनाश अथवा उनकी वृद्धि का संदमन कर सकता है; जैसे पेनिसिलिन।

antibody **प्रतिरक्षी**

प्रतिरक्षी (एन्टीबाडी) बी-लसीकाण्विक कोशिकाओं से उत्पन्न एक प्रोटीन (प्रतिरक्षा ग्लोब्युलिन), जो बाहर के खास प्रतिजन को पहचान कर प्रतिरक्षा अनुक्रिया को परिचालित करता है।

antigen **प्रतिजन, ऐन्टीजन**

एक अणु विशेष, जिसका किसी जीव में प्रवेश प्रतिरक्षी के संश्लेषण को प्रेरित करता है।

antipodal cells **प्रतिमुख कोशिकाएं**

भ्रूणकोष में बीजाण्ड के आधार की ओर स्थित कोशिकाएं जो प्रायः तीन होती हैं।

antitoxin **एन्टीटॉक्सिन, प्रतिआविष**

किसी जीवाणु द्वारा उत्पन्न आविष (टॉक्सिन) के प्रति अनुक्रिया के फलस्वरूप बनने वाला प्रतिरक्षी (एन्टीबाडी)।

aperture **रंध्र, द्वारक**

छिद्र अथवा खुला स्थान।

apex **शीर्ष, शिखाग्र, शिखर, अग्रक**

जड़ या तने का वर्धनशील अगला सिरा।

aphototropic **अप्रकाशानुवर्ती, प्रकाशापवर्ती**

प्रकाश के स्त्रोत से दूर भागने वाला।

aphyllous **अपर्णी**

जिसमे पत्तियां न हो। उदाहरण – ब्रूमरेप, कैक्टस आदि।

aphotoropic **अप्रकाशानुवर्ती, प्रकाशापवर्ती**

प्रकाश के स्त्रोत से दूर भागने वाला।

apical bud **शीर्षस्थ कलिका**

पौधे के किसी अंग के अगले सिरे पर स्थित कलिका।

apical meristem **शीर्षस्थ विभज्योतक**

वर्धनशील अंग के अग्रक मे स्थित विभज्योतक।

aplanospore **अचल बीजाणु**

अलैगिक बीजाणु जो गतिहीन हो।

apocarpous **वियुक्तांडपी**

अलग–अलग स्थित अंडप वाला।

apoenzyme **एपोएन्जाइम**

कोएन्जाइम (सहएन्जाइम) के साथ मिलकार सक्रिय एन्जाइम बनाने वाला प्रोटीन का अंश।

apogamy **अपयुग्मन**

युग्मकोद्भिद (भ्रूणकोश) कोशिकाओं से परिवर्धित बीजाणुद्भिद्।

apomeiosis **अप–अर्धसूत्री विभाजन**

निरूद्ध या अपूर्ण अर्धसूत्रीविभाजन।

apomixis **असंगजनन**

जनन का प्रकार, जिसमें अर्धसूत्री विभाजन एवं युग्मकों का संलयन नही होता है।

apopetalous/polypetalous **पृथक दलीय**

फूल जिसकी पंखुड़ियां आपस मे जुड़ी न हो। उदाहरण – अमलतास।

apophysis **अधः स्फीतिका**

1. कुछ मॉसो की स्फोटिका के नीचे का बन्ध्य प्रकाश संश्लेषी भाग।

2. चीड़ के शंकुशल्क का फूला हुआ भाग।

aposepalous/polysepalous **पृथक बाह्यदलीय**

फूल जिसके बाह्यदल परस्पर जुड़े न हो, जैसे सरसो मे।

apospory **अपबीजाणुता**

बीजाणुद्भिद् की कायिक कोशिकाओं से युग्मकोद्भिद् का परिवर्धन।

apparatus **उपकरण**

प्रयोगात्मक कार्यों के लिए आवश्यक आधार वस्तुएं, औजार, पात्र, साधन आदि का समूह।

aquarium **जलजीवशाला, जलशाला**

सामान्यतया काच का दीवारों वाला कृत्रिम जलपात्र, जिसमें जीवित प्राणी व पौधे अध्ययन, प्रदर्शन तथा मनोरंजन के लिए रखे जाते हैं।

aquatic root **जलीय मूल**

पानी में ही रहने वाली और पानी से ही लवण पदार्थ ग्रहण करने वाली पौधो की जड़। जैसे जलकुंभी (आइकोर्निया) में।

Arachis hypogea **ऐरैकिस हाइपोजिआ**

ऐरैकिस की जाति (स्पीशीज) जिसे मूँगफली कहते हैं।

arbovirus **आर्बोवाइरस**

संधिपाद वाहित वाइरस।

arc indicator **चाप सूचक**

पौधे की वृद्धि–गति को सूचित करने वाला एक उपकरण विशेष। इसमें एक अंशाकित चापाकार स्केल होता है जिस पर एक सूई घूमती है।

archebacteria **आर्किबैक्टीरिया**

आद्य पूर्वकेन्द्रक जिसके जीनोम में इन्ट्रोन हो सकते हैं।

archegonium **स्त्रीधानी**

ब्रायोफाइटा, टैरिडोफाइटा तथा कुछ जिम्नोस्पर्म वर्ग के पौधों की सुराही के आकार की स्त्री जननांग, जिसके निचले भाग में अंडगोल (ऊस्फियर) होता है।

archesporium **प्रसूतक**

वह कोशिका या कोशिका समूह, जिससे बीजाणुओं की मातृ–कोशिकाएं बनती हैं।

aril **बीजचोल**

कुछ बीजों का निर्वर्ध जो बीजांडवृंत (फ्यूनिकल) से शुरू होकर बीज के ऊपर आ जाता है, जैसे एरंड, लीची आदि के बीजों में।

arrhenotoky **अनिषेक पुं–जनन**

अनिषेकजननीय मादा द्वारा केवल पुंसंतानों का जनन।

articulation **संधि**

स्वभावतः वियोज्य अवयवों का जोड़, जैसे शाखा और पत्ती का।

artificial seed **कृत्रिम बीज**

पात्रे में बने पादपों के आंशिक रूप से निर्जलित कायिक भ्रूण जो जिलेटिनी कैप्सूल में संकोशित होते हैं।

artificial selection **कृत्रिम वरण**

समष्टि से वांच्छित गुणों के आधार पर व्यष्टियों का चयन।

ascending **आरोही**

ऊपर उठने वाला, जैसे –आरोही पुष्पदल–विन्यास।

ascent **आरोहण**

ऊपर को उठना अथवा ऊपर की ओर चढ़ना जैसे तने में रस का।

ascent of sap **रसारोहण**

पौधों में रस अर्थात भूमिजल और उसमें घुले हुए खनिज पदार्थों का अवशोषित होकर ऊपर चढ़ना।

ascomycetes **ऐस्कोमाइसिटीज**

ऐस्कस तथा ऐस्कोबीजाणु उत्पन्न करने वाले कवकों का एक विशाल वर्ग।

ascospore **ऐस्कस बीजाणु**

ऐस्कोमाइसिटीज कवकों के बीजाणु, जो लैंगिक विधि से उत्पन्न होते हैं।

ascus **ऐस्कस**

एस्कोमाइसिटीज वर्ग के कवकों में पाई जाने वाली लैंगिक उद्‌गम की, तथा थैली का काम देने वाली बड़ी कोशिका जिसमें सामान्यतया आठ बीजाणु होते हैं।

asexual **अलिंगी/अलैंगिक**

जो लैंगिकता से संबद्ध न हो।

1. वह पौधा जो लिंग अथवा लैंगिक जननेन्द्रियों से रहित हो, जैसे पर्णांग (फर्न) का साधारण पौधा स्पोरोफाइट (बीजाणुउद्भिद)

2. वह जनन जिसमें जो युग्मकों के मिले बिना ही पुनरुत्पत्ति हो।

3. वह बीजाणु जो अलैंगिक विधि से उत्पन्न हो, जैसे –कोनीडियम।

Asphodelus tenuifolius **ऐस्फोडेलस टेनुइफोलियस**

ऐस्फोडेल्स की एक जाति (स्पीशीज) जिसे प्याजी कहते हैं। यह औषधि निर्माण में काम आती है।

assimilation **स्वांगीकरण**

बाहर से ग्रहण किए खाद्य पदार्थों की जैव क्रियाओं द्वारा जीवद्रव्य में परिणति।

assortative matings **अपव्यूही संगम**

यादृच्छिक समष्टि में आनुवंशिकतः समान प्ररूपों में संगम की अधिक आवृत्ति।

aster **तारक**

कोशिका–विभाजन में तारकाकार विन्यास, जो सेन्ट्रोसोम के चारों ओर कोशिकाद्रव्य के कणों से बनता है।

astral mitosis (amphiastral mitosis) **तारकीय समसूत्रण**

सूत्री विभाजन जिसमें तर्कु संरचना तारककेन्द्र से संबद्ध होती है और जो जन्तु कोशिकाओं और कुछ पादप कोशिकाओं में पाई जाती है।

astroshpere **ऐस्ट्रोस्फियर**

ऐस्टर का केन्द्र जहां से किरणें (माइक्रोटयूब्यूल) निकलती है।

asymmetrical **असममित**

जो किसी भी अनुदैर्ध्य तल से, दो समान भागों में विभक्त न किया जा सके, जैसे नागफनी का फूल।

autocarp **स्वनिषेचफल**

अपने ही परागकण द्वारा निषेचन से उत्पन्न फल।

autoeclology **स्वपारिस्थितिकी**

किसी जीव विशेष या किसी स्पीशीज और उसके वातावरण के बीच संबंधों का अध्ययन।

autopolyploid **स्वबहुगुणित**

बहुगुणित जिसमें एक ही जीनोम के बहुविध समुच्चय पाए जाते हैं।

autopolyploidy **स्वबहुगुणिता**

किसी बहुगुणित जीव में दो से अधिक गुणसूत्र समुच्चयों के समान होने और एक ही मूल जाति से उत्पन्न होने की अवस्था।

autoradiograph **स्वविकिरणीचित्र**

किसी पदार्थ (जैसे डी. एन. ए.) पर किसी रेडियो सक्रिय द्रव्य (जैसे ट्राइटियमित थायमीडीन) द्वारा रेडियो अंकित बिम्बचित्र को निश्चित कालावधि के लिए फिल्म पर जीर्ण-प्रकीर्णनों द्वारा डेवेलप होने के लिए छोड़ दिया जाता है, इस प्रकार प्राप्त फोटोग्राफ को स्वविकिरणी चित्र कहते हैं।

autosome **अलिंगसूत्र, आटोसोम**

लिंग क्रोमोसोमों (गुणसूत्रों) को छोड़कर कोई भी अन्य गुणसूत्र।

autosynthesis **स्वतः संश्लेषण**

किसी व्यष्टि की समरूप जीनोमों के गुणसूत्रों में आंशिक युग्मन।

autotrophic **स्वपोषित**

सरल अकार्बनिक पदार्थों से स्वतः अपना भोजन निर्माण करने वाला, जैसे हरा पौधा।

autotrophism **स्वपोषण**

पोषण का वह प्रकार जिसमें अकार्बनिक पदार्थों को इस्तेमाल करके खाद्य पदार्थ बना लिए जाते हैं।

autumn wood **शरद-दारू**

शरद ऋतु में बनने वाला द्वितीयक दारू। यह वृद्धिकाल के अंतिम दिनों में बनता है और इसकी कोशिकाएं बसंत दारू की अपेक्षा छोटी होती हैं।

auxanometer **वृद्धिमापी**

एक यंत्र, जिसके द्वारा पौधे या उसके अंग की वृद्धि मापी जाती है।

auxotroph **असर्वसंश्लेषी**

एक उत्परिवर्ती जीव (जीवाणु) जो न्यूनतम माध्यम में वृद्धि नहीं करता है, जब तक कि कुछ संवृद्धिकारक तत्व उसमें न मिलाए जाएँ।

axil **कक्ष**

वह अभ्यक्ष कोण, जो अक्ष और उससे निकलने वाले अंग (पत्ती, शाखा आदि) के बीच में बनता है।

axile **स्तंभीय**

अक्ष पर स्थित, जैसे स्तम्भीय बीजांडन्यास।

axile placentation **स्तंभीय बीजांडन्यास**

वह बीजांडन्यास जिसमें बीजांड एक से अधिक कोष्ठक वाले अंडाशय के केन्द्रीय अक्ष पर लगे रहते हैं, जैसे लिली, टमाटर आदि में।

axillary **कक्षीय, कक्षवर्ती**

कक्ष (ऐक्सिल) में स्थित, जैसे कक्षीय कलिका।

axis **अक्ष**

वह अनुदैर्ध्य अंग (जैसे तना), जिससे दूसरे अंग निकलते हैं।

axoneme **एक्सोनीम, अक्षसूत्र**

पक्ष्माभ (सिलिया) और कशाभिका (फ्लेजेला) का अक्षीय सूक्ष्म नलिकाकार घटक।

azygospore **अयुग्माणु**

वह जनन-कोशिका, जो संरचना में युग्माणु सदृश हो, परन्तु युग्मक-धानियों (गैमीटैन्जिया) के संभोग से न उत्पन्न हुई हो, जैसे : स्पाइरोगाइरा की कुछ जातियों (स्पीशीज) में पाई जाने वाली।

azygote **कक्ष**

अगुणित अनिषेक जनन द्वारा उत्पन्न व्यष्टि।

'B'

Bacillus anthracis **बेसिलस एन्थ्रेसिस**

बेसिलस वंश की एक जाति। यह ऐन्थ्रक्स नामक बीमारी पैदा करता है।

Bacillus radicicola/Rhizobium leguminosarum **बेसिलस रेडिसिकोला/ बेसिलस लेग्यूमिनोसेरम**

बेसिलस वंश (जीनस) की एक जाति। यह जीवाणु प्रायः शिंबी कुल के पौधो की मूल गुलिका मे होती है। यह सीधा ही वायुमंडल की नाइट्रोजन का स्थिरीकरण करता है।

back cross **प्रतीप संकर, प्रतीप संकरण**

संतति जीव का अपने जनकों मे से किसी एक के साथ संकरण।

backward mutation **प्रतीप उत्परिवर्तन**

उत्परिवर्ती का अपने मूल रूप मे प्रत्यावर्तन।

bacteria **बैक्टीरिया**

एक-कोशिकी सूक्ष्मजीवों का एक विशाल वर्ग। इन केन्द्रकहीन और पर्णहरितहीन जीवों मे जनन-क्रिया असूत्री विभाजन द्वारा होती है। केन्द्रक के स्थान पर क्रोमेटिन पदार्थ व्याप्त रहता है। जीवाणुओं का वर्गीकरण आकृति के अनुसार किया जाता है। उदाहरण –

1. दण्डाणु (बैसिलाइ) – दंड जैसे,
2. गोलाणु (कोक्काइ) – बिन्दू जैसे,
3. सर्पिलाणु (स्पिरिलाइ) – लहरदार आदि।

bacteriophage (phage) **जीवाणुभोजी**

जीवाणुओं को संक्रमित करने वाला वाइरस।

bacteriostatic **जीवाणुनिरोधी**

जीवाणु के परिवर्धन को रोकने या संदमन करने वाला (कोई कारक या पदार्थ)।

bacterium **बैक्टीरियम**

1. बैक्टीरिया का एकवचन।

2. जीवाणुओं के दंडाणु उपवर्ग का एक वंश विशेष।

balanced lethal **संतुलित घातक**

तद्रूप प्रजनन करने वाला विषमयुग्मज जिसमें युगिमत गुणसूत्रों में से प्रत्येक में विभिन्न घातक जीन इस प्रकार स्थित होते हैं कि जीन विनिमय प्रायः नहीं होता ।

bark **छाल**

द्वितीयक कैम्बियम के बाहर के सभी ऊतक, जो सामान्यतः वृक्ष का बाहरी कड़ा आवरण बनाते हैं।

barotropism **दाबानुवर्तन**

वायुमंडलीय दाब में परिवर्तन के फलस्वरूप किसी पौधे में होने वाला अनुवर्तन।

basal placentation **आधारी बीजांडन्यास**

वह बीजांडन्यास जिसमें बीजांड अंडाशय के आधार पर लगे हों, जैसे सूरजमुखी, कूटू आदि में।

basic number **आधारी संख्या (मूल संख्या)**

बहुगुणित की पूर्वजीय द्विगुणित जाति को अगुणित गुणसूत्र संख्या का X (एक्स) द्वारा निरूपण।

basichromatin **बेसीक्रोमेटिन**

कोशिका में केन्द्रकीय जाल का वह पदार्थ जो काफी गहरा रंगा जा सकता है।

Basidiomycetes **बैसीडियोमाइसिटीज/बासिडियोमाइसिटीज**

एक विशाल कवक वर्ग, जिसके कवकतंतु पटयुक्त होते हैं और बीजाणु बैसीडियम पर उत्पन्न होते हैं।

basidiospore **बैसीडियम बीजाणु/बासिडियम बीजाणु**

बैसीडियम के बीजाणु,जो लैगिंक विधि से उत्पन्न होते हैं।

basidium **बैसीडियम/बासिडियम**

बासिडिओमाइसिटीज कवक वर्ग में पाई जाने वाली लैगिक उद्गम की संरचना, जिसमें चार बहिर्जनित बासिडियम बीजाणु होते हैं।

basifixed **अधः बद्ध**

अपने आधार से किसी दूसरे अंग के साथ जुड़ा हुआ, जैसे वह परागकोश, जो अपने आधार से पुंतंतु के साथ जुड़ रहता है।

bast **बास्ट**

1. फ्लोएम (अब अप्रचलित)
2. बास्ट रेशा (bast fibre)

bast fibre **बास्ट रेशा**

दारू (जाइलम) के अतिरिक्त अन्य ऊतकों, जैसे फ्लोएम, परिरंभ और बल्कुट से प्राप्त रेशा।

B-chromosome **बी– गुणसूत्र**

गौड़ गुणसूत्र जिसका प्रत्यक्ष रूप से कोई महत्व नहीं है और जिसके होने या न होने से विशेष हानि नहीं होती ।

beaded root **मणिकामय मूल**

वह जड़ जो मनकों की माला-सी लगती है।

bean **सेम**

1. लेग्यूमिनोसी कुल (पैपिलिओनेटी उपकुल) के पौधे डोलिकोस लबलब का सामान्य नाम।

2. इस पौधे के वृक्काकार बीज।

beat root **चुकंदर**

बीटा वंश (जीनस) की जाति बीटा वल्गैरिस की जड़ है। इससे एक प्रकार की शर्करा निकाली जाती है।

benthos **नितल जीवजात, नितलक**

समुद्र या झील की तली से संलग्न पौधों तथा प्राणियों का सामूहिक नाम।

berry **सरस फल**

साधारण गूदेदार फल, जिसकी समस्त फलभित्ति मांसल होती है। अधिकांशतः यह बहुबीजी होता है। उदाहरण – टमाटर, अंगूर, केला आदि।

bicollateral vascular bundle **उभयफ्लोएमी संवहन पूल**

वह संवहन पूल जिसमें दारू के बाहर और भीतर दोनों ही ओर फ्लोएम होता है।

biennials **द्विवर्षी**

दो वर्ष में जीवन-चक्र को पूरा करने वाले । ऐसा पौधा पहले वर्ष में केवल कायिक वृद्धि करता है और दूसरे वर्ष में फूलता-फलता है। उदाहरण- प्याज, गाजर, शलजम।

bifacial **द्विपृष्ठी**

ऐसे अंग जिनके ऊपरी ओर निचले तल विभिन्न संरचना वाले हों, जैसे सामान्य पौधों की पत्तियां।

bifid **द्विशाखित, द्विशाखी**

एक मध्यगत विदरण द्वारा दो बराबर भागों में बंटा हुआ, जैसे–सरसों का वर्तिकाग्र।

biflagellate **द्विकशाभी, द्विकशाभिक**

दो कशाभिकाओं वाला जीव या कोशिका, जैसे द्विकशाभी चलबीजाणु।

bifoliate **द्विपर्णी**

दो पत्रकों वाली संयुक्त पत्ती, जैसे कचनार की पत्ती।

bilabiate **द्विओष्ठी**

दलपुंज जो दो भागों में इस प्रकार से विभाजित हो कि, वे दो भाग दो होठों से दिखाई दें; जैसे तुलसी, सैल्विआ आदि का दलपुंज।

bilocular **द्विकोष्ठकी**

दो कोष्ठकों वाला अंडाशय, जैसे धनिए का अंडाशय।

bimerous (dimerous) **द्वितयी**

दो–दो समुदाय में विन्यस्त अवयव वाला पुष्प जैसे अफीम कुल (पेपैवरेसी) के परिदलपुंज।

binary **द्विअंगी**

दो अंगों या भागों वाला।

binomial nomenclature **द्विनाम पद्धति**

प्रसिद्ध वैज्ञानिक लिनीअस द्वारा प्रतिपादित जीवों के नामकरण की पद्धति। इसके अनुसार दिए गए नाम के दो अंग होते हैं, जो क्रमशः जीव के वंश (जीनस) और जाति (स्पीशीज) के द्योतक हैं। जैसे एलिअम सेपा (प्याज)। यहाँ "एलिअम" वंश को और "सेपा" जाति को सूचित करता है।

biochemistry **जीवरसायन**

वह विज्ञान, जिसमें जीव के शरीर मे होने वाली रासायनिक अभिक्रियाओं तथा तत्संबंधी रासायनिक यौगिको का अध्ययन किया जाता है।

biology **जीवविज्ञान**

वह विज्ञान, जिसमें जीवो का अध्ययन किया जाता है। इसकी दो मुख्य शाखाएं है, जंतुविज्ञान और वनस्पति विज्ञान।

biometry **जीवसांख्यिकी**

वह विज्ञान, जिसमे जीव विषयक तथ्यों का सांख्यिकीय विधियों से विश्लेषण तथा निरूपण किया जाता है।

biosphere **जीवमंडल**

पृथ्वी का वह भाग जहाँ पारितंत्रो (Ecosystem) की क्रियाये चलती है। इसमे तीन प्रमुख आवास होते है – समुद्री, असमुद्री और स्थलीय।

bipinnate **द्विपिच्छकी**

संयुक्त पत्ती जिसके प्राक्ष (rachis) विभाजित हो तथा पत्रक उसके द्वितीयक प्राक्षो पर दो पक्तियो मे लगे हो पर लगे हुए पत्रक भी पिच्छाकार हो, जैसे छुईमुई की पत्ती।

bisexual (hermaphrodite) **द्विलिंगी**

दो लिंगो वाला पुष्प जिसमे पुंकेसर और स्त्रीकेसर दोनो विद्यमान हो।

bivalent **युगली**

विन्यास जिसमे समजात गुणसूत्रो का एक युग्म होता है।

black gram **माष**

लेग्यूमिनोसी (पैपिलिओनेटी) कुल के पादप विग्ना मुंगो का सामान्य नाम।

black mustard **काली सरसो**

ब्रेसिका नाइग्रा का सामान्य नाम।

bladder **थैली**

पौधे का खोखला, फूल सकने वाला भाग; जैसे :-

1. यूट्रीक्यूलेरिया की जड़ो पर खोखला झिल्लीदार अनुबंध जो जलीय कीड़ो को फंसाने के काम आता है।
2. कुछ शैवालो के फ्रौन्ड मे इसी प्रकार के अंग, जो तैरने मे सहायता देते है।
3. फूला हुआ झिल्लीदार फलावरण, जैसे फाइसेलिस मे।

bleeding **रस स्त्रवण**

पौधे के काट या घाव से रस का रिसना।

blue green algae **नील हरित शैवाल**

वे शैवाल, जिसमे हरे वर्णक क्लोरोफिल-ए के अतिरिक्त नीला वर्णक फाइकोसाइनिन भी रहता है जिसके कारण वह नील हरित दिखाई देता है।

Bombax malabaricum (B. ceiba) **बौम्बैक्स मालाबारिकम**

बौम्बैक्स की एक जाति जिसे सामान्य भाषा मे सेमल या शाल्मली कहते हैं। इससे एक प्रकार की रूई प्राप्त होती है।

bordered pit **परिवेशित गर्त**

दारू भित्ति पर स्थित वह गर्त, जिसका स्थूल किनारा पतले मध्य पटल के ऊपर उभरा रहता है।

botany **वनस्पति विज्ञान**

वह विज्ञान, जिसमे वनस्पति जीवन का अध्ययन किया जाता है।

bract **सहपत्र**

वह पत्ती, जिसके कक्ष से पुष्प या पुष्प शाखा निकलती है।

bracteate **सहपत्रयुक्त**

सहपत्र वाला फूल, जैसे बोगेनविलिया का फूल।

bracteole **सहपत्रिका**

सहपत्र के भीतरी ओर स्थित छोटी-सी पत्ती जो सामान्यतः पुष्पवृंत पर लगी होती है।

branch **शाखा**

तने अथवा किसी अन्य अंग से निकलने वाला उसी जैसा अंग।

branching **शाखन**

तने अथवा किसी अंग से शाखाओं का निकलना।

Brassica alba (white mustard) **श्वेत सरसों**

क्रूसोफेरी कुल के पौधे का वनस्पतिक नाम जिसे सफेद सरसों कहते हैं।

Brassica juncea **ब्रैसिका जंसिया**

ब्रैसिका की एक जाति जिसे सामान्य भाषा में बनारसी राई कहते हैं।

Brassica nigra **ब्रैसिका नाइग्रा**

ब्रैसिका की एक जाति, जिसे सामान्य भाषा में राई कहते हैं।

Brassica oleracea **ब्रेसिका औलेरेसिया**

ब्रैसिका की एक जाति जिसे सामान्य भाषा मे जंगली पातगोभी कहते हैं।।

Brassica oleracea var. botrytis/cauliflower **फूलगोभी**

ब्रैसिका औलेरेसिया की प्रजाति बोट्राइटिस का सामान्य भाषा का नाम। उसका सारा ही पुष्पक्रम भोज्य होता है।

Brassica oleracea var. capitata **ब्रैसिका औलेरेसिया प्रजाति कैपिटेटा**

ब्रैसिका औलेरेसिया की एक प्रजाति, जिसे सामान्य भाषा में पातगोभी कहते हैं।

Brassica oleracea var. gongylodes **ब्रैसिका औलेरेसिया प्रजाति गौगिलोडीस**

ब्रैसिका औलेरेसिया की एक प्रजाति जिसे सामान्य भाषा में गांठगोभी कहते हैं।

Brassica rapa **ब्रैसिका रेपा**

ब्रैसिका की एक जाति, जिसे सामान्य भाषा में शलजम कहते हैं।

breeder seed **प्रजनक बीज**

किस्म विशेष को प्रायोजित करने वाले अभिकरण द्वारा पादप प्रजनन की कड़ी निगरानी में प्रजनित बीज जो आधार बीज प्रजनित करने के काम आता है।

breeding **प्रजनन**

पौधों या जानवरों कि किस्म या नस्ल को सुधारने के उद्देश्य से की जाने वाली जनन क्रिया।

brown algae **भूरे शैवाल**

वे शैवाल, जिनमें हरे वर्णक क्लोरोफिल के अतिरिक्त भूरा वर्णक फ्यूकोजेन्थिन भी रहता है और क्लोरोफिल को आच्छन्न किए रहता है।

brownian movement **ब्राउनीगति**

कोशिका-द्रव्यी-आव्यूह (मैट्रिक्स) में निलंबित कोलाइडी कणों का टेढ़ा-मेढ़ा संचरण।

Bryophyta **ब्रायोफाइटा**

निम्न श्रेणी के पौधो का एक संघ जिसमें भ्रूण विकसित होता है परन्तु संवहन ऊतक नहीं पाये जाते है।

bud **कलिका, मुकुल**

1. **floral bud** **पुष्प कलिका**

2. **leaf bud** **किसलय**

कली जो वृद्धि के उपरान्त पत्ती बनती है।

3. **vegetative bud** **चश्मा**

विभाजी ऊतक का उभार जिसके परिवर्धन से नई शाखा, पत्ती और पौधे बनते हैं, जैसे गुलाब का चश्मा।

4. **eye** **आंख**

विभाजी ऊतक का उभार जिसके परिवर्धन से नई शाखा, पत्ती और पौधे आदि बनते हैं, जैसे – आलू, ईख आदि की आंख।

5. **bud** **मुकुल**

कोशिका का एक प्रवर्ध, जो परिवर्धन के उपरांत नई कोशिका बन जाता हैं, जैसे यीस्ट में।

budding **मुकुलन,चश्मा चढ़ाना**

1. एक कोशिका से गोल–सी संततिकोशिका का उद्भवन । वृद्धि के उपरांत यह नई कोशिका बन जाती है जैसे खमीर के सूक्ष्मजीव यीस्ट में ।

2. वर्धी जनन का वह प्रकार, जिसमें एक पौधे की आंख (चश्मा) दूसरे पौधे पर बिठाई जाती है।

bulb **शल्ककन्द**

एक प्रकार का रुपांतरित भूमिगत तना। इसमें एक छोटे से बिम्बाकार तने के ऊपर बहुत से मांसल शल्कपत्र और कुछ कलिकाएं रहती है। उदाहरण–प्याज, लिली।

bulbil **पत्र–प्रकलिका**

एक प्रकार की बड़ी और मांसल रुपांतरित कलिका, जो पौधे से अलग हो जाने पर नये पौधे में परिवर्धित हो जाती है। उदाहरण–एगेव (रामबांस), अनन्नास, ब्रायोफिलम आदि में।

bundle **पूल**

संवहन–पूल।

Butea frondosa **ब्यूटिया फ्रोडोसा**

ब्यूटिया की एक जाति जिसे ढाक या पलाश कहते है।

buttress root **पुश्ता जड़**

एक प्रकार की अपस्थानिक जड़, जो पौधे को सीधा रहने में सहारा देती है; जैसे बरगद, केवड़ा आदि में।

"C"

cactus **कैक्टस**

कैक्टेसी कुल के पौधों का सामान्य नाम। ये पत्रहीन, कंटकमय और मरूद्भिदी होते हैं, जैसे–नागफनी।

caducous **आशुपाती**

शीघ्र झड़ जाने वाला (अंग) जैसे पोस्त का बाह्यदलपुंज जो फूल के खिलते ही झड़ जाता है।

Caesalpinia pulcherrima (Peacock flower) **सिजलपिनिया पल्चेरिमा**

सिजलपिनिया कुल का एक पौधा जिसे सामान्य भाषा में गुलतोड़ा कहते हैं।

Cajanus cajan **कैजैनस कजान**

कैजैनस की एक जाति (स्पीशीज) जिसे सामान्य भाषा मे अरहर कहते हैं।

callus **कैलस**

1. तने का क्षत अथवा कटे हुए स्थानों पर बन जाने वाला मृदूतक।
2. चालनी पट्टिका (सीव–प्लेट) पर जम जाने वाली कैलोस।
3. आविभेदित कोशिकाओं का समूह।

calyptra **अंगुश्ताना**

मॉस की स्फोटिका (कैप्सूल) के ऊपर का टोपीनुमा अंग। यह वस्तुतः बीजाणु–उद्भिदी (स्पोरोफिटिक) कैप्सूल के ऊपर लगा हुआ युग्मकोद्भिदी (गैमीटोफिटिक) अण्डाशय की ग्रीवा का अवशेष है।

calyx **बाह्यदलपुंज, कैलिक्स**

पुष्प के बाह्यदलों का सामूहिक नाम।

calyx tube **बाह्यदल नलिका**

बाह्यदलों के परस्पर जुड़ जाने से बाह्यदलपुंज का नलिकाकार भाग।

cambium **एधा, कैबियम**

दारू और अधोवाह (फ्लोएम) के बीच स्थित विभज्योतकी (मेरिस्टेमेटिक) ऊतक। इसकी कोशिकाओं के विभाजन से एक ओर दारू और दूसरी ओर फ्लोएम कोशिकाएं बनती हैं और इस प्रकार द्वितीयक वृद्धि होती है।

campanulate **घंटाकार**

घंटी नुमा दलपुंज वाला पुष्प।

candytuft **चांदी टफ, कैंडीटफ्ट**

क्रूसीफेरी (ब्रैसीकेसी)कुल का पौधा आइबेरिस अमारा का सामान्य नाम।

cap **टोंपी**

(1) अग्रक की रक्षा करने वाला कोई टोपी–सा आवरण, जैसे :– (क) मूल टोपी ; (ख) हाइमीनोमाइसीट कवकों का छत्र (पाइलिअस), (ग) मॉसों का अंगुश्ताना (कैलिप्ट्रा), (घ) ईडोगोनियम की विभाजित होने वाली कोशिका का छोटा–सा ऊपरी भाग।

(2) फूल व फल का टोपीनुमा आवरण, जैसे मैक्सिकन पॉपी (पोस्त) के बाह्यदल।

capillary water **केशिका जल**

सेचन के उपरांत सूक्ष्म नलिकाओं के द्वारा ऊपर चढ़ जाने वाला पानी।

capitate **समुंड**

गोल फूले हुए सिरे वाला ; जैसे (1) क्लिओम विस्कोसा के रोम, (2) निंबु (सिट्रस) का वर्तिकाग्र।

capitulum **मुंडक**

एक प्रकार का असीमाक्ष पुष्पक्रम जिसके छोटे और बिम्बाकार प्रथमिक अक्ष में छोटे अवृन्त पुष्प अभिकेन्द्र क्रम से खुलते हैं। यह सारा पुष्पक्रम एक ही फूल–सा प्रतीत होता है ; जैसे गेंदा, सूरजमुखी आदि के तथाकथित पुष्प।

Capsella bursa-pastoris **कैप्सेला बर्सा–पैस्टोरिस**

कैप्सेला का एक जाति (स्पीशीज) जिसकी पत्तियां गुच्छेदार, पुष्प श्वेत व छोटे फल खांचेदार फली होती है।

capsular fruit **संपुटी फल**

शुष्क, बहुबीजी, स्फुटनशील फल, जैसे सिलिक्वा, सिलिक्यूला, लेग्यूम, फोलिकल, केप्सूल।

capsule **संपुट**

(1) एक प्रकार का साधारण, शुष्क, स्फुटनशीन फल, जो विभिन्न रीतियों से फटता है।

(2) मॉस के स्पोरोगोनियम का बीजाणुधारी भाग।

carbohydrate **कार्बोहाइड्रेट**

कार्बन, हाइड्रोजन तथा ऑक्सीजन का बना रासायनिक यौगिक, जो जीवों के भोजन का एक मुख्य अंश है। पोधे स्वयं इसका निर्माण कर लेते हैं। उदाहरण–शर्करा।

carbon assimilation **कार्बन स्वांगीकरण**

हरे पौधों में कार्बोहाइड्रेट निर्माण की क्रिया जो जल और वायुमंडलीय कार्बनडाइऑक्साइड से प्रकाश और पर्ण हरित (क्लोरोफिल) की उपस्थिति में होती है।

carcerulus **कार्सेरूलस**

साधारण, शुष्क, अस्फुटनशील चार कोष्ठों वाला फल, जो उर्ध्ववर्ती जायांग से बनता है। फल के पकने पर चारों कोष्ठ अलग–अलग हो जाते हैं। उदाहरण–तुलसी कुल का फल।

carina (keel) **नौतल**

मटर कुल के फूलों में दो पंखुड़ियो के जुड़ने से बनी हुई आकृति । इसके भीतर पुंकेसर और स्त्रीकेसर रहते हैं।

carnivorous plant **मांसाहारी पादप**

कीटों को अपचयित करके प्रोटीन प्राप्त करने वाला पौधा; जैसे घटपर्णी (पिचर प्लांट)।

carotene **पर्णपीतक, कैरोटीन**

एक नारंगी-लाल वर्णक। जिसकी उपस्थिति के कारण पौधों के अंग नारंगी-लाल रंग के होते हैं।

carpel **अंडप**

बीजाण्ड को धारण करने वाला फूल का स्त्रीजननांग जो वास्तव में पत्ती का रुपान्तर होता है।

carpocephalum **कार्पोसेफैलम**

मार्केंशिया आदि लिवरवर्टों में पाई जाने वाली सवृन्त शाखा जिसमें स्त्री अंग होते हैं।

carpophore **कार्पोफोर**

(1) पुष्पाक्ष का आगे बाढ़ हुआ भाग, जिस पर अंडप लगे होते हैं।

(2) वह वृंत जिसमें क्रीमोकार्प (धनिया आदि का फल) के पृथक्कृत भाग लगे रहते हैं।

carrier **वाहक**

एक विषमयुग्मनज जो एक ऐसे अप्रभावी युग्मविकल्पी का वहन करता है जो प्रभावी युग्मविकल्पी की उपस्थिति के कारण अभिव्यक्त नहीं हो पाता।

Carthamus tinctorius **कार्थेमस टिंक्टोरियस**

कार्थेमस की एक जाति (स्पीशीज) जिसे सामान्य भाषा में कुसुम कहते हैं।

caruncle **बीजचोलक, कैरंकल**

बीज में उसके बीजांड द्वार के पास से निकलने वाला कोमल स्पंजी उभार, जैसे एरंड में।

casparian thickening (casparian band) कैस्परी स्थूलन (कैस्परी पट्टी)

एक विशेष प्रकार के पदार्थ की पट्टी जो अंतस्त्वचा की कोशिकाओं में होती है। इसमें से होकर जल प्रवेश नहीं कर सकता।

Cassia fistula **कैसिया फिस्टुला**

कैसिया की एक जाति (स्पीशीज), जिसे सामान्य भाषा में अमलतास कहते हैं। यह उद्यानों में आकर्षक पीत-पुष्पों के लिए उगाया जाता है।

castor **एरंड, रेंडी**

रिसिनस कम्युनिस का सामान्य अंग्रेजी नाम।

catabolism **अपचय**

जीवद्रव्य के विनाशात्मक प्रक्रम जिसके द्वारा जटिल पदार्थों का विघटन होता है और जीव कार्यकलापों हेतु रासायनिक ऊर्जा का उन्मोचन होता हैं। उदाहरण-श्वसन

catkin **कैटकिन**

एक प्रकार का लंबा, लटकता हुआ स्पाइक, जिसमें केवल एकलिंगी पुष्प लगते हैं।

cavity **गुहिका**

कोई खोखला भाग।

ceara rubber plant **सेयरा रबर का पौधा**

यूफॉर्बिएसी कुल के पौधे मनीहोट ग्लेजिओबाइ का सामान्य नाम। इससे एक प्रकार का रबर प्राप्त होता है।

cedar **देवदार**

जिम्नोस्पर्म के पाइनेसी कुल के पादप सीड्रस देओदारा का सामान्य नाम।

Cedrus deodara **सीड्रस देओदारा**

सीड्रस की एक जाति जिसे सामान्य भाषा में देवदार कहते हैं। इसकी लकड़ी सुगंधित तथा मजबूत होती है।

cell **कोशिका**

जीवों की संरचनात्मक तथा कार्यात्मक इकाई है।

cell division **कोशिका विभाजन**

पूर्व विद्यमान कोशिकाओं से नई कोशिकाओं की उत्पत्ति की प्रक्रिया।

cell sap **कोशिका रस**

पादप कोशिकाओं की रिक्तिकाओं में भरा विभिन्न कार्बनिक अम्ल, शर्करा, लवण रंजक आदि का जलीय घोल।

cell theory **कोशिका सिद्धांत**

यह धारणा कि सभी ऊतक कोशिकाओं से बने हैं अर्थात् कोशिका जीवन की आधारभूत इकाई है।

cell wall **कोशिका भित्ति**

कोशिका का तहदार झिल्लीदार आवरण जो अंतर्वस्तुओं की अपेक्षा अधिक दृढ़ होता है। पादप कोशिका–भित्तियों में सेल्यूलोस नामक पदार्थ आवश्यक रुप से विद्यमान रहता है।

cellular **कोशिकीय, कोशिकामय**

कोशिका वाला।

cellulose **सेलुलोस**

एक कार्बोहाइड्रेट, जो पौधों की कोशिका भित्तियों का मुख्य घटक है।

censer mechanism **दोलकक्षेपी विधि**

बीज परिक्षेपण की एक प्राकृतिक विधि, जिसमें वायु बल द्वारा बीज फलों के छिद्रों से निकलकर दूर जा गिरते हैं, जैसे पोस्त में।

centrifugal xylem **अपकेन्द्री दारू**

वह दारु जो क्रमशः केन्द्र से बाहर की ओर बनता जाता है।

centriole **तारक केन्द्र**

तर्कु के संगठन से संबद्ध खोखला बेलनाकार कोशिकांग।

centripetal xylem **अभिकेन्द्री दारु**

वह दारु जो क्रमशः बाहर से केन्द्र की ओर बनता जाता है।

centromere (kinetochore or primary constriction) **गुणसूत्र बिंदु, सेन्ट्रोमीयर**

गुणसूत्र का संकीर्ण क्षेत्र जो पश्चावस्था के समय गुणसूत्रो के तर्कु के माध्यम से विपरीत ध्रुवो की ओर संचलन में सहायक होता है।

certified seed **प्रमाणित बीज**

आधार बीज से उत्पादित बीज जिसकी शुद्धता बीज प्रमाणन अभिकरण द्वारा प्रमाणित होती है और जो वाणिज्यिक उत्पादन के लिए प्रयुक्त होता है।

chalaza **निभाग, कैलाजा**

बीजांडकाय (न्यूसेलस) का आधार अंश जहां से बीजांड आवरण निकलते हैं।

character **लक्षण, गुण**

किसी जीव की आकृतिक, शारीरिक और शरीर क्रियात्मक विशेषता जो सामान्यतः जीन प्ररुप और पर्यावरण की अंतर्क्रिया से उत्पन्न होती है।

characteristics **अभिलक्षक**

किसी जीव या जीव वर्ग की पहचान कराने वाले विशेष लक्षण या लक्षण समूह।

chemosynthesis **रसायन–संश्लेषण**

रासायनिक अभिक्रिया से उत्पन्न ऊर्जा से जीव में कार्बनिक यौगिकों का संश्लेषण।

Chenopodium album **कीनोपोडियस एलबम**

कीनोपोडियम की एक जाति, जिसे सामान्य भाषा में बथुआ या वस्तुका कहते हैं।

cherry **चेरी**

रोजेसी कुल के वंश प्रूनस तथा उससे मिलते–जुलते वंश पैडस की जातियों का सामान्य नाम।

chestnut **चेस्टनट**

कैस्टेनिया की जातियों का सामान्य नाम । इसके मीठे भोज्य फल नट कहलाते हैं।

chi-sequence **काई–अनुक्रम**

एक अष्टभागी संरचना जो ई. कोलाई में Rec-A- मध्यमीकृत आनुवंशिक पुनः संयोजन के लिये अति उपयुक्त स्थान प्रदान करती है।

chi-structure **काई–संरचना**

डी. एन. ए. के दो द्विक अणुओं के बीच की संधि जो रुपरेखा में ग्रीक अक्षर काई (X) के समान है। यह प्रत्येक वृत्त के रैखिक सिरे को प्रजनित करने के लिए दो संयुक्त वृत्तों के मध्यवर्ती को विदलित करने से प्रकट होती है।

chiasma (chiasmata) **व्यत्यासिका काइऐजमा (काइऐजमेटा)**

गुणसूत्री विनिमय का एक बिंदु जो द्विसूत्र अवस्था में समजात गुणसूत्रों के पृथक होने पर दिखाई पड़ता है।

Chlamydomonas **क्लैमाइडोमोनास**

वोल्वोकेलीज नामक शैवाल गण के क्लेमाइडोमोनाडेसी कुल का वंश विशेष । ये पौधे कशाभिकाओं के द्वारा स्वच्छ मीठे पानी में तैरते हैं तथा इनके अग्र भाग में प्रकाश संवेदक दृकबिन्दु होता है।

chlamydospore **क्लैमाइडो बीजाणु**

मोटी भित्ति की कोशिकाओं वाला कवक बीजाणु जिसमें प्रतिकूल मौसम को सहन करने की क्षमता होती है।

chlorenchyma **हरित ऊतक**

मृदूतक (परेनकाइमा) जिसमें पर्णहरित होता है : जैसे पर्णमध्योतक (लीफ मीजोफिल)।

Chlorophyceae **क्लोरोफाइसी**

एक विशाल शैवाल वर्ग, जिसके प्रतिनिधि सामान्य भाषा में हरित शैवाल कहलाते हैं। क्लोरोफिल नामक हरे वर्णक की उपस्थिति के कारण इनका रंग हरा या पीला-हरा होता है। ये अलवणी तथा नमकीन पानी, दोनों में पाए जाते हैं। उदाहरण-वॉल्वॉक्स, यूलोथ्रिक्स, क्लेडोफोरा।

chlorophyll **पर्णहरित, क्लोरोफिल**

पादप कोशिकाओं का हरा वर्णक। इसकी सहायता से प्रकाश की उपस्थिति में कार्बनडाइऑक्साइड से कार्बन लेकर पौधा स्वतः ही कार्बोहाइड्रेट का संश्लेषण कर लेता है। साधारण क्लोरोफिल सामान्यतः चार वर्णकों क्लोरोफिल-ए, क्लोरोफिल-बी, कैरोटिन एवं जैन्थोफिल का मिश्रण होता है।

chlorophyll-a **क्लोरोफिल-ए**

पर्णहरित (क्लोरोफिल) का एक संघटक।

chlorophyll-b **क्लोरोफिल-बी**

पर्णहरित (क्लोरोफिल) का एक संघटक।

chloroplast **हरित लवक**

लवक (प्लास्टिड) जिनमें पर्णहरित (क्लोरोफिल) होता है।

chlorosis **हरिमाहीनता**

प्रकाश की उपस्थिति के बावजूद लोहा, मैग्नीशियम आदि की कमी अथवा किसी बीमारी के कारण सामान्यतः पर्णहरितधारी अंगों में पर्णहरित के अभाव के कारण पीलापन।

chlorotic **हरिमाहीन**

हरिमाहीनता (क्लोरोसिस) से ग्रस्त।

chloroxylon sweitenia **क्लोरोजाइलोन स्वीटेनिया**

क्लोरोजाइलोन की एक जाति, जिससे इमारती लकड़ी प्राप्त होती है। इससे एक प्रकार का गोंद, रंग व तेल निकलता है तथा इसकी छाल औषधि के रुप में उपयोगी है।

chondriosome **कॉन्ड्रियोसोम**

कोशिका द्रव्य में विद्यमान दानेदार, दंडाकार अथवा तंतुवत् कोशिकांग जो पादप-श्वसन के केन्द्र हैं।

chromatid **अर्धगुणसूत्र, क्रोमेटिड**

सेन्ट्रोमीयर के विभाजन के पश्चात, गुणसूत्र से अलग हुए दो सूत्रों में से प्रत्येक को अर्धगुणसूत्र कहते हैं।

chromatin **क्रोमेटिन**

अन्तरावस्थी कोशिका के केंद्रक में न्यूक्लीक अम्लों और प्रोटीनों का संकुल।

chromatin network **क्रोमेटिन जालिका**

केन्द्रक में विद्यमान क्रोमेटिन की जाली।

chromatophore **वर्णकीलवक**

वर्णक वाला लवक (प्लास्टिड)।

chromomere **वर्णकणिका, क्रोमोमियर**

विसंघनित गुणसूत्र के अक्ष पर विद्यमान दृढ़तया वलित डी. एन. ए. की मणिका सदृश संरचना।

chromoplast **वर्णक लवक, वर्ण लवक**

वर्णक लवक (प्लास्टिड) जिसमें पर्णहरित के अतिरिक्त अन्य वर्णक विशेष रुप से पीले और नारंगी होते हैं।

chromosome **गुणसूत्र, क्रोमोसोम**

जीनोम की जीन वाहिका विविक्त इकाई, जो केवल कोशिका विभाजन के समय एक अकारिकी सत्ता के रुप में दृश्यमान होती है।

chromosome theory **गुणसूत्र सिद्धांत**

वह सिद्धांत जिसमें गुणसूत्र जीनों के धारक होते है और उनका अर्धसूत्री व्यवहार वंशागति का आधार होता है।

Chrozophora plicata **क्रोजोफोरा प्लिकेटा**

क्रोजोफोरा की एक विषैली जाति (स्पीशीज) जिसकी पत्तियाँ बड़ी और पंखुड़िया पीली होती है।

Chrysenthemum indicum **क्राइसेंथीमस इंडिकम**

क्राइसेंथीमम की एक जाति (स्पीशीज) जिसे सामान्य भाषा में गुलदाउदी कहते हैं यह उद्यानों का एक मुख्य आकर्षक पौधा है।

Cicer arietinum (gram) **साइसर एरीटिनम**

साइसर की एक जाति जिसे सामान्य भाषा में चना कहते हैं।

Cichorium intybus **साइकोरियम इन्टाइबस**

साइकोरियम की एक जाति जिसे सामान्य भाषा में कासनी कहते हैं।

ciliary movement **पक्ष्माभिकीय गति**

पक्ष्माभिका (सिलिया) की सहायता से होने वाली गति।

cilium **पक्षमाभिका**

चलाणु (जूस्पोर) आदि गतिशील कोशिकाओं के बाल जैसे पतले प्रवर्ध जो इन कोशिकाओं के द्रव माध्यम में तैरने में सहायक होते हैं।

circinate **कुंडलित**

कुंडल की तरह लिपटी हुई, जैसे पर्णांग (फर्न) की नई पत्तियां।

Citrus aurantium **सिट्रस औरैशियम**

सिट्रस की एक जाति जिसका सामान्य नाम संतरा या नारंगी है।

Citrus decumane / Citrus grandis **सिट्रस डेकूमाना**

सिट्रस की एक जाति जिसको सामान्य भाषा में चकोतरा कहते हैं।

Citrus limetta / Citrus limettoides **सिट्रस लिमेटा**

सिट्रस की एक जाति जिसको सामान्य भाषा में शरबती नींबू कहते हैं. इसे सिट्रस मेडिका की उपजाति लिमेटा के अंतर्गत भी रखा जाता है।

Citrus limonia / Citrus limon / Ccitrus medica var limonum सिट्रस लिमोनिया

सिट्रस की एक जाति जिसको सामान्य भाषा में नीबू कहते हैं। इसे सिट्रस मेडिका की उपजाति लिमोनम भी माना जाता है।

Citrus maxima **सिट्रस मैक्सिमा**

सिट्रस की एक जाति जिसका सामान्य नाम चकोतरा भी है।

Citrus medica **सिट्रस मेडिका**

सिट्रस की एक जाति जिसका सामान्य नाम कागजी नीबू है।

cladode **पर्णाभ पर्व, क्लैडोड**

एक या दो पर्वों को रूपांतरित शाखा जो आकृति तथा कार्य में पत्ती जैसी होती है; जैसे ऐस्पैरैगस (शतावरी)।

class **वर्ग, क्लास**

(1) जीवों की एक व्यापक श्रेणी, जो वर्गीकरण में गण (ऑर्डर) के ऊपर संघ (फाइलम) के नीचे होती हैं।

(2) एक समूह जिसमें समान परिमाण के परिवर्त सम्मिलित होता है।

classification **वर्गीकरण**

एक निश्चित योजना और क्रम के अनुसार पौधों और जानवरों के श्रेणी विन्यास की विधि। इस प्रकार जीवों का विभाजन क्रमशः संघ (फाइलम), वर्ग (क्लास), गण, (ऑर्डर), कुल (फैमिली), वंश (जीनस), जाति (स्पीशीज), उपजाति (सब-स्पीशीज) या वैराइटी में किया जाता है।

claw **नखर**

किसी पंखुड़ी का लंबा पतला आधारः जैसे हाएन्थस में।

cleft **विदलित**

पौधे के किसी अंग में गहरा कटाव।

cleistogamous **क्लीस्टोगैमस**

न खिलने वाला पुष्प।

cleistogamy **अनुन्मील्य परागण, क्लीस्टोगैमी**

वह अवस्था जिसमें पुष्प के न खिलने के कारण स्वपरागण ही होता है।

climbing plant **आरोही पादप**

वह पौधा जो किसी सहारे के चारो ओर लिपट कर अथवा प्रतान (टेंड्रिल) आदि के द्वारा उससे चिपके रहकर ऊपर को बढ़ता है।

Clitoria ternatea **क्लाइटोरिया टर्नेशिया (गोकर्ण)**

क्लाइटोरिया की एक जाति (स्पीशीज) जिसका सामान्य नाम गोकर्ण है।

cloning **क्लोनन**

कोशिकाओं, जीवों अथवा डी. एन. ए. के खंडो का अलैगिक उत्पादन जो आनुवंशिकतः मूल के समान है।

closed bundle **अवर्धी पूल**

वह संवहन-पूल (वैस्क्युलर बंडल), जिसमें एधा (कैम्बियम) नही होता।

coccus/cocci **गोलाणु, कोक्कस**

जीवाणु जो गोलाकार आकृति के होते हैं।

coconversion **सहरुपांतरण**

किसी जीव में दो स्थलों का साथ-साथ रुपांतरण।

Codiaeum variegatum **कोडियम वेरिगेटम**

कोडियम की एक जाति (स्पीशीज) जिसकी पत्तियां चितकबरी होती हैं।

codon **कोडान, प्रकूट**

संलग्न न्यूक्लीटाइडों का त्रिक जो एक एमीनो अम्ल को संकेतित करता है।

coenobium **संमंडल**

जीवों की सामान्यतः गोलाकार क़ॉलोनी, जो झिल्ली, से आवृत्त रहती है। इसमे कोशिकाओं की संख्या निश्चित होती हैं तथा कोशिकाएं स्वतंत्र होते हुए भी वियुक्त नही हो सकती।

coenocyte **सेंकोशिका**

बहुकेन्द्रकीय जीवद्रव्य की संहति जो वस्तुतः एक ही कोशिका होती है; जैसे वोकेरिया का थैलस।

coenogamete **संयुग्मक**

बहुत से केन्द्रकों वाला युग्मक।

coincidence **संपात**

यह प्रेक्षित द्विविनिमयजों की संख्या और तीन या चार संलग्न जीनों के बीच एकल जीन विनिमयजों के आधार पर प्रत्याशित संख्या का अनुपात है।

colchicine **काल्चिसीन**

एक ऐल्केलाइड जो कॉल्चिकम ऑटोमनेल के बीजों से निकाला जाता है तथा सूत्री विभाजन के दौरान तर्कु संरचना को रोककर बहुगुणिता को उत्पन्न करता है।

coleoptile **कॉलिओप्टाइल, प्रांकुर-चोल**

एकबीजपत्री पौधो के भ्रूण मे प्रांकुर (प्लुम्यूल) को ढकने वाली छादनी। यह अंकुरण के समय भूमि के ऊपर निकल आती है।

coleorhiza **मूलांकुरचोल, कॉलिओराइजा**

एकबीजपत्री पौधो के भ्रूण मे मूलांकुर (रैडिकल) को ढकने वाली छादनी। अंकुरण के समय मूलांकुर इस छादनी को भेद कर भूमि मे प्रवेश करता है।

collar **कॉलर**

(1) छत्रकों का वलय।

(2) कुछ स्त्री-जननांगों के आधार पर घेरे हुए एक छादनी,जैसे मार्केन्शिया की स्त्रीधानी तथा गिंको के बीजांड में।

(3) जड़ और तने के बीच की संधिरेखा।

Collateral bundle **बहिः फ्लोएमी पूल**

वह संवहन पूल (वेस्कूलर बंडल) जिसमें दारू के बाहर की ओर ही फ्लोएम होता है।

collenchyma **स्थूलकोण ऊतक**

पौधों के अंगों को सहारा देने वाला ऊतक। इसकी कोशिका भित्तियां (विशेष कर उनके कोने) पेक्टिन-युक्त सेल्यूलोस के निक्षेपण के कारण स्थूल होती हैं। यह प्रायः शाकीय पौधों के बल्कुट (कॉर्टेक्स) में पाया जाता है।

colony **कॉलोनी**

निकट साहचर्य में रहने वाले एक ही प्रकार के जीवों का समूह।

columella **स्तंभिका, कॉल्यूमेला**

बीजाणुधानियों अथवा उसी प्रकार के कुछ अन्य बीजाणुवाहक अंगों के मध्य का बंध्य भाग। जैसे-

1. मॉस की स्फोटिका (कैप्सूल) के मध्य का अक्ष।

2. म्यूकर कुल के कवकों की बीजाणुधानी का केन्द्रीय भाग।

column **स्तंभ**

पुमंग और जायांग से मिलकर बना स्तंभ-सा अंग, जैसे ऑर्किड के फूल में।

companion cell **सहकोशिका**

केन्द्रक वाली एक फ्लोएम कोशिका जो चालनी नलिका (सीव टयूब) के साथ रहती है और उसी मातृ कोशिका से उत्पन्न होती है जिससे कि चालनी नलिका।

composite fruit **संग्रथित फल**

वह फल जो सम्पूर्ण पुष्पक्रम से बनता है, न कि एक फूल से। उदाहरण–अंजीर, शहतूत, अनान्नस।

compound leaf **संयुक्त पत्ती**

वह पत्ती जिसमे फलक मध्य शिरा तक कट कर दो या दो से अधिक पत्रकों में विभाजित हो जाता है। संयुक्त पत्ती प्रायः दो प्रकार की होती है–पिच्छकाकार (पिनेट) और हस्ताकार (पामेट)।

compressed **संपीडित**

पार्श्व से चपटा या दबा हुआ, जैसे कुछ वृन्त।

concentric vascular bundle **संकेन्द्री संवहन पूल**

वह संवहन–पूल जिसमे दारु या फ्लोएम दोनों में से एक, केन्द्र मे स्थित होता है और दूसरा उसे चारो ओर से घेरे रहता है।

cone **शंकु**

शंकु की आकृति का जनन अंग, जैसेः–

(1) चीड़ कुल के पौधों में बीजांडधारी या परागधारी शल्कों का समुच्चय,

(2) इक्वीसीटम कुल के पौधो में बीजांडधानियो का समुच्चय।

configuration **विन्यास संरुपण**

पश्चावस्था मे अन्य साहचर्य से स्वतंत्र अर्धसूत्रण विसंयोजन के समय दो अथवा अधिक गुणसूत्रों का साहचर्य।

conidiophore **कोनिडियम वृंत**

कवक तंतु (हाइफा) जिस पर कोनिडिया लगे रहते हैं।

conidium **कोनिडियम**

कवकतंतु (हाइफा) के सिरे पर बनने वाले अलिंगी बीजाणु।

conifer **शंकुवृक्ष, कोनिफर**

जिम्नोस्पर्म के पादपों का एक समूह जिसके वृक्ष शंक्वाकार होते है। उदाहरण–चीड़, देवदार।

conjoint vascular bundle **संयुक्त संवहन पूल**

वह संवहन पूल जिसमें दारु (जाइलम) और फ्लोएम दोनो एक ही त्रिज्या पर अवस्थित होते हैं।

conjugation **संयुग्मन**

(1) ऐसी घटनाएं जो युग्मों को जोड़ती है अथवा गुणसूत्रों, केन्द्रकों, कोशिकाओं या जीवों को जोड़ती, संयुग्मित या एकीकृत करती है।

(2) एक प्रकार का लैंगिक जनन जिसमें समान आकृति वाली दो कोशिकाओं का जीवद्रव्य मिलकर युग्माणु (जाइगोस्पोर) बनाता है।

connective **योजी**

परागकोश की दो पालियों को जोड़ने वाला पुंकेसर का भाग।

conservation **संरक्षण**

पौधों में नैसर्गिक संतुलन बनाए रखने के उद्देश्य से प्राकृतिक साधनों का समुचित **रख रखाव** या सही ढंग से उपयोग।

continuous variation **सतत विभिन्नता/सतत विविधता**

वह विभिन्नता जिसका विभाजन पृथक अथवा सुस्पष्ट वर्गों में नहीं किया जा सकता।

contortae **कॉन्टोर्टी**

द्विबीजपत्री पादपों का एक गण। इसमें साधारणतया पुष्प बहुव्यास सममित, पंचतयी और संयुक्त दली होता है। स्त्रीकेसर दो युक्तांडपी, पुंकेसर दललग्न और पुष्पदल विन्यास कुंचित होता है। ऐपोसाइनेसी आदि कुल इसके अंतर्गत हैं।

contorted (twisted) **कुंचित**

एक प्रकार का पुष्पदल-विन्यास (एस्टिवेशन) जिसमें प्रत्येक दल का एक किनारा दबा हुआ तथा दूसरा बाहर होता है।

convergence **अभिसरण**

विभिन्न वंशक्रमों में विभिन्न विधियों से समान वातावरण में रहने के कारण लक्षणों का विकास, जैसे नागफनी और रेगिस्तानी यूफोर्बिया में समान लक्षणों का होना।

cordate **हृदयाकार**

हृदय की आकृति का पत्ती का फलक या अन्य पादप अंग, जैसे पान की पत्ती।

cork **काग, कॉर्क**

तने में बाह्य त्वचा के स्थान पर अवस्थित मृत कोशिकाओं के बने ऊतकों की मोटी परत जिससे होकर सामान्यतः हवा और पानी अंदर नहीं जा सकते।

cork-cambium **काग-एधा**

तने या जड़ में विद्यमान एक गौण विभज्योतक (मेरिस्टेम) जो अपने बाहर की ओर काग तथा भीतर की ओर द्वितीयक वल्कुट को जन्म देता है।

corm **घनकंद, कॉर्म**

एक प्रकार का रुपांतरित भूमिगत तना, जो दृढ, मांसल और उर्ध्व होता है। इस पर शल्क पत्रों के कक्ष में एक या अधिक कलिकाएं होती हैं। उदाहरण-अरबी, केसर, जिमीकंद।

corolla **दल-पुंज, कौरोला**

पुष्प की पंखुड़ियों का सामूहिक नाम।

cortex **वल्कुट**

जड़ या तने का संवहन ऊतक और बाह्यत्वचा के बीच का भाग। कभी-कभी कोई भी बाहरी ऊतक को वल्कुट कहते हैं, जैसे लाइकेन अथवा समुद्री शैवाल में।

corymb **समशिख, कोरम्ब**

एक प्रकार का असीमाक्ष पुष्पक्रम जिसमें निचले फूलों के वृन्त बड़े और ऊपर के फूलों के वृन्त क्रमशः छोटे होते जाने के कारण पुष्पक्रम का शिखर समतल अथवा थोड़ा-सा उत्तल पुष्प-गुच्छ बन जाता है।

cotyledon **बीजपत्र, कॉटिलीडन**

भ्रूणीय पत्ती जो बहुधा खाद्य संग्रहण का कार्य करती है। यह सामान्यतः अंकुरण के समय पौधे की पहली हरी पत्ती अथवा पत्ती के जोड़े के रूप में प्रकट होती है।

creeper **विसर्पी लता**

वह पौधा जिसका तना भूमि सतह पर रेंगते हुए बढ़ता है और जिसकी प्रत्येक पर्वसंधि से जड़ें निकलती हैं।

cremocarp **क्रीमोकार्प**

साधारण, शुष्क, भंगुर फल जो अधोवर्ती (इन्फीरियर), द्विस्त्रीकेसरी, आभासी पट (फॉल्स सेप्टम) वाले जायांग से बनता है। पकने पर अनुदैर्ध्य स्फुटन के कारण इसके दो फलांशक एक पतले फलिकाधर (कार्पोफोर) की सहायता से लटके रहते हैं।

crista **क्रिस्टा**

आंतरिक सूत्रकणिकीय-कला का अंतर्वलन, जिसमें श्वसन-उपापचय और ऑक्सीकरणी फॉस्फोरीलेशन के घटक विद्यमान रहते हैं।

cross pollination **पर परागण**

एक फूल के पराग का किसी दूसरे फूल के वर्तिकाग्र पर स्थानान्तरण।

crossing - over **विनिमय, क्रौसिंग ओवर**

समजात गुणसूत्रों के किसी युग्म के असमजात अर्धगुणसूत्रों के अंतर्गत विनिमय की ऐसी क्रियाविधि जिसकी परिणति जीनों के पुनः संयोजन में होती है।

Crotalaria juncea **क्रोटालेरिया जंसिया**

क्रोटालेरिया की एक जाति जिसे सामान्य भाषा में सनई कहते हैं। यह रेशे, चारे और हरी खाद के लिए उपयोगी है।

Croton tiglium **क्रोटन टिगलियम**

क्रोटन की एक जाति, जिसका सामान्य नाम जमालगोटा है। इसके बीजों में विषैली प्रोटीन होती है। इससे क्रोटन तेल प्राप्त होता है।

cruciform **क्रॉसरूप**

क्रॉस की आकृति का जैसे सरसों के फूल का दलपुंज।

cryptogam **क्रिप्टोगम**

अपुष्पी पादप । इस समुदाय के अंतर्गत (1) थैलोफाइटा (2) ब्रायोफाइटा और (3) टेरिडोफाइटा है।

cryptomitosis **क्रिप्टोमाइटोसिस**

केन्द्रक विभाजन जिसमें सरल अथवा मिश्र तर्कु तो होते है, किंतु मध्यवर्ती पट्टिका (प्लेट) में गुणसूत्र पंक्तिबद्ध नहीं होते।

culm **कल्म**

घास कुल के पौधों का पोला, जोड़दार तना।

culture **1. संवर्धन 2. संवर्ध**

(1) जीवों, ऊतकों या कोशिकाओं का कृत्रिम रुप से पोषण करके, वृद्धि तथा प्रगुणन करना।

(2) इस प्रकार से उत्पन्न जीव, ऊतक अथवा कोशिकाओं का समूह।

cuticle **उपत्वचा, क्यूटिकल**

पौधों की बाह्यत्वचा (एपिडर्मिस) के बाहर का पतला सा आवरण। क्यूटिन से बने होने के कारण इसमें जल का प्रवेश नहीं हो सकता।

cuticular transpiration **उपत्वची वाष्पोत्सर्जन**

पौधों की उपत्वचा द्वारा होने वाला वाष्पोत्सर्जन।

cyanophyceae (blue green algae) **साइनोफाइसी**

नील-हरित शैवालों का वर्ग। उदाहरण-नॉस्टॉक, औसिलेटोरिया।

cyathium **साऐथियम**

एक विशेष प्रकार का पुष्पक्रम जो यूफोर्बिया में पाया जाताहै। इसमें सहपत्र, एक कटोरे जैसा सहपत्र-चक्र (इन्वोल्युकर) बनाते है जिसके अंदर अनेक नर और एक मादा अपरिदली पुष्प होता है। पुष्पदलविन्यास आरोही कोरछादी (इम्ब्रिकेट) बाह्यदलपुंज पृथक् बाह्यदलीय या आधार पर तनिक जुड़े हुए ; पुमंग 10 मुक्तपुंकेसर ; जायांग एकांडपी ; बीजांडन्यास सीमांत; और फल शिम्ब होता है।

cycle **चक्र**

फूल या पत्ती आदि का चक्कर (whorl) जो एक पर्वसंधि पर निकलता है।

cyclosis **जीव द्रव्य भ्रमण, साइक्लोसिस**

सूक्ष्म तंतुओं की क्रिया द्वारा कोशिका द्रव्यी धाराओं का उत्पन्न होना।

cyme **ससीमाक्ष**

एक पुष्पक्रम, जिसमें मुख्य अक्ष ज्येष्ठतम फूल में समाप्त हो जाता है। बाद में नीचे से निकलने वाली पार्श्विक शाखाएं भी फूलो में समाप्त होती जाती हैं। ससीमाक्ष पुष्पक्रम दो प्रकार के होते हैं :- (1) एक शाखी तथा (2) द्विशाखी।

cypsela **सिप्सेला**

साधारण, शुष्क,ऐकीनियल फल जिसमें प्रायः रोमचक्र (पैपस) का मुकुट होता है। यह युक्तांडपी अधोवर्ती अंडाशय से बनता है। उदाहरण-सूर्यमुखी कुल के फल।

cytase **साइटेस**

सेलुलोस का विघटन करने वाला एक एन्जाइम। यह बीजों में पाया जाता है।

cystolith **सिस्टोलिथ**

कुछ पादप कोशिकाओं में विद्यमान कैल्शियम कार्बोनेट के क्रिस्टल।

cytocentrum **साइटोसेन्ट्रम**

तारककायों एवं उसके परिवृत्त कोशिकाद्रव्य से निर्मित संरचना।

cytochrome **साइटोक्रोम**

श्वसन क्रिया से संबद्ध लोहे वाले पदार्थों का एक वर्ग, जो कोशिका में वर्तमान रहते हैं और अंतराकोशिकीय (इन्ट्रासेलुलर) ऑक्सीकरण में महत्वपूर्ण कार्य करते हैं।

cytoderm **साइटोडर्म**

(1) कोशिका भित्तिः

(2) कोशिका दृति।

cytoecology **साईटोइकोलोजी, कोशिका–परिस्थितिकी**

विज्ञान की वह शाखा जिसमे कोशिकाओं पर पर्यावरण का अध्ययन किया जाता है।

cytogamy **कोशिका युग्मन**

कोशिकाओं के युग्मन का प्रक्रम।

cytogenetics **कोशिकानुवंशिकी**

समसूत्रण और अर्धसूत्रण मे गुणसूत्रो की गतिविधियों का और इनके द्वारा आनुवंशिक लक्षणों की वंशागति पर पड़ने वाले प्रभावों का अध्ययन।

cytogenous **कोशिकोत्पादक**

कोशिकाओं का उत्पादन करने वाली ऊतकें।

cytokinesis **कोशिकाद्रव्य विभाजन**

कोशिकाद्रव्य का संकीर्णन अथवा भित्ति निर्माण द्वारा विभाजन।

cytology **कोशिका विज्ञान**

विज्ञान की वह शाखा जिसमे कोशिका की संरचना का अध्ययन किया जाता है।

cytopathology **कोशिका रोग विज्ञान, साईटोपैथोलोजी**

कोशिकाओं पर रोगजनकों के प्रभावों का अध्ययन।

cytoplasm **कोशिकाद्रव्य, साइटोप्लाज्म**

जीव द्रव्य–कला और केन्द्रक के मध्य पाई जाने वाली कोशिकान्तर्वस्तु।

cytoplasmic inheritance **कोशिकाद्रव्यी वंशागति**

वंशानुगति की वह प्रक्रिया जिसमे सूत्रकणिका अथवा हरितलवक में अवस्थित जीनों का मातृ–जनक द्वारा संचारण होता है।

cytoplasmic matrix **कोशिकाद्रव्यी मैट्रिक्स**

कोशिकाद्रव्य का वह अंश जो अंतः कलातंत्र में नहीं होता।

cytoplasmic sterlity **कोशिकाद्रव्यी बन्ध्यता**

युग्मकों की बन्ध्यता जो कोशिका द्रव्य में उपस्थित कारकों के कारण होती हैं।

cytosine **साइटोसिन**

न्यूक्लीक अम्ल का एक पिरिमिडीन क्षारक घटक।

cytoskeleton **साइटोपंजर**

कोशिकाद्रव्य में पाए जाने वाला प्रोटीन तंतुओं का जटिल जालतंत्र।

cytotaxis **कोशिकानुचन**

गतिशील कोशिकाओं का, अन्य कोशिकाओं से उत्सर्जित विशिष्ट विसरणशील उद्दीपनों द्वारा आकर्षित होना।

cytotaxonomy **कोशिकावर्गिकी, साइटोटैक्सोनोमी**

कोशिका-विज्ञान के वे आधार जो वर्गों का वर्गकीय स्थान निर्धारित करते हैं।

"D"

Dalbergia sisso **डल्बर्जिया सिस्सो**

डल्बर्जिया की एक जाति, जिसे सामान्य भाषा में शीशम कहते है।

Darwinism (Darwinian theory) **डारविनवाद**

डार्विन द्वारा सन् 1859 में प्रतिपादित विकास प्रक्रम का एक सिद्धान्त इसके अनुसार जीव की उन विचल विविधताओं का प्राकृतिक वरण होता है जो वातावरण के अनुकूलतम होती है। इस प्रकार उपयुक्ततम जीव ही जीवन-संघर्ष में सफल होते हैं और उपयुक्त जीवों के जीवित रहते ही नई जातियों की उत्पत्ति होती है।

date palm **खजूर**

जालकुल (पामी) के वंश फीनिक्स का सामान्य नाम। इसका वृक्ष लम्बा पत्तियां पक्षाकार (पिन्नेट)और पुष्प बड़े, गुच्छमय व एकलिंगाश्रयी होते हैं।

daughter cells **संतति कोशिकाएं**

मातृ कोशिका के विभाजन से उत्पन्न नव कोशिकाएं।

daughter colony **संतति कालोनी**

मौलिक कॉलोनी से उत्पन्न और सामान्यतः उसी के अंतर्गत स्थित नई कॉलोनी।

daughter nucleus **संतति केन्द्रक**

केन्द्रक के विभाजन से उत्पन्न नव केन्द्रक।

deciduous **पाती, पर्णपाती**

(पौधों के अंगों के संबंध में प्रयुक्त) वृद्धि काल के उपरांत झड़ जाने वाले, जैसे (1) वे पत्तियां जो पतझड़ में झड़ जाती है। (2) वे पंखुड़ियां जो फूल के खिल चुकने पर झड़ जाती है।

decussate **व्यत्यस्थ**

(तने पर पत्तियों आदि के विन्यास के संबंध में) जिसमें एक परस्पर सम्मुख जोड़ा अपने निकटवर्ती दूसरे जोड़े के साथ समकोण बनाए जैसे तुलसी में।

dehiscence **स्फुटन**

परिपक्व होने पर किसी अंग जैसे फल पराग-कोश, बीजाणुधानी आदि का फटना।

dehiscent **स्फुटनशील**

परिपक्व होने पर निश्चित सीवन पर स्वतः फट जाने वाला।

dentate **श्वदंती**

(पत्ती के संबंध में) जिसके कोर (मार्जिन) पर कुछ इस प्रकार के कटाव हों कि वे बाहर की ओर निकले हुए दाँते से लगें।

De oxyribose nucleic acid (D.N.A.) **डिऑक्सीराइबोस न्यूक्लिक एसिड (डी. एन. ए.)**

वह केन्द्रकीय अम्ल जिसके अणुओं में डीऑक्सीराइबोस शर्करा होती है और सामान्यतः जिसके न्यूक्लीओटाइडों के विशिष्ट क्रम में आनुवंशिक सूचना निहित होती है यानी प्रोटीन संश्लेषण के लिए एमीनो एसिड का क्रम अंकित होता है।

Dermatogen (proteoderm) **त्वचाजन**

प्राथमिक विभज्योतक (मेरिस्टम) का बाह्य स्तर जो बाह्यत्वचा (एपिडर्मिस) एवं तत्संबंधी ऊतकों को जन्म देता है।

Desmodium gyrans **डेस्मोडियम गाइरेन्स**

डेस्मोडियम की एक जाति जो कि एक शाक है। इसे टैलिग्राफ प्लान्ट भी कहते हैं, क्योंकि इसके दो छोटे पार्श्व–पत्रक सिगनल की भांति ऊपर–नीचे गति करते हैं।

development **परिवर्धन**

जीव में परिवर्तनों का क्रम, जिसके फलस्वरुप वह प्रारंभिक एककोशिकीय अवस्था से पूर्णावस्था की परिचायक प्रजनन क्षमता को प्राप्त कर लेता है।

diadelphous **द्विसंघी**

(पुंकेसरों के संबंध में) जो पुंतुओं के जुड़ जाने से दो समूहों में हो, जैसे मटर के फूल में।

diakinesis **पारगतिक्रम**

प्रथम अर्धसूत्रण पूर्वावस्था का वह चरण जिसमें गुणसूत्र-संकुचन अधिकतम के समीप होता है और द्विसंयोजक पूरी कोशिका में भली भांति फैले होते हैं।

diandrous **द्विपुंकेसर**

दो पुंकेसर वाला, जैसे, जस्टीसिया, अड्डूसा आदि का फूल।

diastase **डायस्टेस**

एक एन्जाइम जो मंड (स्टार्च) को शर्करा में परिवर्तित कर देता है।

dichasial **युग्मशाखित**

युग्मशाखी (डाइकेजियम) से संबंधित।

dichasium **युग्मशाखी**

(1) एक प्रकार का ससीमाक्ष पुष्पक्रम जिसमें अक्ष के एक फूल में परिणति के अनंतर कुछ नीचे से दो पार्श्विक अक्ष (शाखाएं) निकलते हैं।

(2) इस प्रकार की शाखा विन्यास।

dichogamy **भिन्नकालपक्वता**

पर-परागण के लिए किसी फूल के नर और मादा अंगों का अलग-अलग समय में परिपक्व होना।

dichotomous branching (dichotomy) **समद्विभाजी शाखाविन्यास**

एक प्रकार का शाखाविन्यास, जिसमें क्रमशः मुख्य अक्ष और गौण शाखाएं सिरे पर दो समान उपशाखाओं में विभाजित होती जाती है। उदाहरण - साइलोटम (Psilotum) का शाखा-विन्यास।

dicotyledon **द्विबीजपत्रकी, डाइकोटिलीडन**

वे पौधे जिनके बीजो मे दो बीजपत्र होते हैं। पत्तियो का जालीदार शिरा विन्यास, संवहन–ऊतको का बेलनाकार समूह और पुष्पागो का चार या पांच के गुणज मे होना इनकी विशेषता है।

Dicotyledonae **डाइकोटिलीडनी**

आवृतबीजी पौधो (angiosperms) के दो वर्गो से से एक जिसके पौधो के बीजो मे दो बीजपत्र (cotyledons) होते हैं।

dictyosome **जालिकाय**

पादप कोशिकाओं का गॉल्जी समिश्र।

didynamous **द्विदीर्घक**

दो बड़े और दो छोटे पुंकेसरो वाला (पुमंग) जैसे तुलसी, थनबर्जिया (Thunbergia) आदि का फूल।

differentiation **विभेदन**

विभिन्न संरचनात्मक एवं कार्यात्मक परिवर्तनों के फलस्वरुप समान कोशिकाओं, ऊतको आदि का अपने पृथक–पृथक कार्यो के संपादन हेतु एक दूसरे से भिन्न होते चले जाना।

dihybrid **द्विसंकर**

ऐसा जीव जो युग्म–विकल्पियो के दो युग्मो के लिये विषमयुग्मजी होता है।

dimorpshim **द्विरूपता**

एक ही अंग का दो रूपो मे पाया जाना, जैसे कैसिया के फूल, कीनोपोडियम के फल और वैलिसनेरिया की पत्ती मे।

dioecious **पृथकलिंगी, एकलिंगाश्रयी**

जिसमे एकलिंगी नर या मादा पुष्प भिन्न–भिन्न पौधो पर पाए जाते हो, जैसे पपीता।

diplochlamydeous **द्विपरिदलपुंजी**

(ऐसे पुष्प) जिनका दो चक्रों वाला परिदलपुंज, बाह्यदलपुंज और दलपुंज में विभाजित हो।

diploid **द्विगुणित, डिपालॉइड**

ऐसा जीव या कोशिका जिसमें संजीन (जीनोम) के दो समुच्चय पाये जाते है।

diploid number **द्विगुणसंख्या**

गुणसूत्रों की वह संख्या जो युग्मकों में पाई जाने वाली संख्या की दुगुनी हो। इसे 2n कहते हैं।

diplotene **द्विपट्ट, डिप्लोटीन**

प्रथम अर्धसूत्री विभाजन की पूर्वावस्था का वह चरण जिसमें युग्मित अर्धगुणसूत्र टेलीमरण द्वारा अलग होने लगते हैं।

disc **बिम्ब, डिस्क**

पौधो में कोई गोल चपटा अंग। उदाहरण :-

(1) निम्बू आदि में जायांग के नीचे स्थित मकरंदस्रावी भाग।

(2) सूर्यमुखी परिवार के पुष्पक्रम का बीच का ठोस भाग, जिस पर पुष्प स्थित रहते हैं।

(3) प्याज के शल्ककंद का चपटा भाग, जिस पर शल्कपत्र (scale leaves) लगे रहते हैं।

disc - floret **बिम्ब-पुष्पक**

मुंडक (कैपिटुलम) के केन्द्रीय भाग (बिम्ब) पर स्थित प्रायः नलिकाकार फूल।

discontinous variation **असतत विभिन्नता**

किसी विशेषक के लिए ऐसी विभिन्नता जिसे दो या अधिक विवित्त वर्गों में वर्गीकृत किया जा सकता है।

dispersal **परिक्षेपण**

परिपक्व फल, बीज, बीजाणु आदि के पौधे से निकल कर दूर जा गिरने की क्रिया, जिसमे वायु, जल, पक्षी आदि सहायक होते हैं।

DNase **डी. एन. ऐस**

एन्जाइम विशेष जो (डी. एन. ए) मे हाइड्रोजन आबंधो पर आक्रमण करता है।

Dolichos lablab **डोलिकोस लबलब**

डोलिकोस की एक जाति जिस का सामान्य नाम सेम है।

dominant **प्रभावी, प्रमुख**

1. (आनुवंशिकी) युग्मविकल्पी आनुवंशिक कारकों के जोड़े का एक कारक जो अपने विपरीत कारक (अप्रभावी) की अभिव्यक्ति को दबा देता है।

2. (लक्षण) वह लक्षण जो F_1 पीढ़ी मे अपने को अभिव्यक्त करता है।

3. (पारिस्थितिकी) पादप समुदायो मे प्रतिनिधि पौधा।

dormant **प्रसुप्त**

जीव अथवा जीवांग जो सक्रिय अवस्था मे न हो, परन्तु कालांतर मे सक्रिय हो जाए, जैसे प्रसुप्त कलिका, प्रसुप्त बीज।

dorsal (abaxial) **पृष्ठीय, अपाक्ष**

पौधे की अक्ष की विमुख दिशा मे स्थित, जैसे पत्तियो की निचली सतह।

dorsifixed **पृष्ठलग्न**

पृष्ठ भाग के साथ जुड़ा हुआ परागकोश।

dorsiventral **पृष्ठाधर**

वे पत्तियां आदि जिसमें ऊपरी और निचली सतहें संरचनात्मक दृष्टि से स्पष्टतः एक दूसरे से भिन्न हों, जैसे– अधिकांश पत्तियां।

double backcross **द्विप्रतीप संकरण**

दो विस्थलों पर विषमयुग्मज जीव का उन्ही दो विस्थलों के लिये समजात युग्मज जीव के साथ संकरण।

double cross **द्विसंकरण**

दो F_1 संकरों के बीच संकरण।

drupe **अष्टिल, ड्रुप**

साधारण, गूदेदार सामान्यतया एकबीजी फल, जिसकी बाह्यफलभित्ति (एक्सोकार्प) स्थूल और मांसल और अंतःफलभित्ति (एन्डोकार्प) कठोर गुठली के रुप मे होती है। उदाहरण–आम, खुबानी, बादाम।

duplication **द्विगुणन, द्विगुणीकरण**

गुणसूत्र या डी. एन. ए. में एक ऐसा संरचनात्मक परिवर्तन जिसके फलस्वरुप गुणसूत्र अथवा डी. एन. ए. का कोई भाग द्विगुणित होता है।

"E"

Eclipta alba **एक्लिप्टा एल्बा**

एक्लिप्टा की एक जाति, जिसे सामान्य भाषा में भृंगराज कहते हैं। इस बूटी का औषधि और बालों के तेल बनाने में उपयोग होता है।

ecology **पारिस्थितिकी, परिस्थिति विज्ञान**

जीव–विज्ञान की वह शाखा, जिसमें जीव पर वातावरण के प्रभाव तथा जीवों के पारस्परिक संबंध का अध्ययन किया जाता है।

ecosystem **पारितंत्र, पारिस्थितिक तंत्र**

जैव समुदाय और पानी, हवा, मिट्टी आदि भौतिक वातावरण के मिलने से बना पारिस्थितिक तंत्र। संरचना तथा कार्य की दृष्टि से इसे पारिस्थितिकी की मूलभूत इकाई समझा जाता है। उदाहरण–तालाब, वन आदि।

ecotype **पारिस्थतिक प्ररुप**

एक स्थायी उपजाति, प्रजाति अथवा संरुप जो एक आवास में सीमित है।

ectogenesis **एक्टोजेनेसिस**

एक कृत्रिम पर्यावरण में देह के बाहर किसी भ्रूण का विकास।

ectogony **एक्टोगोनी**

भ्रूण तथा भ्रूणपोष की बाह्य संरचनाओं पर परागण तथा निषेचन का प्रभाव।

ectophyte **बहिः पादप**

ऐसा पादप जो किसी अन्य जीव की बाहरी सतह पर पाया जाता है।

ectoplasm **बहिः प्रद्रव्य, बहिद्रव्य, एक्टोप्लाज्म**

कोशिकाद्रव्य का बाहरी भाग जो आंतरिक भाग की अपेक्षा अधिक दृढ़ और कम दानेदार होता है।

egg **अंडा, अंड**

स्त्री युग्मक, जो गतिहीन होता है।

egg apparatus **अंड समुच्चय**

एक अंडकोशिका और दो सहायक कोशिकाओं का समूह जो भ्रूणपोष के बीजाण्डद्वार वाले सिरे पर स्थित होता है।

egg cell **अंडकोशिका**

भ्रूणकोश (ऐम्ब्रियो सैक) की प्रधान कोशिका जिसके निषेचन और परिवर्धन से बीज बनता है।

Elephantopus scaber **एलीफेंटोपस स्केबर**

ऐलीफेन्टोपस की एक जाति जो बगीचों और चरागहों में होती है। यह औषधि बनाने में उपयोगी होती है।

emasculation **विपुंसन**

द्विलिंगी पुष्पों से अस्फोटी परागकोश का निष्कासन।

embryo **भ्रूण**

निषेचन के उपरान्त अल्प-वर्धित अवस्था में जीव। पुष्पी पादपों में यह बीज के अंदर सुरक्षित रहता है।

embryosac **भ्रूणकोष**

बीजांड के भीतर का आशय जिसमें अंड कोशिका से भ्रूण का परिवर्धन होता है।

embryology **भ्रूणविज्ञान, भ्रौणिकी**

जीव विज्ञान की वह शाखा जिसमें भ्रूण की रचना तथा परिवर्धन आदि का अध्ययन किया जाता है।

endocarp **अंतः फलभित्ति**

फलभित्ति की सबसे अंदर की परत।

endodermis **अंतस्त्वचा, एंडोडर्मिस**

वल्कुट (कॉर्टेक्स) और रंभ को अलग करने वाली एक कोशिका चौड़ी परत। इसकी कोशिकाओं की त्रिज्य भित्तियां मोटी होती हैं।

endogamy **अंतः संगम**

उसी पुष्प के पुंकेसर द्वारा वर्तिकाग्र का परागण।

endogenous **अंतः जनित**

किसी अंग अथवा कोशिका के भीतर पैदा होने वाला, जैसे ऐस्कस बीजाणु।

endoplasm **अंतर्द्रव्य, अंतः प्रद्रव्य**

कोशिका के जीवद्रव्य का भीतरी कणिकामय भाग जो बहिर्द्रव्य की अपेक्षा अधिक तरल होता है और जिसमें मुख्य कोशिका अंगक (organelle) पाए जाते हैं।

endoplasmic reticulum **अन्तर्द्रविक जालिका**

कोशिकीय अभिगमन प्रक्रियाओं से संबद्ध कला परिबद्ध कोशिकाद्रव्यी वाहिकाओं का तंत्र।

endosmosis **अंतः परासरण**

परासरण–दाब के फलस्वरुप कोशिका के बाहर से भीतर की ओर रस की गति। उदाहरण–भूमि के लवण–घोल का मूल–रोम में प्रवेश।

endosperm **भ्रूणपोष**

सबीजी पादपों के भ्रूण–कोश में पाये जाने वाले पोषक ऊतक।

entomophilous **कीट परागित**

पुष्प जो सामान्यतः कीटों द्वारा परागित हों। ऐसे पुष्पों में सुगंध मकरंद और चटकीला रंग होता है जिससे कि कीट आकर्षित हो सकें।

entomophily **कीट परागण**

एक प्रकार का परागण, जिसमें परागकोष से वर्तिकाग्र तक पराग का स्थानांतरण कीटों द्वारा संपादित होता है।

environment **वातावरण, परिस्थिति**

जीव की वृद्धि, परिवर्धन और तत्संबंधी क्रियाशीलता पर प्रभाव डालने वाली परिस्थितियां, जैसे प्रकाश, आर्द्रता, अन्य जीव आदि।

enzyme **एंजाइम**

जीवों के शरीर में स्वाभाविक रुप में वर्तमान विशिष्ट कार्य वाले जटिल कार्बनिक पदार्थ जो शरीर में होने वाली रासायनिक अभिक्रियाओं में उत्प्रेरक (कैटेलिस्ट) का कार्य करते हैं। उदाहरण–जाइमेस।

epilbema **मूलत्वचा**

मूल की बाह्यत्वचा जिसकी कोशिकाओं से मूल रोम निकलते हैं।

epicalyx **अभिबाह्यदलपुंज, एपिकैलिक्स**

सहपत्रों अथवा बाह्यदल उपांगों से बना बाह्य–दलपुंज (कैलिक्स) के बाहर उसी प्रकार का एक दूसरा चक्कर, जैसे गुड़हल के फूल में।

epidermis **बाह्यत्वचा**

पौधों के तने व पत्तियों में आपस में जुड़ी हुई कोशिकाओं की पतली परत, जो बाह्यआवरण का काम करती है।

epigeal germination **उपरिभूमिक अंकुरण**

एक प्रकार का अंकुरण जिसमें बीजपत्राधर (हाइपोकौटिल) के लंबे हो जाने के कारण बीजपत्र भूमि के ऊपर आ जाते है, जैसे सेम में।

epigynous **जायांगोपरि**

(1) (पुष्प के संबंध में प्रयुक्त) जिसमें बाह्यदलपुंज, दलपुंज और पुमंग अंडाशय के ऊपर अवस्थित होते हैं।

(2) (बाह्यदलपुंज, दलपुंज अथवा पुमंग के संबंध में प्रयुक्त) जो अंडाशय के ऊपर अवस्थित हो।

epinasty **अग्रः कुंचन**

पत्तियों, शल्कों, पंखुड़ियों आदि द्विपृष्ठी चपटे अंगों में ऊपरी सतह की अपेक्षाकृत त्वरित वृद्धि के फलस्वरुप उस अंग के अग्र का थोड़ा बहुत नीचे की ओर मुड़ जाना।

epipetalous **दललग्न**

दल के ऊपर लगा रहने वाला, जैसे सूर्यमूखी का पुंकेसर।

epiphyte **अधिपादप**

किसी दूसरे पौधे या ऊपर उठे हुए स्थान, जैसे मकान, खंभे आदि पर उगने वाला पौधा, जो परजीवी नहीं होता। उदाहरण–आर्किड।

episome **एपीसोम, अधिकाय**

एक ऐसा प्लाजमिड जो जीवाणु–डी. एन. ए. में निविष्ट हो सकता है तथा उससे पृथक भी हो सकता है।

epistasis **प्रबलता**

एक प्रकार की जीन अन्तरक्रिया, जिसमें एक जीन दूसरी अविकल्पी जीन(जीनों) के लक्षण प्ररुप की अभिव्यक्ति को परिवर्तित कर देती है।

era **महाकल्प**

पृथ्वी के एतिहासिक कालक्रम का सबसे बड़ा भूविज्ञानी खंड जिसमें कई कल्प होते हैं। पांच प्रमुख महाकल्प ये हैं : प्रग्जैविक (एजोइक), कैम्ब्रियनपूर्व (प्रीकैम्ब्रियनपूर्व), पुराजीवी (पेलियोजोइक), मध्यजीवी (मेसोजोइक) और नूतनजीवी (सीनोजोइक)।

ergastoplasm **जालद्रव्य**

कोशिका द्रव्य का वह भाग जिसमें रंग ग्रहण करने की विभेदक क्षमता होती है और जिसमे राइबोसोम की उपस्थिति में प्रोटीन संश्लेषण होता है।

Erythrina indica **पांगरा**

इरीथ्रीना इन्डिका का जिसका सामान्य नाम पांगरा है।

etaerio **समूह**

बहुत से एकलफलों का सामूहिक नाम जिसमें प्रत्येक फल का परिवर्धन पृथक् अंडपी जायांग (एपोकार्पस गाइनेशियम) के प्रत्येक अंडप से होता है।

etioblast **इटियोब्लास्ट**

एक परिपक्व हरित लवक जिसमे पूर्वपटलित काय होती हैं।

etiolated **पांडुरित**

पांडुरता (ईटिओलेशन) से ग्रस्त।

etiolation **पांडुरता**

लोहा, मैग्नीशियम आदि अन्य वस्तुओं के होते हुए भी, प्रकाश की अनुपस्थिति के कारण पर्णहरित धारी अंगों में पर्णहरित के अभाव के कारण पीलापन।

etiolin **ईटिओलिन**

पांडुरित पौधो मे पाया जाने वाला पील वर्णक।

Eucalyptus **यूकेलिप्टस**

मिर्टेसी कुल का सुराभिमय वंश, जिसमे साधारणतया सदाहरित लंबे वृक्ष होते हैं। इससे यूकेलिप्टस तेल प्राप्त होता है। इसकी लकड़ी का उपयोग इमारती लकड़ी, पुलों और रेल स्लीपर आदि मे होता है।

Euphorbia royleana **यूफोर्बिया रौयलिआना**

यूफोर्बिया की एक जाति जिसे सूली कहते हैं और जो बाड़ (हेज) बनाने का काम आती है।

Euphorbia splendens **यूफोर्बिया स्प्लेडेंस**

यूफोर्बिया की एक जाति। यह कँटीला शाक गमले मे शोभा के लिए उगाया जाता है।

Euphorbia thymifolia **यूफोर्बिया थाइमीफोलिया**

यूफोर्बिया की एक जाति जिसे सामान्य भाषा में दूधी कहते हैं। इससे एक तीक्ष्ण गंध वाला तेल प्राप्त होता हे जो औषधि के लिए उपयोगी है।

Euphorbia triucalli **यूफोर्बिया तिरुकैलाइ**

यूफोर्बिया की एक जाति जिसके आक्षिर (लैटैक्स) से दव: और लकड़ी से खिलौने आदि बनते हैं।

exicision **उच्छेदन**

पोषी गुणसूत्र से स्वायत्त डी. एन. ए. अणु के रूप में अनुक्रमो का निर्मुक्त होना।

exocytosis **एक्सोसाइटोसिस**

कोशिका द्रव्य से पदार्थो को बाहर पहुंचाने की प्रक्रिया जिसमे गाल्गी तथा लायसोम की झिल्लिका से युक्त पुटिकाएं, उत्पादो को कोशिका प्लाज्मा झिल्ली के बाहर ले जाती हैं।

evergreen **सदाहरित, सदापर्णी**

बारहो महीने हरी पत्तियो को धारण किए रहने वाला।

evolution **विकास**

क्रमबद्ध परिवर्तनो द्वारा पुरातन जीवो से नूतन जीवो, जातियो, वर्गो आदि की उत्पत्ति का प्रक्रम, जिसके फलस्वरुप सरल जीवो से जटिलतर जीव पैदा होते है।

exine **बाह्यचोल**

परागकणो तथा कुछ बीजाणुओं का बाहरी आवरण।

exocarp **बाह्यफलभित्ति**

फलभित्ति की सबसे बाहर की परत।

exogenous **बहिर्जनित**

किसी अंग अथवा कोशिका के बाहर पैदा होने वाला, जैसे बेसिडियम बीजाणु।

exosmosis **बहिः परासरण**

परासरण दाब के फलस्वरुप कोशिका के भीतर से बाहर की ओर रस की गति।

ex-stipulate (estipulate) **अननुपत्री**

जिसमें अनुपत्र (स्टिप्यूल) न हो, जैसे अमरन्टेसी कुल की पत्तियां।

exdudation **रिसाव, निस्राव**

पौधो के विशेष छिद्रो से द्रव रुप में रस का बाहर निकलना।

eye spot **दृक् बिन्दु**

कुछ एककोशिकीय शैवालो तथा गतिशील युग्मको मे पाया जाने वाला प्रकाश वर्णक का कण ; जैसे युग्लीना में।

"F"

F_2 (second filial generation) **एफ$_2$**

एफ$_1$ जीवों के स्वनिषेचन अथवा उनके परस्पर संकरण से प्राप्त पीढ़ी।

factor **कारक, घटक**

(1) वातावरण की कोई अवस्था जो वनस्पति जीवन पर अपना प्रभाव डालती है, जैसे धूप, वर्षा, सर्दी आदि।

(2) आनुवंशिकता से प्राप्त जीव के लक्षणों की मूल इकाई जिसको आजकल "जीन" कहते हैं।

(3) मेन्डेल वंशागति की एक इकाई।

false dichotomy **आभासी समद्विभाजन**

वह शाखा विन्यास जिसमे मुख्य. अक्ष की समाप्ति हो जाती है और उसी स्थान से दो अक्ष (शाखाएं) निकलते हैं परन्तु समद्विभाजकता की भांति अक्ष दो में विभाजित नहीं होता ।

false septum (replum) **आभासी पट**

अंडाशय के कोष्ठक को दो भागो में विभाजित करने वाला पट, जो दो अंडपो के बीच की दीवार का न होकर दूसरी दिशा में हो, जैसे सरसो कुल के अंडाशय में।

family **कुल, फैमिली**

निकट सबंधी पादपो का एक विशेष समूह, जिसका स्थान वंश से ऊपर और गण से नीचे है। साधारणतया एक कुल के अंतर्गत बहुत से वंश होते हैं। उदाहरण–रोजेसी (गुलाब कुल)।

fat **वसा**

जीवों के शरीर की कुछ कोशिकाओ मे विद्यमान चिकानई, जो कुछ बीजो मे बहुतायत से पाई जाती है, जैसे अरंड, तिल आदि के बीजों में।

female flower **मादा फूल, स्त्री पुष्प**

वह फूल जिसमें जायागं होता है किन्तु पुमंग नही होता।

fern **पर्णांग, फर्न**

टेरिडोफाइटा के फिलिकेलीज गण के अपुष्पी पादपो का सामान्य नाम। पुष्पी पादपो की भांति इनके शरीर में जड़, तना, पत्तियां और संवहन–ऊतक होता है, किन्तु बीज उत्पन्न नहीं होते। उदाहरण–पौलीपोडियम।

ferment **किण्व**

किण्वकारी पदार्थ जैसे डायस्टेस।

fermentation **किण्वन**

कार्बनिक पदार्थ का किण्व (फर्मेन्ट) द्वारा उत्प्रेरित मंद विघटन जैसे खमीर उठना, दूध का जमना आदि।

Feronia elephantum **फिरोनिया ऐलीफैंटम**

फेरोनिया की एक जाति जिसे सामान्य भाषा में कैथ या कपित्थ कहते हैं। यह चारे, काद, गोंद, इमारती लकड़ी एवं औषधि के लिए उपयोगी है।

fertile **जननक्षम**

जीवनक्षम युग्मक अथवा बीज उत्पन्न करने की क्षमता रखने वाला।

fertility **जननक्षमता**

जीवनक्षम युग्मकों अथवा संतति को उत्पन्न करने की क्षमता।

fertilization **निषेचन**

दो युग्मकों का मिलकर एक नवीन कोशिका (युग्मनज) बन जाना। इसके परिणामस्वरुप बीजांड बीज मे परिवर्तित हो जाते है।

fibre **रेशा**

पौधो के विशेष ऊतकों में पाई जाने वाली, दृढ़-भित्ति की धागे-सी लंबी, पतली, प्रायः जीवद्रव्यहीन कोशिका जिसका मुख्य कार्य पौधे को सहारा देना होता है, जैसे पटसन का रेशा।

fibrous **रेशेदार**

रेशों का बना हुआ।

fibrous root **झकड़ा जड़**

वह मूल जिसमें कोई जड़ प्रधान नहीं होती बल्कि एक-सी लम्बी, पतली-पतली बहुत सी जड़ें साथ-साथ निकलती है, जैसे घास और कई अन्य एकबीजपत्री पौधों मे।

Ficus bengalensis **फाइकस बेंगालेंसिस**

फाइकस की एक जाति जिसे सामान्य भाषा मे बट या बरगद कहते हैं।

Ficus religiosa **फाइकस रिलीजिओसा**

फाइकस की एक जाति जिसका सामान्य नाम पीपल है। यह हिंदुओं का एक पवित्र पौधा है।

filament **तंतु, पुंतंतु**

1. एक या अधिक कोशिकाओं की श्रृंखला से बनी सूत्र-सी पतली संरचना, जैसे शैवाल तंतु, कवक तंतु।

2. पुंकेसर का वह भाग जो पतले धागे-सा होता है और जिसके सिरे पर परागकोश लगा रहता है।

filial generation **संतानीय पीढ़ियाँ (एफ$_1$, एफ$_2$, एफ$_3$, आदि)**

मेन्डेलीय आनुवंशिकता में दो जनकों से उत्पन्न होने वाली आगामी पीढ़ियां F_1, दूसरी F_2 और इसी प्रकार अगली F_3, F_4 आदि कहलाती हैं।

fixation **स्थिरीकरण**

माध्य के चारों ओर युग्मविकल्पियों के सदस्यों के आकस्मिक घटने-बढ़ने के परिणामस्वरूप एक या अन्य युग्मविकल्पी की समयुग्मजता हो सकती है तत्पश्चात् विभिन्न युग्मविकल्पियों का विसंयोजन रुक जाता है।

flagellum **कशाभिका**

कोशिका का एक लंबा, पतला चाबुक सा प्रवर्ध, जो उसके तैरने में सहायक होता है।

fleshy **मांसल**

गूदेदार, जैसे आम।

floral **पुष्पीय**

पुष्प से संबंधित, पुष्प से बना हुआ।

floral diagram **पुष्प आरेख**

पुष्प के विभिन्न अवयवों की संख्या तथा पारस्परिक स्थिति को दर्शाने वाला चित्र। वास्तव में यह कलिका का एक काल्पनिक काट (सेक्शन) होता है।

floral formula **पुष्पसूत्र**

पुष्प के विभिन्न अवयवों की संख्या तथा स्थिति को दर्शाने वाला सूत्र। इसमें निम्नलिखित संकेत काम में लाए जाते हैं –

K –बाह्यदलपुंज; C–दलपुंज; P – परिदलपुंज; A– पुमंग; G – जायांग।

floret **पुष्पक**

मुंडक पुष्पक्रम (कैपिटुलम) का एक छोटा–सा पुष्प, जैसे सूरजमुखी, गेंदा आदि के तथाकथित फूल में।

flower **फूल, पुष्प**

जनन कार्य के लिए रूपांतरित शाखा । फूल के मुख्य भाग है : –

(1) परिदलपुंज (पेरिएन्थ) जो सामान्यतः दो चक्करों में होता है – बाह्यदलपुंज (कैलिक्स) और दलपुंज (कॉरोला)।

(2) पुमंग (एन्ड्रोशियम) जिसमें पुंकेसर होते हैं।

(3) जायांग (साइनेशियम) जिसमें स्त्रीकेसर होते हैं।

flowering plants **पुष्पी पादप**

वे पौधे, जिनमें फूल उत्पन्न होते हैं। इनके अंतर्गत एन्जिओस्पर्म तथा जिम्नोस्पर्म हैं।

fluctuating variations **उच्चावच विभिन्नता**

जीवों में दृष्टिगत छोटी–छोटी विविधता। डारविन के मतानुसार इनका प्राकृतिक वरण ही विकास का कारण है।

foliage leaf **सामान्य पत्र**

पौधे की सामान्य हरी पत्तियां।

follicle **पुटक, फॉलिकल**

साधारण, शुष्क, बहुबीजी फल जो एक ही स्त्रीकेसर से परिवर्धित होता है और परिपक्व हो जाने पर एक ही सीवन (सूचर) पर लंबाईवार फट जाता है, जैसे लार्क्सपर ।

food chain **आहार शृंखला**

किसी भी प्राकृतिक समुदाय में पाया जाने वाला जीवधारियों का क्रम जिसके माध्यम से ऊर्जा का स्थानान्तरण होता है। पौधो से शुरू होने वाले इस क्रम में प्रत्येक जीव अपने से पहले वाले जीव पर भोजन या ऊर्जा के लिए निर्भर होता है।

foot **पाद**

1. कोई आधारीय भाग, जिससे एक अंग दूसरे अंग विशेष से लगा रह कर प्रायः उससे पोषण भी प्राप्त करता है।

2. माँस के स्पोरोगोनियम का वह भाग जिससे वह युग्मकोद्भिद (गैमिटोफाइट) से लगा रहता है तथा पोषण प्राप्त करता है।

3. पर्णांग के बीजाणुउद्भिद (स्पोरोफाइट) का वह भाग जिससे वह युग्मकोद्भिद से कुछ समय तक पोषण प्राप्त करता है।

formula **सूत्र**

संक्षेप में किसी बात (नियम, संकल्पना आदि) की अभिव्यक्ति के लिए बनाया हुआ अक्षर, चिन्ह, आदि का समूह, जैसे पुष्पसूत्र (फ्लोरल फारमूला)।

fossil **जीवाश्म, फॉसिल**

चट्टानों आदि में युगों तक सुरक्षित पुरातन जीवों के शरीर के प्रस्तरीभूत अंश अथवा उनकी छाप जो पुरातन जीवों की कहानी बताते हैं।

free central placentation **मुक्त स्तंभीय बीजांडन्यास**

बीजांडन्यास का वह प्रकार जिसमें अक्ष अंडाशय की दीवार से मुक्त एक केन्द्रीय स्तंभ सा खड़ा रहता है और उस पर बीजांडासन बीजांड धारण किए रहते हैं।

frond **प्रपर्ण, फ्रॉन्ड**

(1) पर्णांग आदि अपुष्पी पादपों में पत्ती की आकृति का अंग।

(2) ताड़ आदि के विशाल पत्ते।

fructification **फलन**

(1) फूल का निषेचित होकर फल बनना।

(2) निषेचन के परिणामस्वरूप बनने वाली संरचना जिसमें बीजाणु अथवा बीज होते हों ।

fructose **फ्रक्टोस**

एक प्रकार की शर्करा जो मीठे फलों के रस में ग्लूकोस के साथ पाई जाती है। (रासायनिक सूत्र $C_6H_{12}O_6$)

fruit **फल**

पुष्पी पादपों के निषेचित अंडाशय का परिवर्धित रूप जिसमें भीतर बीज सुरक्षित रहते हैं। कभी कभी फूल के अन्य अंग भी इसके बनने में भाग लेते हैं।

fucoxanthin **फ्यूकोजैन्थिन**

एक भूरा वर्णक जो वभ्रु शैवाल में पर्णहरित (क्लोरोफिल) के साथ-साथ वर्तमान रहता है, और उसको आच्छन्न किए रहता है।

fungi **कवक, फंजाई**

थैलोफाइटा का एक विशाल विभाग। इनका शरीर थैलस होता है, जो जड़, तने व पत्तियों में विभाजित नहीं किया जा सकता । ये पर्णहरितहीन होते हैं तथा परजीवी या मृतजीवी होकर जीवनयापन करते हैं। जैसे म्यूकर, फंफूदी, छत्रक, यीस्ट आदि।

fungi imperfectii **फंजाई इंपर्फेक्टाई**

कवकों का एक वर्ग, जिनमें कवक-तंतु पटयुक्त और लैंगिक बीजाणु अज्ञात होते हैं। इस कारण इन कवकों का समुचित वर्गीकरण नहीं हो सका है और अन्तिम रूप से इनको एक अलग वर्ग में रख दिया गया है।

fungus cellulose **कवक सेलुलोस**

सेलुलोस से मिलता-जुलता एक रासायनिक पदार्थ, जो कवकों की कोशिका भित्ति में प्रायः पाया जाता है।

funicle/funiculus **बीजांडवृंत**

बीजांड को बीजांडासन से जोड़ने वाला छोटा-सा वृंत।

fusiform **तकुआनुमा, तर्कुरूप**

तर्कु की-सी आकृति का, जैसे मूली।

fusion **संलयन**

दो या अधिक वस्तुओं का मिलकर एक हो जाना, जैसे नर तथा मादा युग्मकों का मेल।

"G"

gametangium **युग्मकधानी**

वह अंग अथवा कोशिका, जिसमें युग्मक उत्पन्न होते हैं।

gamete **युग्मक, गैमीट**

जर्म कोशिका, जिसमें अगुणित गुणसूत्र उपस्थित होते हैं।

gametogenesis **युग्मकजनन**

युग्मकों के बनने की प्रक्रिया।

gametophyte **युग्मकोद्भिद**

पादप जीवन चक्र की यह अगुणित संरचना जो युग्मकों को धारण करती है।

gamopetalae **गैमोपेटली**

द्विबीजपत्री पादपों का एक उपवर्ग जिसमें पौधों की पंखुड़ियां आपस में जुड़ी रहती है।

gamopetalous (sympetalous) **संयुक्तदलीय**

परस्पर जुड़ी पंखुड़ियों वाला पुष्प, जैसे धतूरे का फूल।

gamophyllous **संयुक्तबाह्यदलीय**

परस्पर जुड़े बाह्य दलों वाला, जैसे बैगन का फूल।

garlic **लहसुन**

लिलिएसी कुल के पादप एलियम सैटाइवन का सामान्य नाम।

gemma **जेमा**

अलैगिक जनन के हेतु कोई निर्वर्ध जो जनक पौधे से अलग होकर सीधे ही नवीन पौधे में परिवर्धित हो जाता है।

gemma cup **जेमाधानी**

कुछ लिवरवर्ट्स आदि में वर्तमान एक प्यालेनुमा अंग जिसमें जेमा होती है।

gemmation **जेमाद्भवन**

जेमा की उत्पत्ति और उसके द्वारा जनन।

gene **जीन**

आनुवंशिक आर. एन. ए. या डी. एन. ए. का एक खंड जो जीव के किसी लक्षण को निर्धारित करता है।

gene flow **जीन प्रवाह**

किसी समष्टि में अन्त : प्रजनन द्वारा जीवों का व्यापक वितरण जिसके फलस्वरूप उत्परिवर्ती (म्यूटेन्ट) जीन या तो जम जाती है या फिर लुप्त हो जाती है।

Gene frequency **जीव आवृति**

समष्टि में जीन के वैकल्पिक युग्मविकल्पियों का समानुपात।

gene mutation **जीन उत्परिवर्तन**

जीन की अणु संरचना में पुनर्गठन के कारण होने वाला सहसा परिवर्तन।

generative cell **जनन कोशिका**

परागकण की वह कोशिका जिसके विभाजनों के उपरांत नर-युग्मक बनता है।

generative nucleus **जनन केन्द्रक**

परागकण का वह केन्द्रक जो निषेचन (फर्टिलाइजेशन) में सक्रिय भाग लेता है।

genetics **आनुवंशिकी**

जीव विज्ञान की वह शाखा जिसमें आनुवंशिकता तथा विभिन्नता का अध्ययन किया जाता है।

genome **जीनोम, संजीन**

एक जाति की आधारभूत गुणसूत्र संख्या के समुच्चय में वाहित आनुवंशिक सूचना।

genotype **समजीनी, जीन-प्ररूप**

किसी जीव का आनुवंशिक संघटन।

genus **जीनस, वंश**

समान लक्षणों वाले जीवधारियों का विशिष्ट समूह या वर्गक (Texon) जिसमें प्रायः कई जातियां (स्पीशीज) होती है। द्विपद नामावली में पहला नाम जीनस का होता जो रोमन लिपि में बड़े अक्षर से शुरू होता है।

geological distribution **भूगर्भीय वितरण**

पृथ्वी के इतिहास में विभिन्न काल व युगों में विविध प्रकार के पौधों की उपस्थिति।

geophilous **भूमिरागी**

भूमि की सतह पर या उसके नीचे रहने वाला जीव, जैसे भू-कवक।

geotropic **गुरूत्ववर्ती**

गुरूत्वीय वर्तन (जियोट्रोपिज्म) संबंधी।

geotropism (geotropy) **गुरूत्वीय वर्तन**

एक प्रकार का अनुवर्तन (ट्रोपिज्म) जिसमें उद्दीपन (स्टिमुलस) पृथ्वी का गुरूत्वाकर्षण बल होता है।

germ cell **जनन कोशिका**

वह कोशिका जिससे युग्मक बनता है।

germination **अंकुरण**

1. अनुकूल परिस्थितियां मिलने पर प्रसुप्तावस्था के पश्चात बीजरूप में भ्रूण की वृद्धि का पुनरारम्भ।

2. बीजाणु, कलिका आदि का वर्धनशील होना।

germplasm **जननद्रव्य**

जनन-कोशिकाओं में उपलब्ध समस्त आनुवंशिक सम्पदा।

gill **गिल**

छत्रकों (मशरूम्स) आदि की पतली बाजाणुधारी पट्टिकाएं जो मछलियों के गलफड़ों की तरह तहदार होती हैं।

girdle **मेखला**

तने के रंभ (स्टील) को घेर कर पत्ती की ओर जाने वाला संवहन पूलों का समूह।

gland **ग्रंथि**

जीव-अंग के भीतर या बाहरी सतह पर स्थित विशेष प्रकार की कोशिका या कोशिका-समूह जिससे किसी पदार्थ का रिसाव होता है।

glandular hair **ग्रंथिल रोम**

वह रोम जिसके आधार पर ग्रंथिल स्थित होती है।

glaucous **नीलाभ**

नीला-हरा रंग लिए हुए।

Gloriosa superba **ग्लोरिओसा सुपर्बा**

ग्लोरिओसा की एक जाति जिसे सामान्य भाषा में इंद्रपुष्पिका कहते हैं। यह उद्यानों में शोभा के लिए उगाई जाती है।

glucose **ग्लुकोज़**

एक प्रकार की शर्करा (रासायनिक सूत्र – $C_6H_{12}O_6$) जो पौधे में बहुतायत से पाई जाती है। यह प्रकाशिक संश्लेषण के परिणाम स्वरूप बनती हैं। और मंड (स्टार्च) में परिवर्तित होकर पौधे में संग्रहीत हो जाती है। उपापचय (मेटाबोलिज्म) में इसका महत्वपूर्ण योग है।

glume **तुष**

शुष्क झिल्लीदार सहपत्र (ब्रैक्ट), जिनका जोड़ा घास कुल में स्पाइकलेट के आधार पर लगा रहता है।

glycogen **ग्लाइकोजेन**

कवक आदि में विद्यमान एक प्रकार का कार्बोहाइडड्रेट।

golgi bodies **गॉल्जी काय**

कोशिका द्रव्य में वर्तमान एक विशेष अंगक। संभवतः कुछ स्रावों के बनने में योगदान देता है।

golgi complex **गॉल्जी सम्मिश्र**

स्त्रावण से संबद्ध झिल्लिका आवृत चपटी थैलियों के स्टैक और अन्य पुटिकाओं का संयोग।

gonidengium **गोनिडैजियम**

युग्मकोद्भिद (गैमिटोफाइट) का अंग विशेष जिसमें अलैंगिक गोनिडियम पैदा होते हैं।

gonidium **गोनिडियम**

1. युग्मकोद्भिद (गैमिटोफाइट) में उत्पन्न होने वाली विशेष अलैंगिक कोशिका।

2. लाइकेन के थैलस की हरी शैवाल कोशिका।

Gossypium herbaceum **गौसिपियम हर्बेसियम**

गौसिपियम की एक जाति जिसका सामान्य नाम कपास है।

gram **चना**

लेग्यूमिनोसी कुल (पैपिलिओनेटी उपकुल) के पादप साइसर एरिटिनम का सामान्य नाम।

grana **ग्रेना**

हरितलवक की आन्तरिक झिल्ली से बनी व्यवस्था जहाँ प्रकाश संश्लेषण की अप्रकाशिक अभिक्रिया घटित होती है।

gravitational water **गुरूत्वीय जल**

सेचन के उपरांत गुरूत्वाकर्षण के प्रभाव से नीचे बह जाने वाला पानी।

green algae **हरित शैवाल**

एक विशाल शैवाल वर्ग, जिसमें हरा वर्णक पर्णहरित (क्लोरोफिल) होता है, जो इनको हरी आभा देता है। उदारहण– वोल्वॉक्स, स्पाइरोगाइरा, यूलोथ्रिक्स।

green gram **मूँग**

लेग्यूमिनोसी कुल (पैपिलिओनेटी उपकुल) के विग्ना रेडिएटा पादप का सामान्य नाम।

green house **पौधाघर, ग्रीनहाउस**

एक ऐसा कक्ष, जिसमें तरूण, अथवा बेमौसमी पौधे नियंत्रणीय स्थितियों में उगाए जाते हैं।

groundnut **मूंगफली**

लेग्यूमिनोसी कुल (पैपिलिओनटी उपकुल) के पौधे एरैकिस हाइपोजिआ का सामान्य नाम। इसके फल भूमि के अंदर पाए जाते हैं।

ground tissue **भरण ऊतक**

संवहन–पूल, बाह्य त्वचा आदि के अतिरिक्त अन्य ऊतक।

growth **वृद्धि**

किसी जीव या जीवांग का आकार, भार आदि का बढ़ना। यह परिवर्तन कोशिका–विभाजन तथा भोजन पदार्थों के स्वांगीकरण का परिणाम होता है।

growth movement **वृद्धि गति**

कोशिकाओं के आकार अथवा संख्या वृद्धि अथवा दोनों ही कारणों से पादप अंगों का स्थित्यंतरण। उदाहरण–अनुवर्तन (ट्रॉपिज्म)।

guanine **ग्वानीन**

न्यूक्लीक अम्ल का एक प्यूरीन क्षारक घटक।

guard cells **रंध्रद्वार–कोशिका**

रंध्र (स्टोमा) के दोनों ओर स्थित सेम की आकृति की दो कोशिकाएं जिनकी द्रवस्फीति में परिवर्तन होने से रंध्र खुलते या बंद हो जाते हैं।

gum **गोंद**

पौधों का स्त्राव विशेष।

guttation **बिंदुस्त्राव**

पौधे के स्वस्थ भागों से, विशेष कर पत्तियों में शिराओं के सिरों से जल का द्रव रूप में निकलना।

Gymnosperm **जिम्नोस्पर्म**

वे पौधे, जिनमें बीजांड व बीज निरावृत होते हैं अर्थात फल व फूल के भीतर नहीं होते । उदारहण – चीड़।

gynoecium **जायांग**

फूल के अंडपों (कार्पेल) का समूह। यह पौधे का स्त्री जनन अंग है।

gynandromorph **स्त्री–पुरुषकाय**

नर और मादा जीन प्ररूपों के ऊतकों के मोजेक से निर्मित व्यष्टि।

gynandrous **पुंजायांगी**

पुमंग और जायांग से मिलकर बने स्तंभ जैसे अंग वाला, जैसे आर्किड का फूल।

gynobasic style **जायांगनाभिक वर्तिका**

वर्तिका जो पुष्पासन से अंडाशय के आधार पर जुड़ी हो।

gynophore **जायांगधर**

पुष्पासन (थैलेमस) का आगे का बढ़ा हुआ भाग, जो जायांग में डंठल जैसा बन जाता है, जैसे कैपेरिडेसी कुल में।

"H"

habitat **आवास**

जीवों के रहने का प्राकृतिक स्थान या वातावरण।

haematoxylon campechianum **हेमेटोक्सिलोन कंपेचिएनम**

हैमैटोक्सिलोन की एक जाति जिससे हैमैटोक्सिलीन वर्णक प्राप्त किया जाता है।

hair **रोम**

बाह्यत्वचा की कोशिका का पार्श्विक उद्वर्ध, बाह्यत्वचा से निकली हुई एक लंबी पतली धागे जैसी कोशिका अथवा कई ऐसी ही कोशिकाओं की लंबी कतार।

halophyte **लवणोद्भिद**

लवण बहुल स्थितियों में उगने वाला पौधा।

haploid **अगुणित**

कोशिका अथवा जीव में निहित गुणसूत्रों का एकल समुच्चय।

haploid number **अगुणित संख्या**

गुणसूत्रों की वह संख्या जो मूल हो अर्थात जो युग्मकों में पाई जाती है। इसको N संख्या कहते हैं।

haplosis **अर्धसूत्रीकरण**

अर्धसूत्री विभाजन द्वारा युग्मकीय गुणसूत्र संख्या का स्थापन।

haplotype **हेप्लोटाइप**

कुछ गुणसूत्रों के परिभाषित क्षेत्रों में युग्म विकल्पियों का विशिष्ट संयोजन।

haustorium **चूषकांग**

पोषक के शरीर में प्रवेश कर खाद्य–पदार्थों का अवशोषण करने वाला परजीवी पौधों का एक अंग–विशेष, जैसे (1) बीजधारी पौधों में जड़ या तने का एक विशेष निर्वर्ध (2) एक विशेष कवकतंतु।

heart wood (duramen) **अंतः काष्ठ**

तने का सबसे भीतरी तथा सब से पुराना, दारू (जाइलम) जिसकी वाहिकाओं में तेल रेजिन और रंजकों के जम जाने से पानी तथा विलयित पदार्थों का संचार बन्द हो गया हो।

Helianthus annuus **हेलिएन्थस ऐनुअस**

हेलिएन्थस की एक जाति जिसे सामान्य भाषा में सूरजमुखी या सूर्यमुखी कहते हैं।

Helianthus tuberosus **हेलिएन्थस ट्यूबरोसस**

हेलिएन्थस की एक जाति जिसका सामान्य नाम हाथीचक है।

helicoid **कुंडलाकार**

घोंघे के कवच की तरह से कुंडली बनाता हुआ जैसे हैमेलिया का पुष्पक्रम।

heliotropic **सूर्यानुवर्त**

सूर्यानुवर्तन (हीलियोट्रापिज्म) से संबंधित।

heliotropism **सुर्यानुवर्तन**

वह अनुवर्तन जिसका उद्दीपन सूर्य का प्रकाश हो।

hemicellulose **हेमिसेलुलोस**

कोशिका-भित्ति मे पाए जाने वाले सेलुलोस की किस्म के कार्बोहाइड्रेट।

Hepaticeae **हेपेटिसी**

ब्रायोफाइटा का एक वर्ग, जिसके अंतगर्त लिवरवर्ट हैं। पौधे थैलसाभ होते है, पुंधानी तथा स्त्रीधानी थैलस पर उत्पन्न होती है और बीजाणुउद्‌भिद (स्पोरोफाइट) अल्पकालिक होता है उदाहरण-रिक्सिआ, मार्केन्सिया।

herb **बूटी शाक**

बहुत छोटे कद का पुष्पी पादप, जिसमें तना काष्ठिल नही होता । ये सामान्यतः एकवर्षी या द्विवर्षी होते हैं।

herbaceous **शाकीय**

शाक सा, कोमल पतला काष्ठहीन तना।

herbarium **वनस्पति संग्रहालय, हर्बेरियम**

सुखा-दबाकर तथा कुछ कीटनाशियों आदि के प्रयोग से स्थायी रुप से परिरक्षित पादप अंगो (फूल, पत्ती, आदि) का संग्रह जो किसी वर्गीकरण पद्धति के अनुसार क्रम से लगाया गयाहै।

heredity **आनुवंशिकता**

लक्षणो का जनको से संततियो मे संचरण।

hermaphrodite **उभयलिंगी**

नर और मादा दोनो लिंगों के अंग वाला जैसे द्विलिंगी फूल।

heterochlamydeous **विषमपरिदलपुंजी**

पुष्प जिसका परिदल दो सुस्पष्ट चक्रो बाह्यदलपुंज और दलपुंज मे हो।

heterogamous **विविधपुष्पी**

दो विभिन्न प्रकार के फूल धारण करने वाला, जैसे कम्पोजिटी कुल के कुछ पौधो के मुंडक जिनमे बिम्ब-पुष्पक (डिस्क फ्लोरेट) द्विलिंगी और अर-पुष्पक (रे फ्लोरेट) नपुंसक या एकलिंगी होते हैं।

heterogamy **विषयुग्मन**

विषम युग्मकों के संयुग्मन द्वारा लैगिक जनन।

heterosis **हेटेरोसिस**

वह स्थिति जिसमे संकर किसी लक्षण या लक्षणो की दृष्टि से जनको के परिसर से बाहर हो।

heterospores **विषम बीजाणु**

एक ही पोधे से उत्पन्न विभिन्न प्रकार के बीजाणु।

heterosporus **विषमबीजाणु**

दो प्रकार के अलैगिक बीजाणु (गुरू और लघु बीजाणु) उत्पन्न करने वाला, जैसे सेलाजिनेला।

heterospory **विषमबीजाणुकी**

दो प्रकार के अलैगिक बीजाणु (लघु और गुरु बीजाणु) उत्पन्न करने की अवस्था।

heterostyly **विषमवर्तिकात्व**

फूल के पुंकेसर और स्त्रीकेसर की लंबाई भिन्न होने की अवस्था। इसके फलस्वरुप स्वपारगण नहीं हो सकता ।

heterothallism **विषमजालिकता**

म्यूकर कुल के कवकों आदि में पाई जाने वाली एक प्रकार की लैंगिकता। इसमें आकृति में बिल्कुल समान दो कवक-जाल भिन्न लिंगी जीवों का सा काम करते हैं। इन्हें + (धन) और-(ऋण) संज्ञाएं दी जाती हैं। जब धन और ऋण कवक तंतु आपस में मिलते हैं, तब लैंगिक जनन होता है।

heterotrophic **परपोषित**

सरल कार्बनिक पदार्थों से स्वतःअपना भोजन निर्माण कर सकने में असमर्थ। ऐसे पौधे परजीवी या मृतजीवी रहकर अपना जीवन निर्वाह करते हैं।

heterozygote **विषमयुग्मज**

समजात क्रोमोसोमो जोड़ों में समान विस्थल पर एक ही जीन के भिन्न विकल्पियो(Alleles) वाला जीव। ऐसे जीव से जीन के संदर्भ में दो पृथक प्रकार के युग्मक उत्पन्न होते हैं।

heterozygous **विषमयुग्मजी**

जीव या कोशिका की अवस्था जिसमें समान विस्थलों पर जीनों के भिन्न विकल्पी उपस्थित होते हैं।

Hevea brasiliensis **हेविया ब्रासीलिएंसस**

हेविया की एक जाति, जिससे रबड़ प्राप्त होता है।

Hibiscus **हिबिस्कस**

मालवेसी कुल का वंश विशेष।

Hibiscus cannabinus **हिबिस्कस कैनेबिनस**

हिबिस्कस की एक जाति (स्पीशीज), जिसे सामान्य भाषा में अम्बाड़ी कहते हैं। यह रेशे, रस्सियों, कागज, तेल, औषधि आदि बनाने के काम आता है।

Hibiscus esculentus **हिबिस्कस इस्कुलेंटस**

हिबिस्कस की एक जाति जिसे भिण्डी कहते हैं।

Hibiscus rosa - sinensis **हिबिस्कस रोजा–साइनेंसिस**

हिबिस्कस की एक जाति जिसका सामान्य नाम जपा या जसुम है। इसे गुड़हल भी कहते हैं।

Hibiscus sabdarifa **हिबिस्कस सब्दारिफा**

हिबिस्कस की एक जाति जिसे सामान्य भाषा मे लाल अम्बाड़ी कहते हैं।

higher cryptogam **उच्चकोटि क्रिप्टोगैम**

क्रिप्टोगैम (अपुष्पी पादप) समुदाय के उच्च श्रेणी के पादप। इनके वर्धी शरीर मे तने पत्तियां अलग–अलग पहचानी जा सकती हैं। उनमे जनन की विधि अधिक विकसित तथा जटिल होती है। ये पादप दो संघों मे बंटे हैं। (1) ब्रायोफाइटा (2) टेरिडोफाइटा

hilum **नाभिका**

बीजांड (ओव्यूल) का वह निशान जहां पर वह बीजांडवृंत से संयुक्त रहते है। यह सेम आदि में बीज की अवस्था में भी स्पष्ट दिखाई देता है।

holdfast (hapteron) **स्थापनांग**

पौधे का एक बिम्बाकार निर्वर्ध जिससे पौधा अपने को किसी आधार से लगाए रखता है, जैसे समुद्री शैवालो मे चट्टानो को पकड़े रहने के लिए।

homochlamydeous **समपरिदलपुंजी**

पुष्प जिसका परिदल पुंज सुस्पष्ट चक्करों मे न हो।

homogamous **समकालपाकी**

पुष्प जिनके पुंकेसर और स्त्रीकेसर एक ही समय परिपक्व होते है।

homogamous **समपुष्पी**

एक ही प्रकार के फूल धारण करने वाला, जैसे कम्पोजिटी कुल के कुछ पौधों के मुंडक जिनमे सभी पुष्पक लिंग के लिहाज से समान होते हैं।

homogamy **समकालपक्वता, समपुष्पता**

1. पुंकेसर और स्त्रीकेसर की एक ही समय परिपक्व होने की अवस्था।

2. समपुष्पी होने की अवस्था।

homologous **समजात**

उद्भव मे तो समान परंतु कार्य मे भिन्न उदाहरण–(1) बबूल के अनुपत्र (कांटे से) और मटर के अनुपत्र (पत्ती जैसे) (2) ऐन्टीगोनम के प्रतान तथा डुरेन्टा के कांटे (दोनो स्तंभजात)।

homosporous **समबीजाणु**

एक ही प्रकार के अलैगिक बीजाणु उत्पन्न करने वाला, जैसे लाइकोपोडियम, इक्वीसीटम।

homospory **समबीजाणुता**

एक ही प्रकार के अलैगिक बीजाणु उत्पन्न करने का लक्षण।

homozyote **समयुग्मज**

एक व्यष्टि विशेष जिसके समजात गुणसूत्रों के संगत विस्थलो पर समरूप युग्मविकल्पी होते हैं।

homozygous **समयुग्मजी**

जीव या कोशिका की अवस्था जिसमें समान विस्थलों पर जीनों के समान विकल्पी उपस्थित होते हैं।

humus **ह्यूमस**

भूरे–काले रंग का पदार्थ, जो जैव पदार्थो के अंशतया गलने–सड़ने से बनता है। यह मिट्टी का जैव अंश है।

hook **अंकुश, हुक**

1. बोगेनविलिया, बेत आदि पौधों में पाया जाने वाला मुड़ा हुआ अंग, जो पौधे के आरोहण में सहायक होता है।

2. विकिरण हेतु इसी प्रकार का अंग जो किसी जीव आदि के शरीर से बीज को अटका देता है।

hormone **हॉर्मोन**

कार्बनिक पदार्थ जो पौधे में अत्यंत मात्रा में वर्तमान होने पर भी उपापचय, वर्धन आदि पर बहुत प्रभाव डालते हैं। ये मुख्यतः पौधों के वर्धनशील अंगों में उत्पन्न होकर दूसरे भागों में वितरण द्वारा पहुंच जाते है।

host **परपोषी**

वह जीव जिसके शरीर से किसी परजीवी जीव को आश्रय तथा पोषण मिलता है।

hybrid **संकर**

1. असमान आनुवंशिक प्रकृति वाले जीवों के लैंगिक संयोग से उत्पन्न।

2. इस प्रकार उत्पन्न जीव।

hybridization **संकरण**

1. दो असमान जनकों के संकर की क्रियाविधि।

2. विभिन्न स्त्रोतों से न्यूक्लीय अम्ल-रजुकों का अनीलीकरण।

hybrid vigour **संकर ओज**

संकर का अपने जनकों से श्रेष्ठ होना।

hydathode/water pore/water stoma **जलरंध्र**

पत्तियों की शिराओं के सिरे पर के छोटे-छोटे छिद्र जिनमे से होकर भीतर का जल द्रव रुप में बाहर निकल आता है। ये द्वारा कोशिकाहीन रंध्र (स्टोमा) होते हैं।

hydrophyte **जलोद्भिद**

जल अथवा जल–संतृप्त भूमि मे उगने वाला पौधा । उदाहरण–कमल।

hygroscopic **आर्द्रताग्राही**

जल अथवा नमी के उद्दीपन से गति अथवा वक्रता दर्शाने वाला।

hygroscopic water **आर्द्रता जल**

सिंचाई के उपरान्त भूमिकणो के चारो और पतली सतह सी बनाकर चिपका रह जाने वाला पानी।

hymenium **हाइमीनियम**

ऐस्कोमाइसिटीज तथा बासिडियोमाइसिटीज वर्ग के कवको का बीजाणुधारी स्तर जिसमे ऐस्कस या बासिडियम और पैराफाइसिस लगभग समांतर स्थित होते हैं।

hypha/hyphae **कवकतंतु**

तंतु जिनसे कवको का जालनुमा थैलस बना होता है।

hypocotyle **बीजपत्राधर**

अंकुरण के पश्चात नवोद्भिद के अक्ष का भूमि के ऊपर आया हुआ प्ररोह का पहला भाग जिसके ऊपर बीजपत्र निकलते हैं।

hypodermis **अधस्त्वचा**

वल्कुट (कॉर्टेक्स) से भिन्न, उसके और बाह्य त्वचा के बीच की एक या अधिक कोशिकाओं की परत।

hypogeal germination **अधोभूमिक अंकुरण**

एक प्रकार का अंकुरण, जिसमे बीजपत्र बीज–पत्रोपरिक (एपीकौटिल) के नीचे भूमि में ही रह जाते हैं, जैसे चने मे।

hypogynous **जायांगधर**

पुष्पासन (थैलमैस) मे जायांग के नीचे लगे रहने वाला अथवा ऐसी अवस्था दर्शाने वाला।

hyponasty **उपरिकुंचन**

पत्तियों, शल्को, पंखुड़ियो आदि द्विपृष्ठी चपटे अंगो मे निचली सतह की अपेक्षाकृत अधिक वृद्धि के फलस्वरुप उन अंगो के अग्र भाग का थोड़ा बहुत ऊपर की और मुड़ जाना। वर्धनकाल के पूर्वार्ध मे पत्तियो के सामान्यतः कुंडलित (सर्सिनेट) होने का कारण यही है।

"I"

imbibition **अंतःशोषण**

किसी जीव पदार्थ द्वारा किसी द्रव के अवशोषण करने पर जीवांग के फूल जाने की क्रिया, जैसे चनो का पानी मे फूल जाना।

imperfect flower **अपूर्ण पुष्प**

वह फूल, जिसमे चारो मे से एक भी चक्र विशेषकर पुमंग और जायांग मे से कोई एक विद्यमान न हो, जैसे यूफोर्बिया।

inbreeding **अंतः प्रजनन**

वह प्रजनन जिसमे निकट संबंधी जीवो से प्राप्त युग्मको के संयोग से पुनरूत्पादन हो।

indehiscent **अस्फुटनशील**

परागकोश फल, बीजाणुधानी आदि जो परिपक्व हो जाने पर भी स्वतः न फटे।

independent assortment **स्वतंत्र अपव्यूहन**

अर्धसूत्री विभाजन के समय दो विभिन्न गुणसूत्र युग्मो अथवा एक ही गुणसूत्र युग्म पर दूरस्थ दो अथवा अधिक विस्थलो पर युग्मविकल्पियो का यादृच्छिक विलगन।

Indigofera tinctoria **इंडिगोफेरा टिंक्टोरिया**

इंडिगोफेरा की एक जाति जिसे सामान्य भाषा मे नील कहते हैं। इससे नील नामक रंग प्राप्त होता है।

induced mutation **प्रेरित उत्परिवर्तन**

उत्परिवर्तजन द्वारा कृत्रिम रूप से उत्पादित उत्परिवर्तन।

induction **आगमन, प्रेरण, विप्रेरण**

(1) जीवाणु (अथवा यीस्ट) की वह योग्यता जिससे वह कुछ एन्जाइम विशेषो को तभी संशलेषित करें जबकि उनके अवस्तर (क्रियाधार), विद्यमान हो। (जीन अभिव्यक्ति के प्रसंग में)

(2) संयत विभोजी से संबंधित ऐसी प्रक्रिया जिससे प्रोफाज उग्र हो जाए।

indusium **सोरसछद, इंडुसियम**

पर्णागो मे बीजाणुपर्ण (स्पोरोफिल) का बाह्यत्वचीय निर्वर्ध जो बीजाणुधानीपुंज (सोरस) को ढके रहता है।

inferior **निम्न, अधोवर्ती**

किसी दूसरे अंग के नीचे स्थित, जैसे कुछ पुष्पों में दल, बाह्यदल आदि के नीचे स्थित अंडाशय।

inflorescence **पुष्पक्रम**

(1) शाखा पर पुष्पों के क्रम से लगे रहने का विन्यास।

(2) शाखा का वह भाग जहां पर फूल लगे रहते हैं।

infundibuliform **कीपाकार**

कीप की आकृति वाला, जैसे धतूरे के फूल का दलपुंज।

inheritance **वंशागति**

जनकों (माता–पिता) से संतानों में गुण–लक्षणों का अभिगमन।

inherited characters **वंशागत लक्षण**

वे लक्षण, जो जीव अपने पूर्वजो से प्राप्त करता है।

insectivorous plant **कीटाहारी पादप**

पौधे, जो कीड़ो का आहार कर उनसे नाइट्रोजनीय पोषण प्राप्त करते हैं जैसे घटपर्णी (पिचर प्लांट) ड्रोसेरा आदि।

integument/coat **आवरण**

बीजांड की रक्षा करने वाली बाहरी परत जो एक छोटे छिद्र (बीजांडद्वार) को छोड़कर बीजांड को घेरे रहती है और कालांतर मे सूमचे बीज को ढक लेती है।

intercalary **मध्यस्थित**

आधार अथवा चोटी पर न होकर बीच का, जैसे मध्यस्थित वृद्धि, मध्यस्थित विभज्योतक।

intercellular **अन्तराकोशिक**

दो या अधिक कोशिकाओ के बीच का, वहां स्थित या उससे संबंधित, जैसे अन्तरकोशिक तरल, अन्तराकोशिक अवकाश आदि।

internode **पोरी, पर्व**

तने की दो गांठो के बीच का भाग।

interpetiolar **अंतवृन्ती**

दो वृन्तो के बीच का, जैसे कुछ अनुपत्र (स्टिप्यूल)।

interphase/interkinesis/intermitosis **विभाजनांतराल अवस्था**

सूत्री विभाजन (माइटोसिस) या अर्धसूत्री विभाजन (मीयोसिस) मे दो विभाजनो के बीच केन्द्रक की निष्क्रिय अवस्था जब वह विभाजन नहीं करता।

intine **अंतःचोल**

परागकण तथा कुछ बीजाणुओ की बाहरी दीवार की भीतरी परत।

intracellular **अंतःकोशिकीय**

कोशिका के भीतर स्थित, जैसे अन्तः कोशिकीय कवक तन्तु।

introrse **अंतर्मुखी**

पुष्प केन्द्र की ओर होने वाला परागकोश का स्फुटन।

inulase **इनूलेस**

इनुलिन को एक प्रकार की शर्करा में परिवर्तित करनेवाला एन्जाइम।

inulin **इनुलिन**

कुछ पौधों में पाये जाना वाला मंड से मिलता जुलता एक रासायनिक पदार्थ जो इनूलेस के प्रभाव से शर्करा में परिवर्तित हो जाता है।

inversion **प्रतिलोमन, प्रतीपन, व्युत्क्रमण**

जीनों का क्रम उल्टा हो जाना या किसी एक गुणसूत्र का ऐसा पुनर्गठन जिसमें उसका एक खण्ड टूटकर उसी गुणसूत्र में उल्टे क्रम से लग जाता है।

invertase **इनवर्टेस**

अनेक पौधों में पाये जाना वाला एक एन्जाइम जो इक्षु शर्करा का जलविश्लेषण (हाइड्रोलिसिस) करता है।

in vitro **पात्रे**

जीव के बाहर कृत्रिमतया नियंत्रित स्थितियों में किए गए अध्ययन।

in vivo **जीवे**

जीव के अंतर्गत किए गए अध्ययन।

involucre **सहपत्रचक्र**

1. एक आवरण विशेष, जैसे पुष्पी पादपों विशेष रूप से कम्पोजिटी कुल में नए पुष्पक्रमों को चारों ओर से घेरे रखने वाला सहपत्र समूह।

2. थैलसाभ (थैलाइड) लिवरवर्टों में स्त्रीधानियों (आर्किगोनिया) को घेरने वाला थैलस का शल्क-सा निर्वर्ध।

3. कुछ लिवरवर्ट और मांसों में लैंगिक अंगों को घेरने वाला पत्ती समूह।

Ipomoea **आइपोमिया**

कौन्वोवुलेसी कुल का एक शाकीय वंश (जीनस)। इसकी विभिन्न जातियां (स्पीशीज) भोजन, औषधि अथवा शोभा आदि के लिए उपयोगी है, जैसे शकरकंद।

Isobilateral **समद्विपार्श्व**

चपटे अंग जिनकी ऊपर नीचे की दोनों सतहों की संरचना समान हो, जैसे आइरिस की पत्ती।

isogamete **समयुग्मक**

युग्मन करने वाले एक जैसे युग्मक।

isogamy **समयुग्मन**

युग्मन का एक प्रकार जिसमें दो युग्मनकारी युग्मक आकार, रूप तथा कार्य में समान होते हैं।

isolation **पृथक्करण, पार्थक्य**

भौगोलिक, पारिस्थितिक, युग्मकीय आदि भिन्नताओं के कारण किसी जीवसूमह का अपने से लगभग समान जीवसमूह के साथ जनन क्रिया संपादन न कर पाना, जिसके फलस्परूप जीवसमूहों की जीनपरक (जेनेटिक) विभिन्नताएं न केवल बनी रहती हैं बल्कि शनैः शनैः बढ़ती जाती हैं।

isomerous flower **समावयवी पुष्प**

वह पुष्प जिसके विभिन्न अंग एक ही संख्या में हो, जैसे हैमेलिया पेटेन्स का पुष्प (पुष्प सूत्र – $K_5C_5A_5G_5$)

Ixora **इक्जोरा**

रूबिएसी कुल का वंश (जीनस) विशेष। इसका कठोर काष्ठ बहुत उपयोगी होता है।

"J"

jasmine चमेली

ओलिएसी कुल के वंश (जीनस) जैस्मिनम का सामान्य नाम। इसके पुष्प बहुत सुगंधित होते हैं।

Jatropha जैट्रोफा

यूफोर्बिएसी कुल का वंश विशेष जिसे सामान्य भाषा मे भद्रवंती या वन एरंड कहते हैं।

jute पटसन, पटुआ, जूट

टिलिएसी कुल के वंश कारकोरस का सामान्य नाम। इसके रेशे चटाई आदि बनाने के काम आते हैं।

"K"

karyokinesis सूत्रीविभाजन

कोशिका–विभाजन के दौरान केन्द्रक का विभाजन।

karyology केन्द्रक विज्ञान

विज्ञान की वह शाखा जिसमे केन्द्रक का अध्ययन किया जाता है।

karyolymph/nuclear sap केन्द्रक रस

केन्द्रक–झिल्ली (न्यक्लियर मेम्ब्रेन) के भीतर अधिकांश स्थान को घेरने वाला पानी–सा तरल पदार्थ।

karyotype केन्द्रक–प्ररूप, गुणसूत्र–प्ररूप

माप, आकृति और संख्या की दृष्टि से एक कोशिका के गुणसूत्रों का पूर्ण समुच्चय।

kingdom जगत

जीवधारियों के पांच वृहत समुदायों मे से कोई एक जैसे प्राणी जगत, वनस्पति जगत।

knop's solution **नौप विलयन**

एक पोषक घोल, जिसमें पौधे उगा कर उनकी खनिज आवश्यकताओं का अध्ययन किया जाता है। यह घोल कैल्शियम तथा पोटैशियम नाईट्रेट, कैल्शियम हाइड्रोजन फास्फेट, मैग्नीशियम सल्फेट, आइरन फॉस्फेट को विभिन्न मात्राओं में जल में मिलाकर तैयार किया जाता है।

"L"

Lactuca sativa (lettuce) **लैक्टूका सैटाइवा**

लेक्टूका की एक जाति जिसे सामान्य भाषा में सलाद कहते हैं। इसकी पत्तियां भोज्य होती हैं।

lady's finger **भिंडी**

मालवेसी कुल के पादप हिबिस्कस इस्कुलेंटस का सामान्य नाम।

lamella **पटलिका**

वनस्पति शरीर में पाए जाने वाली पतली पट्टियों-सी संरचना, जैसे छत्रकों के गिल की पट्टियां।

lamina (leaf blade) **पटल**

पत्ती का चपटा फैला हुआ भाग।

lateral conjugation **पार्श्वसंयुग्मन**

एक प्रकार का संयुग्मन (कॉन्जुगेशन) जिसमें एक ही तंतु की दो कोशिकाओं (विशेषतः अगल-बगल की) के बीच संयुग्मन हो जाता है। यह कुछ शैवालों और कवकों में पाया जाता है।

lateral vein **पार्श्वशिरा**

पत्ती की मध्य शिरा की उपशाखा, जो बीच से किनारे की ओर जाती है।

latex **आक्षीर**

दूधिया या पीलापन लिए हुए एक चिपचिपा तरल पदार्थ जो कुछ पौधो के ऊतको में पाया जाता है और कटे अंगो से बाहर निकल जाता है। उदारण– अंजीर, आक, रबर आदि का तथाकिथत दूध।

Lathyrus odoratus (sweet pea) **स्वीट पी**

लेग्यूमिनोसी (पैपिलिओनेटी) कुल के लैथेरस ओडोरेटस का सामान्य नाम।

Lathyrus sativus **लैथाइरस सैटाइवस**

लैथाइरस की एक जाति जिसे सामान्य भाषा में मटरी कहते हैं।

laticiferous cell **आक्षीरी कोशिका**

कोशिका जिसमें आक्षीर (लेटेक्स) होता है।

laticiferous vessel **आक्षीर वाहिका**

वाहिका जिसमें से होकर आक्षीर (लेटेक्स) बहता है।

Launaea pinnatifida **लोनिया पिन्नेटिफिडा**

लोनिया की एक जाति जिसे सामान्य भाषा में बनगोभी कहते हैं।

leaf **पर्ण**

तने का सामान्यतः हरा और चपटा पार्श्विक उद्वर्ध जिसका मुख्य कार्य प्रकाश–संश्लेषण तथा वाष्पोत्सर्जन है। इसके प्रायः तीन मुख्य भाग होते हैं :

1. पर्णाधार (लीफबेस),
2. वृंत (पिटिओल),
3. फलक (लैमिना)।

leaf base **पर्णाधार**

पत्ती का वह भाग जिससे वृंत तने से जुड़ा रहता है।

leaf gap **पर्णांतराल**

तने से संवहन-सिलिंडर में पर्णानुपथ (लीफ ट्रेस) के निर्गमन के कारण उस स्थान पर पड़ जाने वाला अवकाश।

leaflet **पर्णक, पत्रक**

संयुक्त पत्ती (कम्पाउंड लीफ) के फलक के पृथक-पृथक पत्तीनुमा भाग।

leafscar **पर्णदाग**

वह चिन्ह जो वृंत के टूट गिरने पर तने अथवा शाखा पर रह जाता है। विभिन्न जातियों में यह विभिन्न आकृति का होता है।

leaf spine **पर्णशूल**

पत्ती या उसका कोई भाग जो शूलों में रूपान्तरित हो गया हो, जैसे बबूल के कांटे।

leaf stalk **पर्णवृंत**

वृंत, पत्ती का डंठल।

leaf trace **पर्णानुपथ**

केन्द्रीय रंभ से पत्ती को जाने वाले एक या अधिक संवहन पूल।

legume (pod) **फली, शिंब**

साधारण, शुष्क, स्फुटनशील फल, जो एक ही स्त्रीकेसर से परिवर्धित होता है और परिपक्व हो जाने पर पृष्ठीय और अभ्यक्ष दोनों ही सीवनों पर लंबाईवार दो बराबर भागों में फट जाता है। उदाहरण- मटर की फली।

lemon **नींबू**

रूटेसी कुल के पौधे सिट्रस लिमोनिया का सामान्य नाम।

Lens esculenta **लेन्स एस्कुलेन्टा**

लैन्स की एक जाति (स्पीशीज) जिसे सामान्य भाषा में मसूर कहते हैं।

lenticel **वातरंध्र**

काष्ठिल तने आदि पर का छोटा सा सामान्यतः उभरा हुआ रन्ध्र जिसके द्वारा गैसीय विनिमय होता है।

lentil **मसूर**

लेग्यूमिनोसी कुल (पैपिलिओनेटी उपकुल) के पादप लेन्स एस्कुलेन्टा का सामान्य नाम।

leptotene **तनुपट्ट, तनुसूत्र, लेप्टोटीन**

अर्धसूत्रण पूर्वावस्था की पहली स्थिति जिसमें गुणसूत्र सूक्ष्मदर्शी में अयुग्मित धागे जैसी संरचना में दिखाई पड़ते हैं।

leucas aspera **ल्यूकस एस्पेरा**

लैबिएटी कुल के वंश ल्युकस की एक जाति का वानस्पतिक नाम।

leucoplast **अवर्णीलवक**

लवक जिनमें रंगहीन वर्णक होते हैं।

lever mechanism **उत्तोलक क्रियाविधि**

बीज वितरण की एक विधि जिसमें फल का डंठल उत्तोलक (लीवर) की तरह काम करता है।

life history **जीवन वृतान्त**

जीव की युग्मनजी (जाइगोटिक) एक कोशिकीय अवस्था से पुनरूत्पत्ति तक होने वाले समस्त परिवर्तनों का विवरण।

lignification **लिग्निनीकरण**

कोशिका-भित्तियों में लिग्निन का व्याप्त हो जाना।

लिग्निन

दारू आदि की कोशिका भित्तियों में विद्यमान एक जटिल कार्बनिक यौगिक, जो उन भित्तियों को मजबूती देता है। यह सैफ्रेनिन से लाल रंग जाता है।

ligule **जीभिका**

पत्ती, पंखुड़ी आदि चपटे अंगो का झिल्लीदार निर्वर्ध विशेष, जैसे घास कुल की पत्ती और डाइएन्थस की पंखुड़ी में।

lily **लिली**

लिलीएसी कुल के वंश लिलियम का सामान्य नाम। इसे शोभा के लिए बागो में उगाया जाता है।

limiting factor **सीमाकारी कारक**

किसी जैव क्रिया मे कोई कारक (जैसे प्रकाश संश्लेषण मे प्रकाश, कार्बन डाइऑक्साइड आदि) जिसकी अल्पता दूसरे कारकों के प्रभाव को सीमित कर देती है।

limnology **सरोविज्ञान (सरोवर विज्ञान)**

सरोवर, नदी, आदि स्थिर अलवणी जल में पाए जाने वाले जीवधारियों के अध्ययन से सम्बन्धित विज्ञान की शाखा।

linkage **सहलग्नता**

एक ही गुणसूत्र मे निकटतया अवस्थित जीनों के समूह जिनमे युग्मक निर्माण के दौरान साथ-साथ बने रहने की प्रवृति हो।

linseed **अलसी**

लाइनेसी कुल के वंश लाइनम का सामान्य नाम। यह रेशे व तेल के लिए उगाया जाता है। अलसी का तेल पेन्टिंग व स्याही बनाने के काम आता है।

lipase **लाइपेस**

कुछ बीजों में पाया जाने वाला एक एन्जाइम जो वसा को ग्लिसरोल और वसीय अम्लों में परिवर्तित कर देता है।

littoral **वेलांचली**

झील या समुद्र तट के किनारे की तली में रहने वाले जीवों के लिए प्रयुक्त।

liverwort **लिवरवर्ट**

हिपेटिसी वर्ग के पौधों के लिए प्रयुक्त सम्बोधन।

living fossil **चेतन जीवाश्म**

ऐसे जीवधारी जो प्रारम्भिक काल से अब तक अपरिवर्तित ही चले आ रहे हैं और जिनके निकट संबंधी विलुप्त हो गए हैं।

locule **लोक्यूल, फल-कोष्ठक**

अंडाशय का कोष्ठ जिसमें बीजांड होते हैं।

loculicidal dehiscence **कोष्ठविदारक स्फुटन**

फल का स्फुटन जिसमें फल कोष्ठक के पृष्ठीय सीवन से फटता है।

lodicule **लोडिक्यूल**

घास के पुष्प में पुंकेसर के नीचे छोटा झिल्ली सा शल्क।

lomentum **लोमेंटम**

एक प्रकार का अस्फुटनशील फली (लैग्युम) जिसमें दो बीजों के बीच के स्थान पर संकुचन हो जाता है जहां पर से परिपक्वावस्था पर फल के एक बीजीय अस्फुटनशील टुकड़े अलग हो जाते हैं। जैसे- टैमेरेन्डस।

longitudinal section (vertical section) **अनुदैर्घ्य काट**

शाखा, तने या किसी अंग का अक्ष से समानांतर अर्थात लंबाईबार काट।

lower cryptogam **निम्न क्रिप्टोगम**

क्रिप्टोगम समुदाय के निम्न श्रेणी के पादप। इनका कायिक शरीर थैलस होता है, अर्थात ऐसी संरचना जिसमे पत्तियां, तना तथा जड़ पहचाने न जा सके। ये पादप थैलोफाइटा समुदाय में में रखे जाते हैं, जैसे– शैवाल, कवक।

lucerne **रिजका, लूसर्न**

लेग्युमिनोसी कुल (पैपिलिओनेटी उपकुल) के मैडिकागो सैटाइवा का सामान्य नाम। यह चारे के लिए उगाया जाता है।

Lycopodium **लाइकोपोडियम**

टेरीडोफाइटा के लाइकोपोडिएसी कुल का एक वृहत वंश । ये पादप खड़े या विसर्पी होते हैं। इनकी पत्तियां सदाहरित, एकशिरावाली और चार या अधिक के सर्फिल क्रम में तने पर लगी होती हैं। तने व जड़ में शाखा विन्यास समद्विभाजी (डाइकोटोमस) होता है।

lysigenous cavity **लयजात गुहिका**

ऊतको की वह गुहिका जो कोशिकाओं के विघटन या विलयन से बनती है जैसे एक बीजपत्री पौधों में आदि दारू की गुहिका।

lysogenic **लयजनक**

एक जीवाणु जिसमे उसके जीनोम के एक अंश के रूप में, दमनित प्राक् विभोजी रहता है।

lysogeny (in phages) **लयजनकता (भोजी में)**

वह परिघटना जिसमें जीवाणु भोजी का अनुवंशिक पदार्थ जीवाणु गुणसूत्रों से जुड़ा रहता है और जो अंततः सक्रिय होकर स्वयं को प्रतिकृत करता है और कोशिका का लयन करता है।

lysosome **लाइसोसोम, लयनकाय**

कोशिका द्रव्य में झिल्लिका बद्ध जल अपघटनीय एन्जाइमों से युक्त छोटे-छोटे काय।

"M"

macrogamete **दीर्घयुग्मक**

दो युग्मकों में से आकार में बड़ा युग्मक जो प्रायः स्त्री युग्मक होता है।

macromere **बृहत्खंड**

विषम कोशिका विभाजन से बनने वाली कोशिकाओं में से बड़ी कोशिका।

male **नर**

1. अपेक्षाकृत छोटी और गतिशील लैंगिक कोशिका (युग्मक) जो स्त्रीयुग्मक से मिलकर जनन क्रिया संपादित करती है।

2. (जीव अथवा जीवांग) जिसमें अपेक्षाकृत छोटी और गतिशील लैंगिक जनन कोशिकाएं उत्पन्न होती हैं जैसे वे पौधे या पुष्प जिनमें केवल पुंकेसर हों।

male sterility **नर बन्ध्यता**

एक प्रावस्था जिसमें नर युग्मक अनुपस्थित अथवा निष्क्रिय हों।

Mallotus philippinesis **मैलोटस फिलिपिनेन्सिस**

मैलोटस वंश की एक जाति।

maltase **माल्टेस**

एक एन्जाइम जो माल्टोस को ग्लुकोस में परिवर्तित कर देता है।

mangrove **गरान, मेंग्रोव**

एक विशेष प्रकार की वनस्पति जो मुख्यतः दलदल वाले स्थानों (जैसे सुंदरवन) में पाई जाती है। इन वनस्पतियों की विशेषता यह है कि इनमें तने और शाखाओं से निकलने वाली अवस्तंभ मूलों (स्टिल्ट रूट) के अतिरिक्त नीचे जड़ों से पानी की सतह के ऊपर टूँठ की तरह निकलने वाले श्वसन मूल (न्यूमेटोफोर) होते हैं। इनमें जरायुजता (वीवीपैरी) अवस्था भी दिखाई देती है, अर्थात फलों के वृक्ष पर लगे रहते ही अंकुरण क्रिया आरंभ हो जाती है तथा बीजपत्राधार (हाइपोकोटाइल) पर्याप्त लंबाई तक वृद्धि कर लेता है।

Manihot aipi **मैनीहोट आइपी**

मैनीहोट की एक जाति जिसे मीठा कसावा कहते हैं। इसकी भोज्य जड़ो मे मंड अधिक होता है।

Manihot glaziovii **मैनीहोट ग्लैजिओवाइ**

मैनीहोट की एक जाति जिससे सियरा रबड़ प्राप्त होता है।

Manihot utilissima **मैनीहोट यूटीलिस्सिमा**

मैनीहोट की एक जाति जिसे कटु कसावा कहते हैं। इसका गाढ़ा रस एन्टीसैप्टिक होता है।

Marchantia **मार्केसिया**

हैपेटिसी वर्ग के मार्केसिएसी कुल का वंश विशेष। इसके बीजाणुउद्भिद (स्पोरोफाइट) में पाद, स्फोटिकावृन्त (सीटा) और स्फोटिका (कैप्सूल) होते हैं। स्फोटिका में कई लंबी तर्कु के आकार की संरचनाएं होती है, जिन्हे इलेटर कहते हैं।

margin **कोर, सीमा, तट**

पत्ती अथवा किसी अन्य चपटे अंग का कोर (किनारा)।

marginal **सीमांत**

किसी अंग की सीमा (कोर) से संबंधित।

marginal placentation **सीमांत बीजांडन्यास**

एक प्रकार का बीजांडन्यास, जिसमे बीजांड एकांडपी जायांग के अंडपपत्र (कार्पेलरी लीफ) की सीमा के पास-पास और उसके (सीमा के) समांतर स्थित हो जैसे मटर मे।

marigold **गेंदा**

कम्पोजिटी कुल के कैलेन्डुला औफिसिनैलिस टेगेटीस एरेक्टा और टेगेटीस पटुला आदि का सामान्य नाम।

maturation **परिपक्वन**

जीव, जीवांग, ऊतक, कोशिका आदि का विभेदन, विशिष्टीकरण आदि क्रियाओं से गुजरते हुए वयस्क जीव में अपना स्थायी रूप एवं अपनी विशेष क्रिया करने की क्षमता प्राप्त कर लेना।

mature **परिपक्व**

जीव, जीवांग, ऊतक, कोशिका आदि जो विभेदन, विशिष्टीकरण आदि क्रियाओं से गुजर कर वयस्क जीव में अपना स्थायी रूप तथा विशेष क्रिया करने की क्षमता पा चुके हों।

mechanical tissue **यांत्रिक ऊतक**

मोटी भित्ति वाली कोशिकाओं से बने ऊतक जो पौधे के शरीर और अंगों को शक्ति और सहारा देते हैं, जैसे दृढ़ ऊतक, स्थूलकोण ऊतक और काष्ठरेशा आदि।

Medicago sativa **मेडीकागो सैटाइवा**

मेडीकागो की एक जाति जिसे सामान्य भाषा में गराड़ी या लूसर्न कहते हैं।

medullary ray **मध्यांश रश्मि**

संवहन पूलों के मध्य भाग को भरने वाली मृदूतक (पैरनकाइमा) की पट्टियां जो मज्जा से फ्लोएम तक उरों के समान स्थित होती है।

megasporangium **गुरूबीजाणुधानी**

बीजाणुधानी जिसमें गुरूबीजाणु (मेगास्पोर) उत्पन्न होते हैं।

megaspore **गुरूबीजाणु**

विषम बीजाणु वाले पौधों का बड़ा बीजाणु जो मादा युग्मकोद्भिद का विकास करता है।

megasporogenesis **गुरूबीजाणुजनन**

गुरूबीजाणु मातृकोशिका से गुरू बीजाणु उत्पन्न होने की प्रक्रिया।

megasporophyll **गुरूबीजाणुपर्ण**

वह पत्ती अथवा पत्ती जैसी संरचना जिस पर गुरूबीजाणुधानी उत्पन्न होती है।

meiocyte **अर्धसूत्री कोशिका**

अर्धसूत्री विभाजन की क्षमता रखने वाली कोशिका।

meiosis **मियोसिस, अर्धसूत्री विभाजन**

वह प्रक्रिया जिसके द्वारा द्विगुणित जनन कोशिकाए अगुणित लिंग कोशिकाएं बनाने के लिए विभाजित होती है।

Mendel's laws **मेन्डेल-नियम**

ग्रेगर जोन मेन्डेल (1866) द्वारा प्रतिपादित जीव वंशागति के नियम जो इस प्रकार है :

1. विसंयोजन नियम (लॉ ऑफ सैग्रीगेशन) : लक्षण विशेष पहली पीढ़ी में छिप जाने पर भी बाद की पीढ़ियों में प्रकट हो जाते हैं।

2. स्वतंत्र अपव्यूहन का नियम (लॉ ऑफ इन्डिपेडेन्ट ऐसोर्टमेंट) : दो या अधिक लक्षणों के जोड़ों के संकरण में प्रत्येक जोड़ा कारक स्वतंत्र रूप से स्थानान्तरित होता है।

Mendelism **मेन्डेलवाद**

मेन्डेल द्वारा प्रतिपादित आधारभूत वंशागत नियम एवं नवीन संकल्पनाएं।

Mentha arvensis **मेंथा आर्वेनिसस**

मेथा की एक जाति जिसका सामान्य नाम पुदीना है।

mericarp **फलांशक**

किसी शुश्क, स्फुटनशील फल का एकबीजीय अस्फुटनशील भाग, जैसे धनिया की फांक ।

meristem **विभज्योतक, मेरीस्टेम**

विशेष कोशिका अथवा ऊतक संहति जिसमें कोशिका-विभाजन की क्षमता होती है या विभाजन कर रही होती हैं या जो विभाजन की तैयारी कर रही होती हैं।

meristematic **विभज्योतकी**

विभज्योतक (मैरिस्टम) से संबंधित।

mesarch **मध्यारंभी**

(संवहन पूल या दारू के संबंध में) जिसमें आदिदारू (प्रोटोजाइलम) अनुदारु (मेटाजाइलम) के मध्य में स्थित होता है।

mesocarp **मध्यफलभित्ति**

फलभित्ति (पेरीकार्प) के बीच की परत जो विभिन्न फलों में विभिन्न मोटाई और विभिन्न प्रकार की होती है जैसे आम का रसीला गूदा जो खाया जाता है।

mesophyll **पर्णमध्योतक**

पत्ती की ऊपरी और निचली बाह्यत्वचा के बीच का मृदुतक (पैरेन्काइमा)। द्विबीजपत्री पत्ती में यह दो प्रकार का होता है: खंभ पर्णमध्योतक (पैलिसेड मीजोफिल) और स्पंजी पर्णमध्योतक (स्पंजी मीजोफिल)।

mesophyte **समोदभिद्**

सामान्य आर्द्र मृदा एवं जलवायु में उगने वाले पौधे।

mesozoic era **मध्यजीवी महाकल्प**

पृथ्वी के ऐतिहासिक कालक्रम में बीस करोड़ वर्ष पूर्व से लेकर ६ करोड़ वर्ष पूर्व तक का समय जो पेलियोजोइक महाकल्प के बाद और सीनोजोइक महाकल्प से पहले आने वाला महाकल्प है।

messenger RNA **मैसेंजर–आर. एन. ए., दूत–आर. एन. ए.**

आर. एन. ए. अणुओं का एक वर्ग जिसका प्रत्येक अणु कोशिका डी एन. ए. के एक रज्जुक का पूरक है और गुणसूत्र से राइबोसोमों के पास आनुवंशिक संदेश पहुंचाने का काम करता है।

metabolism **उपापचय**

उपचय और अपचय का सामूहिक नाम अर्थात जीवन के निमित्त जीव द्रव्य के निर्माण और विनाश शरीर की आवश्यक प्रक्रियाओं और कार्यकलापों के लिए ऊर्जा उत्पादन, नए द्रव्यों के पाचन, शरीर की मरम्मत, आदि के लिए हर समय शरीर में होने वाले समस्त रासायनिक तथा भौतिक परिवर्तन।

metacentric **आप्लवकेन्द्री, मध्यकेन्द्री**

केंद्रतः स्थित गुणसूत्रबिंदु वाला गुणसूत्र।

metaphase **मध्यावस्था**

कोशिका विभाजन का वह चरण जिसके दौरान गुणसूत्र तर्कुतंतुओं से संलग्न होते हैं तथा कोशिका के मध्यवर्ती समतल में विन्यसित हो जाते हैं।

metaxylem

आदिदारू (प्रोटोजाइलम) के बाद बना हुआ दारू, जिसकी कोशिकाएं अपेक्षाकृत बड़ी होती है।

microbe **रोगाणु, माइक्रोब**

अतिसूक्ष्म जीव, सामान्यतः रोगकारी।

micro biology **सूक्ष्मजैविकी, सूक्ष्मजीवविज्ञान**

जीव विज्ञान की वह शाखा जिसमें शैवाल, जीवाणु, विषाणु, आदि ऐसे जीवों का अध्ययन किया जाता है जो केवल सूक्ष्मदर्शी द्वारा ही देखे जा सकते हैं।

microbodies **सूक्ष्मकाय**

एक झिल्ली से परिबद्ध सूक्ष्म अस्तित्व जिनमें कैटीलेज क्रिया होती है और जो सूत्रकणिका तथा हरितलवकों (क्लोरोप्लास्ट) से निकटतया संबद्ध होते हैं।

microgamete **लघुयुग्मक**

संयुग्मन करने वाले युग्मकों के जोड़े में अपेक्षाकृत छोटा चलयुग्मक जिसे प्रायः नर युग्मक समझा जाता है।

micromere **लघुखंड, माइक्रोमियर**

विषम कोशिका – विभाजन से उत्पन्न दो कोशिकाओं में से छोटी कोशिका।

microorganism **सूक्ष्मजीव**

आकार में अति सूक्ष्म, केवल सूक्ष्मदर्शी (माइक्रोस्कोप) की सहायता से ही देखा जा सकने वाला सामान्यतः एक–कोशिकीय जीव । जैसे– बैक्टीरिया।

micropyle **बीजांडद्वार**

बीजांड का छिद्र जिसमें से होकर पराग नलिका भ्रूणकोष (ऐम्ब्रियो सैक) में प्रवेश करती है। इसका अवशिष्ट कभी–कभी बीज में भी दिखाई देता है।

microscope **सूक्ष्मदर्शी**

एक यंत्र जिसकी सहायता से सूक्ष्म जीव, सूक्ष्म पदार्थ आदि देखे जा सकते हैं।

microsporangium **लघुबीजाणुधानी**

बीजाणुधानी (स्पोरेंजियम) जिसमें लघुबीजाणु उत्पन्न होते हैं।

microspore **लघुबीजाणु**

1. विषम बीजाणु वाले पौधों का लघु बीजाणु, जो नर युग्मकोद्भिद उत्पन्न करता है।

2. पराग कण

microsporogenesis **लघुबीजाणु जनन**

लघुबीजाणु मातृकोशिका से लघुबीजाणु (परागकण) उत्पन्न होने की प्रक्रिया।

microsporophyll **लघुबीजाणु पर्ण**

पत्ती अथवा पत्ती-सी संरचना, जिस पर लघुबीजाणुधानी उत्पन्न होती है।

microtubules **सूक्ष्मनलिका**

ट्यूबूलिन प्रोटीन से निर्मित बेलनाकार सूक्ष्म नलिकाएं जो यूकैरियोटिक कोशिकाओं में पाये जाते हैं।

mid-rib **मध्य शिरा**

पत्ती के बीच लंबाईवार (अनुदैर्ध्यत) स्थित मुख्य शिरा।

millet **मिलेट (ज्वार-बाजरा, आदि)**

छोटे-छोटे बीजों वाले ग्रैमिनी कुल के धान्य, ज्वार, बाजरा, सांवा, मैडुबा आदि।

Mimosa pudica **माइमोसा प्युडिका**

माइमोसा की एक जाति जिसे सामान्य भाषा में छुईमुई कहते हैं। इसकी टहनियां व पत्तियां तनिक छूने पर झुक जाती हैं।

miocene epoch **मध्यनूतन युग, मायोसीन युग**

पृथ्वी के ऐतिहासिक कालक्रम में अल्पनूतन (ओलिगोसीन) तथा अतिनूतन (प्लायोसीन) युगों के बीच 25 करोड़ वर्ष पूर्व से लेकर 10 करोड़ वर्ष पूर्व तक की अवधि।

missing link **अप्राप्त कड़ी**

ऐसा जीवाश्म जिसके उपलब्ध होने पर किसी विकास क्रम या शृंखला की कमी पूरी हो जाती है।

mistletoe **मिसलटो**

लौरैथेसी कुल के विस्कम एल्बम और फोराडेन्ड्रोन पलैबीसेन्स का सामान्य नाम। यह सेब, लाल मैपल आदि वृक्षों पर अर्धपरजीवी रूप में रहता है।

Mitochondria **सूत्रकणिका, माइटोकॉन्ड्रिआ**

एक कोशिकांग जिसकी आंतरिक भित्ति के अंतर्वलन से अंगुलिनुमा संरचना (क्रिस्टा) बनती है तथा जो श्वसन के दौरान ए. टी. पी. के रूप में रासायनिक ऊर्जा को जनित करता है।

mitosis **समसूत्रण, सूत्रीविभाजन, माइटोसिस**

कोशिका विभाजन की वह प्रक्रिया जिसके परिणामस्वरूप दो संतति कोशिकाएं बनती हैं जिनमें कोशिका के गुणसूत्र जनक कोशिका के गुणसूत्रों के समरूप होता है।

mitotic **सूत्री विभाजनीय**

सूत्रीविभाजन (माइटोसिस) से संबंधित।

modification **रूपांतर**

1. मिट्टी, नमी, प्रकाश, आदि वातावरण के कारकों से पौधों में आई हुई व्यक्तिगत, अवंशानुगत (नॉन इनहैरिटबल) अल्प विभिन्नता ।

2. प्रयोजन विशेष के लिए किसी अंग का स्थायी रूप परिवर्तन, जैसे नागफनी के तने का पत्ती की आकृति का हो जाना।

molecular biology **अणु–जीव विज्ञान**

जीव विज्ञान की वह शाखा जिसमें जीन की आण्विक प्रकृति तथा उसकी जैव रासायनिक अभिक्रियाओं का अध्ययन किया जाता है। जैसे अनुलेखन तथा रूपांतरण आदि का।

monandrous **एकपुंकेसरी**

एक पुंकेसर वाला जैसे कुछ आर्किड।

monandry **एक पुंकेसरता**

एकपुंकेसरी (मोनैन्ड्रस) होने की अवस्था।

moniliform **मालाकार**

माला की आकृति का जैसे मोमोर्डिका की जड़।

monoadelphous **एकसंघी**

(पुष्पो के संबंध मे) जिसमें पुंकेसर के पुंतंतु परस्पर एक ही समूह में जुड़ गए हों जैसे मालवेसी कुल में।

monocarpellaary **एकांडपी**

(जायांग के संबंध में) एक अंडप वाला जैसे मटर का फूल।

monochasial **एकलशाखित**

एकल शाखी (मोनोकेजियम) संबंधी।

monochasium **एकलशाखी**

एक प्रकार का ससीमाक्ष पुष्पक्रम (साइमोस इन्फ्लोरसेन्स) जिसमें क्रमशः प्रतयेक अक्ष की एकफल में परिणति के अनंतर कुछ नीचे से एक पार्श्वीय अक्ष (शाखा) निकलता है।

monocotyledonous **एकबीजपत्री**

1. वे पौधे जिनके बीजों में केवल एक ही बीजपत्र होता है। पत्तियों का समांतर शिरा-विन्यास संवहन ऊतकों का तने के भीतर बिखरे रहना और पुष्पांगों का तीन के गुणज में होना इनकी विशेषता है।

2. पुष्पी पादपों के दो वर्गों में से एक जिसके बीजों में केवल एक ही बीजपत्र होता है।

monoecious **उभयलिंगाश्रयी**

नर एवं मादा पुष्पों की एक ही पादप पर पृथक-पृथक उपस्थिति।

monohybrid **एक संकर**

एक विषमयुग्मज संतति जो केवल एक जीन विस्थल के लिए भिन्न होता है।

monohybrid cross **एकसंकर संकरण**

केवल एक ही वंशागत लक्षण से सम्बद्ध दो जनकों का संकरण।

monophagous **एकाहारी**

एक ही प्रकार के भोजन पर निर्भर रहने वाला जीव।

monotype **एकल प्ररूप, मोनोटाइप**

जीवप्ररूप जो एक जाति अथवा वंश का निर्माण करते हैं।

morphological **संरचनात्मक**

जीव की आकृति एवं संरचना से संबंधित।

morphology **आकारिकी, आकृति विज्ञान**

जीव विज्ञान की वह शाखा जिसमें जीवों के स्थूल अथवा सूक्ष्म, बाह्य अथवा आन्तरिक अंगों के रूप संरचना, परिवर्धन अथवा रूपान्तर का विधिवत विवरण होता है।

Morus alba **मोरस ऐल्बा**

मोरस की एक जाति जिसे सामान्य भाषा में शहतूत कहते हैं। इसकी पत्तियों पर रेशम के कीट (सिल्कवर्म) पाले जाते हैं।

mosaic **मौजेक, किर्मीर**

दो या अधिक आनुवंशिक दृष्टि से भिन्न कोशिकाओं से बना व्यष्टि अथवा ऊतक।

moss **मॉस**

ब्रायोफाइटा के मसाइ कुल के पादपों का सामान्य नाम। वर्षा ऋतु में ये पौधे नम दीवारों, वृक्ष के तनों, गीली भूमि, आदि पर मुलायम हरे मखमल की भांति छा जाते है।जैसे – फ्यूनैरिया, पौलिट्राइकम।

mother cell **मातृ कोशिका**

वह कोशिका जिससे संतति कोशिकाएं उत्पन्न होती है जैसे (1) बीजाणुमातृ कोशिका (स्पोर मदर सेल) जो 2x होती है और न्यूनकारी विभाजन (रिडक्शन डिवीजन) के उपरांत x बीजाणुओं को जन्म देती है। (2) कोनिडियम मातृ कोशिका जो स्वयं x होती है और x कोनिडिया को जन्म देती हैं।

motile **गतिशील**

स्वंय गति करनेवाला जैसे चलबीजाणु (जूस्पोर)।

mould **फफूंदी**

कवकों का सामान्य नाम । यह नर्म और सड़े–गले पदार्थों पर बारीक रेशों के रूप में उगती है। जैसे– म्यूकर।

movement **गति**

जीव अथवा जीवांगों की चलस्थिति।

mucilage **म्यूसिलेज**

एक चिपचिपा गाढ़ा पदार्थ, जैसे भिंडी का चेप।

Mucor **म्यूकर**

फफूंदियों (मोल्डस) का वंश विशेष जो म्यूकरेसी कुल के अंतर्गत है।

Mucor mucedo **म्यूकर म्यूसिडो**

म्यूकर की एक जाति। यह श्वेत रेशों के रूप में नम गोबर, मुरब्बे, रोटी, पनीर, चमड़े, आदि पर उगती है।

mulberry **शहतूत**

मोरेसी कुल के वंश मोरस का सामान्य नाम। इसकी सफेद और काली दो जातियां होती हैं।

multicellular **बहुकोशिक**

अनेक कोशिकाओं वाला जीव, ऊतक, आदि जैसे– सूर्यमुखी के तने पर के रोम।

multinucleate **बहुकेन्द्रकी**

अनेक केन्द्रकों वाली कोशिका जैसे प्रारंभिक भ्रूणपोष (एन्डोस्पर्म)।

Murraya exotica **मुराया एक्सोटिका**

मुराया की एक जाति जिसे सामान्य भाषा में कामिनी कहते हैं।

musci **मसाई**

ब्रायोफाइटा के पौधों का एक वर्ग जिन्हें सामान्य भाषा में मॉस कहते हैं।

mushroom **छत्रक**

बेसिडिओमाइसिटीज वर्ग के मुख्यतः एगैरिकेलीज गण के मांसल कवकों का सामान्य नाम। ये मृतजीवी पौधे वर्षाकाल में चरागाहों, खाद वाले ऊसर खेतों आदि में उगते हैं। इनके जनन अंग बीजाणुधर के दो भाग होते हैं– छत्रिका–वृंत (स्टाइप) और छत्र (पाइलियस)। छत्रिका के अंदर निचली सतह में पतले आकार के गिल अवस्थित होते हैं, जिनमें बासिडियम–बीजाणु लगे होते हैं। जैसे– एगैरिकस।

mustard **सरसों**

क्रुसीफेरी कुल के वंश ब्रेसिका की कुछ जातियों और उपजातियों का सामान्य नाम।

mutagen **उत्परिवर्तक**

उत्परिवर्तन करने में समर्थ कर्मक।

mutant **उत्परिवर्ती**

वह जीन, गुणसूत्र कोशिका अथवा जीव जो अपने संगत प्रकृत अथवा वन्यप्ररूप में एक या एक से अधिक उत्परिवर्तनों के कारण भिन्न होता है।

mutation **उत्परिवर्तन**

जीन में आकस्मिक वंशागत परिवर्तन।

mutation theory **उत्परिवर्तन सिद्धांत**

सन् 1901 में ह्यूगो डि–ब्रीज द्वारा प्रतिपादित विकास प्रक्रम का एक सिद्धांत। इसके अनुसार आकस्मिक, अपूर्वानुमेय उत्परिवर्तनों के फलस्वरूप ही जीवों की नई जातियों (स्पीशीज) की उत्पत्ति होती है और ये नयी जातियां प्रारंभ से ही पूर्व जातियों से भिन्न होती हैं।

mutualism **सहोपकारिता**

विभिन्न जातियों के दो जीवों का साथ–साथ रहना जिससे दोनों को ही लाभ होता है।

mycelium **माइसीलियम, कवकजाल**

कवकों का बहुशाखित एवं जालीनुमा थैलस जो कवकतंतुओं का बना होता है।

mycology **कवक–विज्ञान**

वनस्पति–विज्ञान की वह शाखा जिसमें कवकों (फंजाइ) का विधिवत् अध्ययन किया जाता है।

myrmecophily **पिपीलिका–परागण/पिपीलिका–रागिता**

1. चीटियों की सहायता से संपन्न होने वाला परागण।
2. पौधों और चीटियों का सहजीवन (सिम्बायोसिस)।

myxomycetes **मिक्सोमाइसिटीज**

विशेष प्रकार के जीवों का एक समूह, पादप जगत फन्जाई में रखा जाता है। ये सड़ी–गली लकड़ी, ह्यूमस आदि पदार्थों या भूमि में पाए जाते हैं। इनका थैलस जीवद्रव्य की एक नग्न बहुकेन्द्रकी संहति होता है जिसे प्लाज्मोडियम कहते हैं।

"N"

napiform **कुंभीरूप**

शलजम की आकृति का।

Narcissus **नारसिसस, नरगिस**

अनैरिलिडेसी कुल का शाकीय वंश (जीनस) विशेष। इसकी पत्तियां रेखित और पुष्प सुगंधित, श्वेत, पीले या द्विरंगी होते हैं। इसकी जातियां (स्पीशीज) डैफोडिल, जौक्विल, स्यूडोनारसिसस आदि हैं।

nasty **अनुकुंचन**

किसी व्यापक उद्दीपन (जैसे प्रकाश) के प्रति अनुक्रिया – पादप अंगो की वृद्धि गति जिसमें उद्दीपन द्वारा गति की दिशा का निर्धारण नहीं होता।

natural order **प्राकृतिक गण**

"कुल" (फैमिली) का प्राचीन नाम।

natural selection **प्राकृतिक वरण**

प्राकृतिक प्रक्रम जो उच्चतर अनुकूलित जीनों का पक्षधर होता है और अपने पर्यावरण के लिए अनानुकूलित जीनों का विलोपन करता है।

neck **ग्रीवा**

ब्रायोफाइटा और टेरिडोफाइटा में स्त्रीधानी (आर्किगोनियम) का ऊपरी भाग जो सुराही की गर्दन सा होता है।

neck canal cell **ग्रीवा–नाल–कोशिका**

स्त्रीधानी (आर्किगोनियम) की ग्रीवा नलिका में स्थित कोशिका।

nectar **मकरंद**

फूलों का शर्करामय द्रव पदार्थ जो परागण के निमित्त कीटों को आकर्षित करता है।

nectary **मकरंदकोश**

बहुकोशिकीय ग्रंथि जिससे मकरंद का स्रवण होता है।

negatively heliotropic **सूर्यापवर्ती**

सूर्य के प्रकाश से विपरीत दिशा में बढ़ने या मुड़ने वाला, जैसे जड़ें।

neo-Darwinism **नव डार्विनवाद**

डार्विन के विकासवाद का नया रूप जिसमें उत्परिवर्तन (म्यूटेशन) तथा वरण को विकास प्रक्रिया का आधार माना जाता है।

neo-Lamarckism **नव लैमार्कवाद**

लामार्क के अनुयायियों द्वारा प्रतिपादित विकासवाद का अभिनव रूप जिसमें लामार्क के मतों को महत्व देने के साथ-साथ अन्य आधुनिक तर्कसम्मत मतों का भी समावेश है।

Nepenthes **नेपेंथीस**

कीटाहारी पादपों का वंश विशेष। इसकी पत्ती का अगला भाग घड़े का रूप धारण कर लेता है। घड़े के मुंह पर ढक्कन और अंदर मधुग्रंथियां होती है। इसके रंग व मधुरस से आकर्षित होकर कीट घड़े के अंदर प्रवेश करते हैं। ज्यों ही वे अंदर प्रवेश करते हैं त्यों ही ढक्कन बंद हो जाता है। कीड़े के छटपटाने से संवेदक-रोम कीड़े को नीचे जलीय रस में डुबो देते हैं। यह रस अम्लीय होता है और पचाने में सहायक होता है। इसकी कुछ जातियां अधिपादपी (एपीफाइट) होती है।

Neptunia oleracea **नेप्चूनिआ ओलेरेसिआ**

नेप्चूनिया की एक जाति। इस जलीय पौधे की पत्तियां छुईमुई की तरह संवेदनशील होती है।

Nerium indicum **कनेर**

एपोसाएनेसी कुल का एक मरूद्भिद पादप।

Nerium odorum **नीरियम ओडोरम**

नीरियम की एक जाति जिसे सामान्य भाषा में कनेर कहते हैं। इसके लाल या सफेद पुष्प सुगंधित होते हैं।

nitrification **नाइट्रीकरण**

मिट्टी या मूल ग्रंथिका आदि के जीवाणुओं द्वारा वातावरण की नाइट्रोजन से नाइट्रोजनीय यौगिकों का निर्माण, जिससे मिट्टी की उर्वरता बढ़ जाती है।

nitrogen bacteria **नाइट्रोकारी जीवाणु**

वे जीवाणु जो वातावरण की नाइट्रोजन को नाइट्रेट में बदल देते हैं।

nitrogen assimilation **नाइट्रोजन स्वांगीकरण**

नाइट्रोजन से जीवाणुओं तथा अन्य रासायनिक विधियों द्वारा जटिल नाइट्रोजन यौगिकों (प्रोटीन आदि) के निर्माण की पौधों में होने वाली क्रिया।

nitrogen cycle **नाइट्रोजन चक्र**

भूमि तथा पौधों में विभिन्न विधियों द्वारा वायुमंडल की स्वतंत्र नाइट्रोजन का नाइट्रोजनीय यौगिकों के रूप में स्थायीकरण और उनके पुनः स्वतंत्र नाइट्रोजन में परिवर्तित होने का अनवरत प्रक्रम।

nitrogen fixation **नाइट्रोजन स्थायीकरण**

मिट्टी तथा मूल ग्रंथिकाओं (रूट नॉडच्यूल) के जीवणुओं द्वारा वायुमंडलीय नाइर्टोजन का नाइट्रोजनीय यौगिकों में परिवर्तन।

Nitrosomonas **नाइट्रोसोमोनास**

जीवाणुओं के कुल नाइट्रोबैक्टीरिएसी का वंश विशेष। ये अमोनिया को नाइट्राइटों में परिवर्तित करके ऊर्जा प्राप्त करते है।

node **पर्वसंधि, गांठ**

तने का वह स्थान जहां से पत्तियां निकलती हैं।

nodule **ग्रंथिका**

पौधे के किसी अंग का गोल उभरा हुआ भाग जैसे मटर की जड़ों की गुलिकाएं।

nomenclature **नामपद्धति**

जीवों के नामकरण की वैज्ञानिक पद्धति।

non-endospermic **अभ्रूणपोष**

बिना भ्रूणपोष वाला।

nucellus **बीजांडकाय**

बीजांड का केन्द्रीय भाग जो मृदु कोशिकाओं से बना होता है, आवरण द्वारा घिरा रहता है और जिसमें भ्रूणपोष होता है।

nuclear **केन्द्रकीय**

केन्द्रक संबंधी।

nuclear membrane **केन्द्रक झिल्ली**

केन्द्रक के चारों ओर की कोमल पतली झिल्ली जो कोशिका विभाजन के समय लुप्त हो जाती है।

nuclear reticulum **केन्द्रक जालिका**

केन्द्र में पाया जाने वाला क्रोमेटिन के कोमल धागों का जाल।

nuclear spindle **केन्द्रकीय तर्कु**

केन्द्रकीय विभाजन में दीखने वाली तर्कु-रूप रचनाएं।

nucleic acid **न्यूक्लीक अम्ल**

शर्करा, नाइट्रोजनी क्षारक और फॉस्फोरिक अम्ल की पुनरावृत इकाइयों वाला वृहद् अणु।

nuclein **न्यूक्लीन**

केन्द्रक में वर्तमान प्रोटीन अथवा प्रोटीन यौगिकों के मिश्रण।

nucleolus **केन्द्रिका, न्यूक्लिओलस**

केन्द्रक के अन्दर छोटी सघन संरचना जिसमें आर. एन. ए. और प्रोटीन होते हैं। ये राइबोसोम के संश्लेषण में योग देती है।

nucleoplasm **केन्द्रक द्रव्य**

केन्द्रक का आधात्री अंश जिसमें गुणसूत्र और केन्द्रिक होते हैं।

nucleus **केन्द्रक**

सुकेन्द्रिकी कोशिका का झिल्लिका परिबद्ध कोशिकांग जिसमें क्रोमेटिन केन्द्रिक और केन्द्रक होता है।

nutrition **पोषण**

उन सारी प्रक्रियाओं का सामूहिक नाम जिनके द्वारा जीव खाद्य–पदार्थों को ग्रहण कर तथा उन्हें पचा कर अपने जीवद्रव्य में परिणत करता है।

nutritive **पोषक**

पोषण संबंधी, पोषणकारक।

nyctinastic **निशानुकुंचनी**

निशानुकुंचन (निक्टिनैस्टी) संबंधी।

nyctinasty **निशानुकुंचन**

रात्रि के व्यापक प्रभाव से पौधों के अंगों का सुप्त हो जाना, अर्थात वह कुंचन (नैस्टी) जिसका उद्दीपन रात्रि हो। जैसे– छुइमुई (माइमोसो प्युडिका) की पत्तियों का रात्रि में बंद हो जाना।

Nymphaea (white water lily) **निंफिआ**

जलीय पौधों के कुल निम्फिएसी का वंश विशेष जिसे सामान्य भाषा में कुमुदिनी कहते हैं। इसके पुष्प आकर्षक एवं सुगंधित होते हैं।

"O"

oak **बांज**

क्वेर्केस तथा लिथोकार्पस वंशों के पौधों का सामान्य नाम। इनकी लकड़ी बड़ी उपयोगी होती है।

oat **जई**

1. ऐवेना वंश (जीनस) के धान्यों का सामान्य नाम।
2. ऐवेना का बीज।

obdiplostemenous **दलाभिमुख द्विवर्तपुंकेसरी**

(पुमंग के संबंध में) जिसमें पुंकेसर पखुड़ियों से दुगनी संख्या में और दो चक्करों में हों तथा पुकेसरों का बाहरी चक्कर दलों के सम्मुख हो।

obligate **अविकल्पी**

जिनका कोई विकल्प न हो या जो एक ही प्रकार के जीवनयापन या जीवन क्रियाओं तक सीमित हों जैसे कुछ अनॉक्सीजीवी (ऐनीरोब), परजीवी, आदि।

oblique **तिर्यक (तिरछा)**

1. झुका हुआ
2. असम भुजाओं वाला।

oblong **दीर्घवत्**

जिसमें पत्रदल लंबा, फैला हुआ तथा गोलाकार सिरोंवाला हो, जैसे केले की पत्ती।

obovate **अधोमुख, अंडाकार**

जिसका फलक अंडाकार हो और अग्रक आधार से तनिक चौड़ा हो जैसे देसी बादाम की पत्ती।

Ocimum canum **औसिमम कैनम**

औसिमम की एक जाति जिसे सामान्य भाषा में बंबई कहते हैं।

Ocimum sanctum **औसिमम सैक्टम**

औसिमम की एक जाति जिसे सामान्य भाषा में तुलसी कहते हैं।

ocrea (ochrea) **औक्रिया**

वृंत के आधार को घेरे हुए एक नलिकाकार आच्छद जो एक अनुपत्र के लिपट जाने से अथवा दो जुड़े अनुपत्रों से बनता है।

offset **भूस्तरिका**

भूमि पर फैलने वाला छोटा, मोटा तना जैसे रामबांस (ऐगेव) में।

oidium **औइडियम**

कवकों का एक कायिक जनन अंग।

onion **प्याज**

लिलिएसी कुल के एलियम सेपा का सामान्य नाम।

oogonium **अंडधानी, ऊगोनियम**

शैवाल तथा कवकों की स्त्रीजननेंद्रिय। यह मॉस तथा पर्णांगों की स्त्रीधानी (आर्किगोनियम) के समतुल्य है, किन्तु इसमें ग्रीवा और अंडधा (वेन्टर) का विभेदक नहीं होता ।

oomycetes **ऊमाइसिटीज**

निम्न कवकों का एक वर्ग। इन कवकों के जाल (माइसीलिया) सुपरिवर्द्धित होते हैं और लैंगिक जनन विलिंगता (ऊगेमी) द्वारा होता है। ये मृतजीवी या परजीवी होते हैं।

oosphere **अंडगोल**

अनिषेचित अण्डकोशिका (स्त्री युग्मक)।

oospore **निषिक्तांड**

अंडगोल (ऊस्फीयर) के निषेचन के परिणाम स्वरूप बनने वाली द्विगुणित कोशिका।

open bundle **वर्धी पूल**

संवहन-पूल (बंडल), जिसमें दारू और फ्लोएम के बीच में एधा (केम्बियम) के विद्यमान होने से वर्धनशीलता हो।

operculum **ढक्कन**

स्फोटिका का एक अंग, जिसके खुलने से धानी के बीजाणु, बीज आदि बाहर निकल पड़ते हैं जैसे मॉस की स्फोटिका में।

opium plant (poppy) **पोस्ता**

पैपैवरेसी कुल के पैपैवर सोम्नीफेरम का सामान्य नाम। इसकी अपरिपक्व स्फोटिकाओं का गाढ़ा रस जमाकर अफीम बनाई जाती है। अफीम के अतिरिक्त अन्य एल्कैलायड जैसे मॉर्फीन, कोडोन, नारकोटीन तथा पैपैवरीन भी इससे निकाले जाते हैं।

opposite **सम्मुख**

एक दूसरे के सामने स्थित दो समान अवयव या दो भिन्न अंग।

opuntia (prickly pear) **नागफनी**

यूफॉर्बिएसी कुल का वंश विशेष जिसे सामान्य रूप से नागफनी कहते हैं। ये पादप मरूद्भिदी जीवन के अनुकूल होते हैं और इनके तने चपटे तथा हरे, और पत्तियां वाष्पोत्सर्जन कम करने के लिए कांटों में बदल जाती है।

orbicular **वर्तुल**

गोल रूपरेखा वाली, जैसे कमल की पत्ती।

orchid **ऑर्किड**

ऑर्किडेसी कुल के पौधों का सामान्य नाम। ये पोधे अधिपादप होते हैं।

order **गण, ऑर्डर**

वर्गीकरण का स्तर, जिसका स्थान कुल से ऊपर और वर्ग से नीचे है जैसे रोजेलीज।

organelle **कोशिकांग**

किसी कोशिका के अंदर विभिन्न संरचनाएं जिनका अपना-अपना विशिष्ट कार्य होता है जैसे माइटोकॉन्ड्रिया, राइबोसोम, आदि।

orthostichy **उदग्र पंक्ति**

तने पर लगी हुई पत्तियों की उर्ध्वाधर पंक्ति।

orthotropous **ऋजु**

(बीजांड के संबंध में) जिसमें बीजांडद्वार (माइक्रोपाइल), कैलाजा, बीजांडवृन्त (फ्यूनिकिल) सभी एक ही उर्ध्व रेखा में हों।

osmosis **परासरण**

दो घोलों के बीच की अर्धपारगम्य झिल्ली में से होने वाला द्रव का प्रवाह, जो दोनों की सांद्रता को समान करने की चेष्टा करता है।

osmotic pressure **परासरण दाब**

परासरण के फलस्वरूप उत्पन्न होने वाला दबाव।

outgrowth **उद्वध**

किसी अंग का बाहर को निकला हुआ भाग।

outline **रूपरेखा**

किसी अंग की अविच्छिन्न सीमा जैसे पत्ती की रूपरेखा।

ovule **बीजांड**

पुष्पी पादपों की स्त्री बीजाणुधानी जो निषेचन और परिवर्धन के उपरांत बीज बनाती है। कवच (इन्टेगुमेन्ट) से आवृत बीजांडकाय (न्यूसेलस) में स्थित इसका प्रधान अंग भ्रूणपोष संरचना की दृष्टि से गुरू बीजाणु (मेगास्पोर) होता है। पराग नलिका के आगमन के हेतु इसके सिरे पर द्वार होता है जिसे बीजांडद्वार कहते हैं। इसका आधारीय भाग निभाग (कैलाजा) बीजांडवृंत (फ्यूनिकल) से जुड़ा रहता है।

ovuliferous scale **बीजांडधर शल्क**

शंकु वृक्षों (कोनिफरों) के शंकु का वह शल्क जो बीजांड को धारण किए रहता है।

"P"

pachytene **स्थूलसूत्रावस्था, पैकीटीन**

अर्धसूत्री विभाजन का वह चरण जिसके दौरान जीन विनिमय होता है।

Palaeontology **जीवाश्म विज्ञान, जीवाश्मिकी**

जीव विज्ञान की वह शाखा जिसमें पुरातन काल के विलुप्त जीवों, उनके अंगों या चिन्हों का तथा कालानुसार उनके वितरण का अध्ययन किया जाता है।

palaeozoic era **पुराजीवी महाकल्प, पैलियोजोइक महाकल्प**

पृथ्वी के ऐतिहासिक कालक्रम में 51 करोड़ से 18 करोड़ वर्ष पूर्व तक की अवधि जो प्राग्जीव (प्रोटीरोजोइक) और मध्यजीवी (मीसोजोइक) महाकल्पों के बीच में है।

palisade tissue **खंभऊतक**

पर्णमध्योतक (मेसोफिल) का ऊपरी ऊतक जिसमें स्तंभाकार कोशिकाएं पत्ती की सतह से समकोण बनाती हुई स्थित होती है। इस ऊतक में अंतराकोशिक अवकाश छोटे-छोटे होते हैं और कोशिकाओं में पर्णहरित की प्राचुरता होती है।

palm **ताड़**

पामी कुल के पादपों का सामान्य नाम जैसे- खजूर ।

palmate **हस्ताकार**

(पत्ती) जिसका फलक (लैमिना) विभक्त होकर हथेली व अंगुलियों सा आकार बनाता है जैसे एरंड की पत्ती।

palmatifid **दीर्णहस्तकार**

(पत्ती के संबंध में प्रयुक्त) जिसका फलक (लैमिना) अधिक से अधिक आधी दूरी तक कटा हो जैसे कपास में।

palmatipartite **दीर्णतर हस्ताकार**

पत्ती जिसका फलक आधी दूरी से अधिक कटा हो, जैसे एरंड की पत्ती में।

palmatisect **दीर्णतक हस्ताकार**

पत्ती जिसका फलक लगभग पूरा कटा हो जैसे टैपोइका की पत्ती।

Pandanus **पैन्डैनस**

पैन्डैनेसी कुल का वंश विशेष, जिसे सामान्य भाषा में केवड़ा या केतकी कहते हैं। इनकी अपस्थानिक जड़ें पौधे को सहारा देती हैं। इन जड़ों को अवस्तंभ मूल कहते हैं।

papilionaceous **मटरकुलीय**

(दलपुंज के संबंध में) मटर के दलपुंज सदृश व्यवस्थित।

pappus **रोमगुच्छ**

बाह्यदल-पुंज के रूपांतर से बना पतले बालों का गुच्छा जो बहुधा अंडाशय या फल के ऊपर छत्र के समान स्थित रहता है और वायु वितरण में सहायक होता है।

parachute mechanism **पैराशूट विधि**

वायु वितरण की वह विधि जिसमें छत्राकार रोम या पंखों आदि के कारण बीज या फल (समारा) पैराशूट की तरह स्थानांतरित हो जाते हैं।

parallel venation **समांतर शिराविन्यास**

वह शिरा विन्यास जिसमें फलक की मुख्य शिराएं एक दूसरे के लगभग समांतर स्थित होती हैं जैसे केले की पत्ती में; अधिकतर एकबीजपत्री पौधों में ऐसा शिराविन्यास पाया जाता है।

paraphysis **सहसूत्र**

एक या अधिक कोशिकाओं के बने बंध्य तंतु जो निम्न कोटि के पादपों के जनन अंगों के साथ रहते हैं।

parasite **परजीवी**

किसी दूसरे जीव के जीवित अंग से अपना पोषण ग्रहण करने वाला जीव जैसे अमरबेल।

parasitism **परजीविता**

दो जीवधारियों का शारीरिक रूप से साथ-साथ रहना जिससे एक को लाभ किंतु दूसरे (परपोषी) को हानि पहुंचती है।

parasitology **परजीवी विज्ञान**

जीव विज्ञान की वह शाखा जिसमें परजीवियों की संरचनाओं तथा जैविक क्रियाओं का अध्ययन होता है।

parenchyma **मृदूतक**

पतली भित्ति वाली गोल अथवा बहुभुजी कोशिकाओं का कोमल ऊतक जो पौधों के कुछ भागों में पाया जाता है जैसे वल्कुट में।

parent **जनक**

उत्पादक जीव, कोशिका, आदि।

parent colony **पित्र्य कॉलोनी**

वह कॉलोनी जिससे दूसरी कॉलोनी उत्पन्न हो जैसे वॉल्वॉक्स।

parietal p lacentation **भित्तीय बीजांडन्यास**

बहुअंडपी अंडाशय का एक प्रकार का बीजांडन्यास, जिसमें बीजांडासन अंडपों की सीमा मे स्थित होते हैं। इसमें पार्श्ववर्ती अंडपों की सीमा मिल जाती है और उनके बीजांडासन साथ-साथ हो जाते हैं।

pea **मटर**

1. पाइसम सैटाइवम और पाइसम आर्वेन्सिस आदि पौधों का सामान्य नाम।

2. उपर्युक्त पौधों के बीज।

peach **आड़ू**

रोजेसी कुल के प्रूनस पर्सिका का सामान्य नाम।

pedicel **पुष्पवृंत**

फूल का डंठल।

pedigree **वंशावली**

किसी व्यष्टि के पूर्वजों का अभिलेख।

peduncle **पुष्प क्रमदंड**

पुष्पक्रम का डंठल ।

Pennisetum typhoides **पेनीसीटम टाइफोडिस**

पेनीसीटम की एक जाति जिसे सामान्य भाषा मे बाजरा कहते है।

pentamerous **पंचयती**

पांच-पांच के समुदाय मे विन्यस्त अवयव वाला जैसे अमलतास, गुलमोहर के फूल।

pentoxylae **पेंटोक्साइली**

जिम्नोस्पर्मों के विलुप्त पादपों का एक समूह।

peppermint **पेपरमेंट**

लेबिएटी कुल के मेन्था आरवेन्सिस का सामान्य नाम। इससे औषधि के रूप में काम आने वाला तेल निकाला जाता है।

pepsin **पेप्सिन**

एक प्रमुख पाचक एन्जाइम जो प्रोटीन का जल-विश्लेषण (हाइड्रोलिसिस) करता है।

perennial **बहुवर्षी, चिरस्थायी**

दो वर्ष से अधिक जीवित रहने वाले पौधे जैसे केला।

perfect flower **पूर्णपुष्प**

वह फूल जिसमें चारों चक्र विद्यमान हों।

perianth **परिदलपुंज**

1. फूल के बाह्यदल और पंखुड़ियों का सामूहिक नाम।

2. पुष्प का वह पत्रपुंज, जिसमें बाह्यदल और पंखुड़ियों का कोई भेद नहीं होता।

periblem **वल्कुटजन**

अग्रक विभज्योतक (एपिकल मेरिस्टम) का बीच का भाग जिससे वल्कुट बनता है।

pericarp **फलभित्ति**

अंडाशय की भित्ति से परिवर्धित फल का आवरण। इसके प्रायः तीन स्पष्ट स्तर होते हैं – बाह्यफलभित्ति (एपिकार्प) मध्यफलभित्ति (मीजोकार्प) और अंतःफलभित्ति (एन्डोकार्प)।

perichaetium **परिलिंगधानी**

मार्केंशिया आदि लिवरवर्टों की स्त्री जननेंद्रियों को घेरने वाला पट तथा मॉस की जननेंद्रिय को घेरने वाला पत्तियों का समूह।

pericycle **परिरंभ, पेरीसाइकल**

रंभ (स्टील) की बाहरी मृदूतकी परत जो अंतस्त्वचा के अंदर होती है।

periderm **परित्वक**

द्वितीयक विभज्योतक अर्थात काग एधा की क्रियाशीलता से बनी रक्षात्मक परत।

perigynium **परिस्त्रीधानी**

मार्केंशिया आदि लिवरवर्टों में प्रत्येक अंडधानी को घेरे रहने वाला आवरण।

perigynous **परिजायांगी**

पुष्प जिसमें बाह्यदल पंखुड़ियां और पुंकेसर समतल अथवा अवतल पुष्पासन की कोरों पर लगे हों।

peristome **परिमुख**

मॉस की स्फोटिका के मुख को घेरता हुआ दांतेदार किनारा।

peristome teeth **परिमुख दंत**

परिमुख के दांते।

permanent tissue **स्थायी ऊतक**

पूर्ण रूप से विभेदित ऊतक, जिसकी संरचना में बाद में विशेष परिवर्तन नहीं होता।

permeable **पारगम्य**

(झिल्ली आदि के संबंध में) जिसके आर-पार द्रवपदार्थ निकल सके।

permeability **पारगम्यता**

किसी द्रव पदार्थ को अपने आर-पार जाने देने की झिल्ली आदि पटों की क्षमता।

persistent **स्थायी**

सामान्य अवधि के पश्चात् भी लगे रहने वाले अंग जैसे बैगन का बाह्य दल पुंज जो फल पर भी लगा रहता है।

personate **मुंहबंद**

(द्वयोष्ठी दलपुंज के संबंध में) पशु के बंद मुंह की-सी आकृति वाला। इसमें दलपुंज के दोनों ओष्ठ इतने सटे होते हैं कि दलपुंज का मुंह बंद रहता है जैसे- एन्टीर्हाइनम का फूल (कुत्ताफूल)।

petal **दल, पंखुड़ी**

एक प्रकार का पुष्पपत्र, जो सामान्यतया रंगीन तथा आकर्षक होता है। यह बाह्य दलपुंज (कैलिक्स) और पुमंग (एन्ड्रोशियम) के बीच में लगा रहता है।

petaloid **दलाभ**

पंखुड़ी जैसा।

petiole **वृंत**

पत्ती का लंबा-पतला भाग जिससे वह आधार (तना) से जुड़ा रहता है जैसे- पर्णवृंत।

phage (bacteriophage) **जीवाणुभोजी, विभोजी**

जीवाणु पर परजीवी विषाणु।

phaeophyceae **फियोफाइसी**

एक विशाल शैवालवर्ग जिन्हें सामान्य भाषा में भूरा शैवाल या वभ्रु शेवाल कहते हैं। इनका हरा वर्णक क्लोरोफिल भूरे वर्णक फ्यूकोजेन्थन से आच्छन्न रहता है। अधिकतर ये विशाल आकार के समुद्री शैवाल होते हैं जैसे-फ्यूकस, एक्टोकार्पस, लैमिनेरिया।

phagocytosis **भक्षकाणुक्रिया**

कोशिका द्वारा कणिकीय पदार्थ का आहार –अशन या सुरक्षा के लिए अंतग्रहण।

Phaseolus mungo (Vigna mungo) **उड़द**

लेग्यूमिनोसी कुल के वंश फैसिओलस की एक जाति जिसे सामान्य भाषा में उड़द कहते हैं।

Phaseolus radiata (Vigna radiata) **मूंग**

फैसिओलस रैडिएटस का सामान्य नाम।

phelloderm **काग–अस्तर**

काग एधा (कार्क केम्बियम) से भीतर की ओर परिवर्धित ऊतक जो द्वितीयक वल्कुट कहलाता है।

phellogen **कागजन**

एक गौण विभज्योतक जो बाहर की ओर परित्वक् (फेलेम) और अंदर की ओर कागअस्तर (फेलोडर्म) बनाता है।

phenotype **लक्षण प्ररूप**

व्यष्टि का बाहरी रूप जो पर्यावरण तथा उसके आनुवंशिक संघटन की अन्योन्य क्रिया से प्राप्त हुआ है।

phloem **फ्लोएम**

संवहन पूल का वह अंश जिससे होकर पत्तियों में बना हुआ खाद्य पदार्थ पौधों के अन्य अंगों को जाता है। इसमें चालनी नलिका, सहकोशिका, फ्लोएम मृदुतक तथा फ्लोएम तंतु (रेशा) होते हैं।

phloem parenchyma **फ्लोएम मृदुतक**

फ्लोएम में स्थित मृदुतक।

Phoenix dactylifera **फीनिक्स डैक्टाइलीफेरा**

फीनिक्स की एक जाति जिसे सामान्य भाषा में खजूर कहते हैं।

Phoenix sylvestris **फीनिक्स सिल्वेस्ट्रिस**

फीनिक्स की एक जाति जिसको सामान्य भाषा में ताड़ी कहते हैं।

photonastic **प्रकाशानुकुंचनी**

प्रकाशानुकुंचन (फोटोनैस्टी) संबंधी।

photonasty **प्रकाशानुकुंचन**

वह अनुकुंचन (नैस्टी) जिसका उद्दीपक प्रकाश हो।

photoperiodism **दीप्तिकालिता, प्रकाशकालिता**

प्रकाश तथा अंधकार के क्रम एवं अवधि में परिवर्तन के प्रति पौधों की कार्यकीय (शरीर क्रियात्मक) अनुक्रिया।

phycobilins **फाइकोबिलिन**

लाल और नील, हरित – शैवाल में उपलब्ध गौण वर्णक जिसमें पोरफाइरिन की एक खुली शृंखला होती है।

phycocyanin **फाइकोसाइनिन**

एक नीला वर्णक जो नील हरित शैवालों में पर्णहरित के साथ-साथ वर्तमान रहता है और उसको आच्छन्न किए रहता है।

phycoerythrin **फाइकोएरिथ्रिन**

एक लाल वर्णक जो लाल शैवाल में पर्णहरित के साथ-साथ विद्यमान रहता है और उसको आच्छन्न किए रहता है।

phycomycetes **फाइकोमाइसिटीज**

निम्न श्रेणी के कवकों का एक पुराना, बृहद् वर्ग जिनके कवक-तंतु पटहीन (नॉनसेप्टेट) एवं बहुकेन्द्रिक होते हैं। इस वर्ग को दो उपवर्गों – जाइगोमाइसिटीज और ऊमाइसिटीज में बांटा गया है।

Phyllanthus emblica **आँवला**

फाइलैथस एम्बलिका की एक जाति जिसका प्रचलित नाम आँवला है।

Phyllanthus niruri **फाइलैथस निरूराई**

फाइलैथस की एक जाति जिसे सामान्य भाषा में भूई आँवला कहते हैं।

phylloclade **पर्णाभ स्तंभ**

एक चपटा तना जो आकार और कार्य की दृष्टि से पत्ती के समान होता है जैसे नागफनी।

phyllode **पर्णाभ वृंत**

एक चपटा पर्णवृंत जो आकार और कार्य की दृष्टि से पत्ती के समान होता है जैसे ऑस्ट्रेलियन अकेसिया में।

phylogeny **जातिवृत्त**

किसी जाति अथवा वंश का परिवर्धनात्मक तथा विकासवादी इतिहास।

phylum **संघ**

जीव-जगत के एक ही भांति के जीवों का मुख्य तथा विशाल समूह। पादप वर्गीकरण में इसके बदले प्रभाग का प्रयोग करते हैं जैसे-थैलोफाइटा, ब्रायोफाइटा।

physiological drought **शरीर-क्रियात्मक जलाभाव**

पानी होते हुए भी पौधे द्वारा उसको ग्रहण न कर पाना।

physiological races **क्रियात्मक प्रभेद**

जातियों में समजीवी प्ररूपो अथवा समजीवी प्ररूपों के वर्गों का परपोषी पादपों की कुछ विभेदी किस्मों की रोगजनकता की स्थिति में न्यूनाधिक संगत आवरण।

physiology **शरीर–क्रिया विज्ञान**

जीव विज्ञान की वह शाखा, जिसमें जीव एवं उसके अंगों की क्रियाओं का अध्ययन किया जाता है।

pigeonpea **अरहर**

1. लेग्यूमिनोसी कुल पैपिलिओनेटी उपकुल के कैजेनस इन्डिकस (कैजेनस कैजॉन) का सामान्य नाम।

2. इस पौधे का बीज।

pigment **वर्णक**

रासायनिक पदार्थ जो जीव अथवा जीव के अंगों को रंग विशेष देता है।

pileus **छत्र**

छत्रक (मशरूम) में ऊपर की टोपी–सा गोल भाग जिसमें बेसीडियम तथा बेसीडियो–बीजाणु उतपन्न होते हैं।

piliferous layer **रोमधर स्तर**

जड़ की बाहरी परत, जिसमें से मूलरोम निकलते हैं। यह परत वल्कुट की बाहरी परत से निर्मित होती है।

pine **चीड़**

कोनीफेरेलीज के वंश पाइनस का सामान्य नाम। इस वृक्ष की लकड़ी से फर्नीचर एवं तारपीन का तेल प्राप्त करते हैं।

pinna **पिच्छक**

पिच्छाकार पत्ती (पिनेट लीफ) का एक पत्रक।

pinnate leaf **पिच्छकार पत्ती**

संयुक्त पत्ती, जिसमें एक वृंत होता है और दोनों ओर छोटे–छोटे पत्रक निकले होते हैं।

pinnatifid **दीर्घ पिच्छकार**

एकशिरी पत्ती जिसका फलक आधी दूरी से कम कटा हुआ हो।

pinnatipartite **दीर्णतर पिच्छाकार**

एकशिरी पत्ती जसका फलक आधी दूरी से अधिक कटा आ हो जैसे– सरसो, मूली आदि मे।

pinnatisect **दीर्घतम पिच्छकार**

एकशिरी पत्ती जिसका फलक लगभग पूरा कटा हो।

pinnule **पिच्छिका**

द्विपिच्छकी पत्ती (बाइपिन्नेट लीफ) का एक पत्रक।

pinocytosis **कोशिका–पायन**

कोशिका द्वारा चारों तरफ के द्रव को पी जाना या द्रव की छोटी–छोटी बूंदों का अवशोषण द्वारा कोशिका के अंदर पहुच जाना।

Pinus **पाइनस**

पाइनेसी कुल के शंकुधारी वृक्षों का एक वृहत् एवं प्रमुख वंश। इन वृक्षों की प्राथमिक पत्तियां शल्क सदृश तथा गौण पत्तियां सूच्याकार होती हैं। गौण पत्तियों की संख्या के आधार पर ही इस वंश का वर्गीगरण किया जाता है। शंकुओं के काष्ठीय शल्कों मे पंखयुक्त बीज संलग्न रहते हैं।

piper betle (betel) **पान**

पाइपर वंश की जाति का सामान्य नाम।

pistil **स्त्रीकेसर**

फूल का मादा अंग। स्त्रीकेसर के तीन भाग होते हैं : अंडाशय, वर्तिका तथा वर्तिकाग्र। अंडपों की संख्या एक से अनेक तक हो सकती है। अंडाशय की भित्ति से बाद मे फल बनता है।

pistillate **स्त्रीकेसरी**

एकलिंगी पुष्प जिसमें स्त्रीकेसर तो हो परन्तु पुंकेसर नहीं।

pistillode **वंध्य स्त्रीकेसर**

अपूर्ण परिवर्धित स्त्रीकेसर (पिस्टिल)।

Pisum sativum **पाइसम सेटाइवम**

पाइसम की एक जाति, जिसे सामान्य भाषा में मटर कहते हैं।

pit **गर्त**

कोशिका-भित्ति, दारू आदि में स्थित छोटे-छोटे गड्ढे।

pitcher plant **घटपर्णी**

कीटाहारी पादप विशेष, जिसकी पत्तियां आंशिक या पूर्णरूप से घड़े का आकार ग्रहण कर लेती है। इनमें से कुछ अम्लीय स्राव और कुछ प्रोटिओलिटिक एन्जाइम द्वारा कीड़ों का पाचन करते हैं जैसे- नेपैन्थिस।

pith

तने या जड़ का केंद्रीय स्पंजी मृदूतक।

Pithecolobium dulce **पिथेकॉलोबियम डल्से**

पिथेकॉलोबियम की एक जाति जिसका सामान्य नाम इंगा डोलची (जंगल जलेबी) है।

placenta **बीजांडासन**

अंडप भित्ति का उभरा-सा मांसल भाग जिस पर बीजांड लगे रहते हैं।

placentation **बीजांडन्यास**

अंडप-भित्ति पर बीजांडों के क्रम से लगे रहने का विन्यास।

plasma membrane **जीवद्रव्यकला,प्लैज्माझिल्ली**

जीवद्रव्य को सीमाबद्ध रखने वाली अति सूक्ष्म बाह्य झिल्ली।

plasmolysis **जीवद्रव्यकुंचन**

कोशिकाद्रव्य का संकुचन जो बहिःपरासरण से होने वाली जल की कमी के फलस्वरूप होता है।

plastid **लवक, प्लैस्टिड**

पादप कोशिका में विद्यमान जीवद्रव्य के विशिष्ट पिंड जो बहुधा प्रकाश संश्लेषण, आदि अनेक जैव क्रियाओं के केंद्र होते हैं।

plerome **रंभजन**

अग्रकस्थ विभज्योतक (एपिकल मेरस्टिेम) का भीतरी भाग जिससे रंभ का परिवर्धन होता है।

pleurococcus **प्लूरोकोकस**

प्लूरोकोकेसी कुल के एककोशिकीय शैवालों का वंश विशेष। ये शैवाल वृक्ष के तनों, नम चट्टानों तथा गमलों के ऊपर एक हरी तह के रूप में उग जाते हैं।

plicate **पलित**

न्यूनतम स्थान घेरने के निमित्त अनुदैर्ध्य चुन्नटों के होने से तहदार जैसे (1) ताड़ की पत्ती (2) एक प्रकार का किसलयविन्यास अथवा पृष्पदलविन्यास।

ploidy **सूत्रगुणता**

कोशिका में उपस्थित गुणसूत्र प्रतियों की संख्या।

plumule **प्रांकुर**

अंकुरित बीज के ऊपर की ओर परिवर्धित होने वाला भाग जो प्ररोह बनता है।

pneumatophore/breathing root **श्वसन-मूल**

दलदली पौधो की गौण जड़े जो श्वसन क्रिया में सहायता करने के लिए कीचड़ या पानी से बहर निकल जाती हैं। इनमें बड़े-बड़े अंतराकोशिकीय अवकाश और अनेक वातरन्ध्र (लेन्टिसेल) होते हैं।

Poinciana regia (Delonix regia) **पोइंसिआना रीजिआ**

पोइंसिआना की एक जाति जिसे सामान्य भाषा में गुलमुहर कहते हैं। यह घरों व बगीचों की सजावट के लिए उपयोगी है।

Poinsetia **पनसटिया**

यूफोर्बिया पल्चेरिमा का पर्याय व सामान्य नाम।

pollen **पराग**

परागकोश (एन्थर) में उत्पन्न होने वाले लघुबीजाणुओं का समुच्चय।

pollen chamber **पराग-कोष्ठ**

बीजांड की शीर्षस्थ छोटी-सी गुहिका, जिसमें परागकण अंकुरित होते हैं।

pollen grain **पराग-कण**

पराग के सूक्ष्म कण जो वास्तव में लघुबीजाणु (माइक्रोस्पोर) हैं।

pollen sac **पराग-पुट**

लघुबीजाणुधानी जिसमें परागकण उत्पन्न होते हैं।

pollen tube **परागनलिका**

वर्तिकाग्र पर गिरे हुए पराग कण के अंकुरण से बनने वाली नलिका जो अंडाशय तक पहुंचती है। यह नलिका नर युग्मक का वहन करती है।

pollination **परागण**

परागकणों के वर्तिकाग्र पर स्थानान्तरण की प्रक्रिया।

pollinium **परागपिंड**

एक परागकोश (ऐन्थर लोब) के परागकणों का पिंड, जो एक साथ स्थानांतरित होता है जैसे– कैलोट्रापिस में।

polyadelphous **बहुसंघी**

पुंकेसरों के पुतंतुओं के जुड़ जाने से, जो अनेक समूहों में हो जैसे– नींबू में।

polyandrous **पृथक पुंकेसरी**

असंयुक्त पुंकेसर वाला।

polyandry **पृथक पुंकेसरता**

पुंकेसरों के असंयुक्त होने की अवस्था।

polycarpellary **बहुअंडपी**

अनेक स्त्रीकेसर वाला, जैसे गुलाब, चंपा, भिंडी आदि का फूल।

polychasium **बहुशाखी**

एक प्रकार का ससीमाक्ष पुष्पक्रम, जिसमें क्रमशः प्रत्येक अक्ष की एक फूल में परिणति के अनंतर कुछ नीचे से तीन या अधिक पार्श्वीय अक्ष (शाखाएं) निकलते हैं।

polyembryony **बहुभ्रूणता**

एक बीजांड में एक से अधिक भ्रूण बनने की अवस्था।

polypetalae **पौलीपेटैली**

द्विबीजपत्री पौधों का एक समुदाय जिसमें दलपुंज की पंखुड़ियां अलग–अलग होती हैं।

polyphyllous **पृथक परिदलीय**

(फूल के संबंध में प्रयुक्त) बिना जुड़े हुए परिदलों वाला फूल जैसे– प्याज, लिली में।

polyploid **बहुगुणित**

वह जीव जिसमें गुणसूत्रों के दो से अधिक पूर्ण समुच्चय पाये जाते हैं।

polysome **पॉलिसोम**

दो या दो से अधिक राइबोसोमों का संकुल जो दूत–आर. एन. ए. अणु से संबद्ध होता है तथा बहुपेप्टाइड संश्लेषण में सक्रियता के साथ संलिप्त रहता है।

pome **सेबी, पोम**

अधःस्थित युक्तांडपी जायांग (इन्फीरियर ओवरी) से परिवर्धित साधारण, मांसल फल जिसका बाह्य भाग जायांग के अतिरिक्त अन्य पुष्पांगों के परिवर्धन से बनता है जैसे– सेब, नाशपाती।

pomegranate **अनार**

लाइथ्रेसी कुल के प्यूनिका ग्रैनेटम का सामान्य नाम। इसका फल बेरी या बलुस्टा कहलाता है।

population **समष्टि, जीवसंख्या**

किसी विशिष्ट भौगोलिक क्षेत्र में रहने वाले एक ही जाति के व्यष्टियों (सदस्यों) का समूह या संख्या।

positively geotropic **अभि–गुरूत्वानुवर्ती**

गुरूत्वाकर्षण के फलस्वरूप भूमि की ओर बढ़ने वाला जैसे पौधे की जड़।

positively heliotropic **अभि–सूर्यानुवर्ती**

सूर्य की ओर बढ़ने या मुड़ने वाला जैसे सूरजमुखी का फूल।

positively hydrotropic **अभि–जलानुवर्ती**

जल या नमी की ओर बढ़ने या मुड़ने वाला जैसे पौधे की जड़।

posterior **पश्च**

अक्ष की ओर स्थित जैसे मटर पुष्प में ध्वज (स्टैन्डर्ड)।

potato **आलू**

सोलैनेसी कुल के सोलेनम ट्यूबरोसम का सामान्य नाम। इसका भोजन–संग्रही भूमिगत तना कंद (टयूबर) कहलाता है। आलू में प्रायः 10 प्रतिशत मंड, 78 प्रशित जल और 2.2 प्रतिशत प्रोटीन होता है।

Pothos **पोथौस**

ऐरेसी कुल का एक आरोही वंश। तने से निकलने वाली अपस्थानिक जड़ों की सहायता से यह पौधा आरोहण करता है।

potometer **वाष्पोत्सर्जनमापी, पोटोमीटर**

यंत्र विशेष जिसके द्वारा पौधों का वाष्पोत्सर्जन (ट्रांसपिरेशन) मापा जाता है।

Pre-Cambrian **कैम्ब्रियन पूर्व**

पृथ्वी के ऐतिहासिक कालक्रम में प्राग्जैविक (ऐजोइक) महाकल्प के बाद और पुराजीवी (पैलियोजोइक) महाकल्प से पहले 150 करोड़ वर्ष की अवधि। जीवों का इतिहास यहीं से शुरू होता है।

prefoliation **प्राक्पत्रविन्यास**

कलिका में पत्तियों के क्रम से लगे रहने का विन्यास।

primary **प्राथमिक**

(अंग के संबंध में) जिसकी वृद्धि अथवा परिवर्धन पहले हुआ हो।

primary axis **प्राथमिक अक्ष**

पौधे अथवा उसके किसी अंग का प्रधान अक्ष, जिस पर गौण अंग लगे रहते हैं जैसे– पौधे का तना, पुष्पक्रम का मुख्य डंठल।

primary root **प्राथमिक मूल**

अंकुरित बीज से निकल कर भूमि की ओर जाने वाली पौधे की प्रधान जड़, जिससे गौण जड़ें निकलती है।

primitive **आदि, आद्य**

ऐसे जीवधारियों या संरचनाओं के लिए प्रयुक्त जो उद्भव में प्रथम हों या फिर अपने विकास-क्रम की प्रारम्भिक अवस्था में हों।

primordial utricle **कोशिकाद्भूति**

पूर्ण परिवर्धित रिक्तिका वाली कोशिकाओं में कोशिकाद्रव्य का बाह्यतम स्तर, उसकी अंतर्वस्तुएं तथा रसधानी।

procambial strand **प्राक्एधा डोर**

प्राक्एधा (प्रोकेम्बियम) की लंबी कोशिकाओं का समूह।

procambium **प्राक्एधा**

वह विभाज्योतक (मेरिस्टेम), जिससे प्राथमिक संवहन ऊतक का परिवर्धन होता है।

process **प्रवर्ध**

बाहर की ओर निकला हुआ भाग।

progeny **संतति**

लैंगिक, अलैंगिक अथवा वनस्पतिगत जनन से उत्पन्न संतति।

promeristem **विभज्योतक**

भ्रूणीय विभज्योतक, जिससे प्राथमिक विभज्योतक बनता है।

promycelium **प्राक्कवकतंतु**

कवक बीजाणुओं के अंकुरण के फलस्वरूप निकलता हुआ छोटा-सा कवकतंतु (हाइफा) जिसपर अन्य प्रकार के बीजाणु उत्पन्न होते हैं;जैसे- किट्ट कवकों के टेल्यूटोबीजाणु से निकलने वाला कवक-तंतु जिस पर बैसिडियोबीजाणु लगे रहते हैं।

prophage **प्राग्विभोजी**

लयजनक जीवणु में स्थित विभोजी डी. एन. ए. का रूप जो सामान्यतया जीवाणुगत गुणसूत्र में समन्वित रहता है, किंतु प्लैजिमड रूपों में भी रह सकता है।

prophase **पूर्वावस्था, प्रोफेज**

कोशिका विभाजन की प्रारंभिक अवस्था जिसमें गुणसूत्र (क्रोमोसोम) सुस्पष्ट हो जाते हैं।

prosenchyma **दीर्घऊतक**

लंबी तथा नोकीली कोशिकाओं का बना कोमल ऊतक।

prostrate **शयान**

ऊपर को न उठकर भूमि पर ही फैलने वाला जैसे घास का तना।

protandrous **पुंपूर्वी**

पुष्प जिसमें जायांग की अपेक्षा पुमंग पहले परिपक्व हो जाता है।

protandry **पुंपूर्वता**

पुष्प में जायांग की अपेक्षा पुमंग के पहले परिपक्व हो जाने की अवस्था।

protective tissue **रक्षण ऊतक**

अंग विशेष का रक्षार्थ ऊतक।

protein **प्रोटीन**

अमीनो अम्लों से बना जटिल नाइट्रोजनीय जीव पदार्थ। यह जीवों के पोषण का एक मुख्य पदार्थ है।

protein synthesis **प्रोटीन संश्लेषण**

जीवाणुओं तथा जैव पदार्थों द्वारा वायुमंडल की नाइट्रोजन और मिट्टी में विद्यमान नाइट्रेटों से जटिल प्रोटीन–यौगिकों का निर्माण।

prothallus **प्रोथेलस**

पर्णांग आदि पौधों का युग्मकोद्भिद (गैमिटोफाइट), जिसपर जनन अंग होते हैं।

Protococcus **प्रोटोकोकस**

प्लूरीकोकस का पर्याय। यह नाम क्लोरोकोकस की कुछ जातियों के लिए भी प्रयुक्त होता है।

protogyny **स्त्रीपूर्वता**

पुष्प में पुमंग की अपेक्षा जायांग के पहले परिपक्व हो जाने की अवस्था।

protonema **प्रथम तंतु**

मॉस–बीजाणु के अंकुरण से बना हुआ युग्मकोद्भिद (गैमीटोफाइट) का आरंभिक रूप जो शैवाल के एक तंतुमय थैलस सा होता है।

protoplasm **जीवद्रव्य, प्रोटोप्लाज्म**

कोशिका में वर्तमान जीवित पदार्थ जो जीवन एवं समस्त जैव क्रियाओं का कारण है। इसमें केंद्रक भी शामिल होता है।

protoplast **जीवद्रव्यक, प्रोटोप्लास्ट**

जीवद्रव्य की संरचनात्मक इकाई जिसमें केंद्रक, कोशिकाद्रव्य और जीवद्रव्य झिल्लिका भी शामिल होते हैं।

protoxylem **आदिदारू**

सबसे पहले बना हुआ दारू। इसकी कोशिकाएं अपेक्षाकृत संकरी होती है।

provirus **प्राग्वाइरस, प्राग्विषाणु**

सुकेंद्रक गुणसूत्र में स्थित डी. एन. ए. अनुक्रम का द्विक जो आर . एन. ए. पश्चविषाणु के संजीन के अनुरूप होता है।

pseudogamy **आभासी युग्मन**

नर युग्मक द्वारा उद्दीप्त अंड का अनिषेकजनीय विकास।

pseudoparenchyma **आभासी–मृदूतक**

कवकतंतुओं की एक प्रकार की जालिका, जो मृदुतक जैसी दिखाई देती है।

Psilophytales **साइलोफाइटेलीज**

पैलिओजोइक युग के संवहन–तंत्र वाले प्राचीन स्थलज पादप। पादपों का गण जैसे– साइलोफाइटोन।

Psilotales **साइलोटेलीज**

टेरिडोफाइटा का एक गण, जिसके पादप पर्णांगों के निकट संबंधी हैं जैसे– साइलोटम।

Pteridophyta **टेरिडोफाइटा**

अपुष्पी–पादपो (क्रिप्टोगमस) का एक समुदाय जिसके अंतर्गत पर्णांग (फर्न) और उनके निकट संबंधी है। अपुष्पीपादपों में ये अधिक विकसित होते हैं और इनके शरीर में जड़, तने व पत्तियों का भेद किया जा सकता है। इसीलिए इन्हें संवहन–क्रिप्टोगम (वैस्क्यूलर क्रिप्टोगम्स) कहते हैं। इनकी प्रमुख पीढ़ी बीजाणुजनक पीढ़ी होती हे जैसे– पर्णांग (फर्न), लाइकोपोडियम।

pubescent **रोमिल**

मुलायम बारीक रोमों से ढका हुआ।

pulvinus **पर्णवृंततल्प**

पर्णवृंत या पत्रकवृंत के आधार के पास उसका फूला हुआ भाग। यह छुईमुइ (माईमोसा प्युडिका) आदि कुछ पौधों की पत्तियों की गति का संचालन करता है।

pure **शुद्ध**

अनुवंशिक दृष्टि से शुद्ध, अर्थात जो वर्णसंकर न हो।

pure line **शुद्ध वंशक्रम**

वह वंशक्रम, जो अनुवंशिक दृष्टि से शुद्ध हो।

purine **प्यूरिन**

न्यूक्लीक अम्लों में विद्यमान नाइट्रोजनी क्षारक जैसे- ऐडेनीन और ग्वानीन।

pyrenoid **पाइरेनॉइड**

कुछ शैवालों आदि के हरितलवकों में पाए जाने वाले छोटे-छोटे वर्णहीन गोल पिंड जिनका कार्बोहाइड्रेट के निर्माण में विशेष योग होता है।

pyrimidine **पिरिमिडीन**

न्यूक्लीक अम्लों में विद्यमान नाइट्रोजनी क्षारक जैसे साइटोसीन, थायमीन अथवा यूरेसिल।

pyxidium **पिक्सीडियम**

एक प्रकार का स्फुटनशील फल, जिसके अनुप्रस्थ फटने के उपरांत ऊपर का भाग ढक्कन सा खुल जाता है जैसे-प्लैन्टैगो।

"Q"

quantasome **क्वानटोसोम**

थायलेकॉईड झिल्लिका में स्थित लघुतम प्रकाश संश्लेषण इकाई जिसमे पर्णहरित अणु होते हैं और जो प्रकाश रसायनिक अभिक्रियाओं को करने में समर्थ है।

quarantine **संगरोध, क्वारंटाइन**

रोगकारी तथा नाशक जीवों के वाहक प्राणियों, पौधों तथा अन्य संदेहास्पद वस्तुओं के परिवहन पर लगाया जाने वाला प्रतिबंध या उन्हें पृथक रखने की व्यवस्था।

"R"

racemose infloresence **असीमाक्षी पुष्पक्रम**

वह पुष्पक्रम जिसमें एक मुख्य अक्ष होता है जो बढ़ता जाता है और क्रमशः पार्श्विक फूल अग्राभिसारी (एक्रोपीटल) क्रम से निकलते रहते हैं। इस प्रकार ऊपर की ओर बाद में बनने वाले फूल अपेक्षाकृत छोटे होते हैं।

races **प्रजाति**

जाति के उपविभाजन जो पहचान में एक दूसरे से स्पष्टया भिन्न होते हैं।

rachis **पिच्छाक्ष, रैकिस**

किसी संयुक्त पत्ती अथवा पर्णागपत्र (फ्रौंड) का अक्ष।

radial vascular bundle **त्रिज्य संवहन पूल**

वह संवहनपूल, जिसमें दारू और फ्लोएम केंद्र से समान दूरी पर विभिन्न त्रिज्याओं पर एकांतर क्रम से स्थित हों। यह जड़ों में पाया जाता है।

radial symmetry **त्रिज्या सममिति**

एक प्रकार की पुष्प सममिति, जिसमें सभी अवयव केंद्र के चारों ओर नियमित रूप के समान दूरियों पर अवस्थित होते हैं अर्थात जिसमें केंद्र से गुजरने वाले किसी भी अनुदैर्ध्य काट पर पुष्प समान अर्ध भागों में बांटा जा सकता है जैस–गुलाब के फूल की सममिति।

radiobiology **विकिरण–जैविकी**

जीवधारियों तथा जीवित कोशिकाओं पर विकिरण (रेडियोएक्टीविटी) के प्रभावों के अध्ययन से संबंधित जीवविज्ञान की शाखा।

radish **मूली**

क्रूसीफेरी कुल के रैफेनस सैटाइवस का सामान्य नाम। इसकी तर्कुरूप (फ्यूजीफॉर्म) जड़ खाई जाती है।

ramentum **तनुशल्क, रैमेंटम**

पर्णांग आदि की नव शाखाओं तथा पर्णों के ऊपर लगे हुए भूरे, पतले शल्कों अथवा रोमों का समूह।

random genetic drift **यादृच्छिक आनुवंशिक विचलन**

सीमित समष्टि आकार के परिणामस्वरूप युग्मविकल्पियों की बारंबारता में घटत-बढ़त।

Raphanus sativus **रैफैनस सैटाइवस**

रैफैनस की एक जाति जिसका सामान्य नाम मूली है।

raphe **रैफी**

प्रतीप बीजांड की वह उभरी हुई रेखा जो बीजांडकाय (न्यूसेलस) के आधार को बीजांडासन से मिलाती है।

raphide **रैफाइर्ड**

कैल्शियम ऑक्सिलेट के सूचिकाकार रवे जो कुछ पौधों की कोशिकाओं में पाये जाते हैं जैसे पौथौस में।

ray floret **रश्मि-पुष्पक**

मुंडक पुष्पक्रम (कैपिटुलम) के बिम्ब की परिधि से निकले हुए पतले-चपटे (स्ट्रैप जैसे) पुष्प।

reaction **प्रतिक्रिया**

किसी उद्दीपक के प्रति होने वाली जीव की चेष्टा।

receptacle **धानी, पात्र**

जनन अंगों आदि को धारण करने वाला विशेष अंग जैसे :

1. पुष्पी पादपों में पुष्पासन;

2. पर्णांग आदि अपुष्पी पादपों में बीजाणुधानियों के समूह को धारण करने वाली शाखा;

3. कवकों की विभिन्न प्रकार की बीजाणुधारी संरचनाएं।

recessive **अप्रभावी**

एक युग्म विकल्पी या संगतलक्षण प्ररूपी विशेषक जो केवल समयुग्मजों में व्यक्त होता है।

recombination **पुनर्योजन**

अयुग्मविकल्पियों के स्वतंत्र अपव्यूहन अथवा श्रृंखलित जीनों के बीच विनिमय के परिणामस्वरूप जीनों के नए संयोजन का उत्पन्न होना।

red algae **लाल शैवाल, लोहित शैवाल**

वे शैवाल जिनमें हरे वर्णक (क्लोरोफिल) के अतिरिक्त लाल वर्णक (फाइकोएरिथ्रिन) भी वर्तमान रहता है और पर्णहरित (क्लोरोफिल) को आच्छन्न किए रहता है।

reduction division **न्यूनकारी विभाजन**

वह केंद्रक-विभाजन जिसमें नवनिर्मित केंद्रक में गूणसूत्रों की संख्या आधी रह जाती है।

regeneration **पुनर्जनन**

किसी जीव द्वारा अपने नष्ट अथवा चोटग्रस्त ऊतकों तथा अंगों का पुनर्निर्माण।

regma **रेग्मा**

वह भिदुरफल (शाइजोकार्प), जो कोकस नाम के एकबीजी स्फुटनशील भागों में टूट जाता है।

reproduction **जनन**

जीव से अपने समान नव जीव की उत्पत्ति। जनन मुख्यतः दो प्रकार का होता है।

1. लैंगिकजनन (सेक्शुअल रिप्रोडक्शन)
2. अलैंगिक जनन (एसेक्शुअल रिप्रोडक्शन)

लैंगिक जनन दो प्रकार के युग्मकों के मिलन से होता है। कुछ निम्न कोटि के पादपों में ऊपरी तौर से युग्मकों में लिंग भेद नहीं होता। अलैंगिक जनन दो प्रकार से हो सकता है :

1. कायिक 2. अलैंगिक बीजाणु द्वारा।

कायिक जनन पौधे के किसी साधारण अथवा रूपांतरित अंग के पृथककरण से और अलैंगिक बीजाणु–जनन बीजाणु के अंकुरण से संपन्न होता है।

reproductive organ **जननांग**

जनन क्रिया से संबंधित अंग, जैसे पुष्पी पादपों के पुंकेसर, स्त्रीकेसर आदि।

reserve material **संचित पदार्थ**

भोजन के स्वांगीकरण के उपरांत बने हुए विशेष रासायनिक पदार्थ, जो जीव के विभिन्न अंगों में संग्रहीत रहते हैं जैसे सागो पाम में साबूदाना।

reserve product **संचित उत्पाद**

उपापचय (मैटाबोलिज्म) के फलस्वरूप निर्मित और संचित होते रहने वाला पदार्थ; जैसे वाष्पनशील तेल (इथीरियल आयल)।

resin **राल, रेजिन**

रासायनिक पदार्थ विशेष, जो चीड़ आदि कुछ पौधों से निकलता है।

respiration **श्वसन**

वह अपचयी (केटाबौलिक) प्रक्रम जिससे जीव अपने शरीर के जैव पदार्थों के ऑक्सीकरण से ऊर्जा प्राप्त करता है।

respiratory cavity **श्वसन गुहिका**

रन्ध्र (स्टोमा) के ठीक नीचे स्थित अंतराकोशिकीय स्थान जिसमें हवा रहती है।

respiratory quotient **श्वसन गुणांक**

श्वसन क्रिया में निष्कासित कार्बन डाइआक्साइड का गृहीत ऑक्सीजन के साथ अनुपात।

respiroscope **श्वसनदर्शी**

पादप के श्वसन को दर्शाने वाला यंत्र विशेष।

resting spore **सुप्त बीजाणु**

प्रतिकूल समय को पार करने के लिए सुषुप्त अवस्था में रहने वाला प्रायः मोटी भित्ति का निष्क्रिय बीजाणु।

reticulate venation **आलिकीय शिराविन्यास**

वह शिराविन्यास, जिसमें फलक की मुख्य शिरा और उसकी उपशाखाएं मिलकर जाल सा बनाती हैं जैसे पीपल की पत्ती में। यह द्विबीजपत्री पौधों की विशेषता है।

reticulum **आलिका**

पतले अंगों की बनी हुई जाली जैसे पीपल की पत्ती का शिराविन्यास।

retuse **खांचाग्री**

पत्ती जिसके कुन्द अग्रक में खांच हो जैसे कचनार, पिस्टिया में।

rhizoid **मूलाभास**

पर्णांगों के थैलस, मॉस, लिवरवर्ट तथा कुछ अन्य थैलोफाइटा वर्ग के पौधों के जड़ जैसे पतले तंतु जिनके द्वारा पौधा जमीन को पकड़े रहता है तथा मिट्टी से पदार्थों का अवशोषण करता है।

rhizome **प्रकंद**

जड़ सा दीखने वाला, भूमिगत, क्षैतिज तना जो भोजन पदार्थ के संग्रह के कारण मोटा होता है।

rhodophyceae **रोडोफाइसी**

शैवालों का एक वर्ग, जिसके समुद्रवासी जीव लाल वर्णक वाले होते हैं। इनकी कोशिकाओं में फाइकोइरिथ्रिन नामक लाल या बैंगनी वर्णक और कभी-कभी नीला वर्णक (फाइकोसाएनिन) भी उपस्थित होता है जैसे बैट्रैकोस्पर्मम, पॉलीसाइफोनिया

rhodoplast **रोडोप्लास्ट**

फाइकोइरिथ्रिन प्रधान लवक जो लाल-शैवाल में मिलते हैं।

ribosome **रायबोसोम**

आर. एन. ए. तथा प्रोटीन से बना कोशिकांग जो दूत-आर. एन. ए. से मिलकर प्रोटीन संश्लेषण को उत्प्रेरित करता है।

Ricinus communis(castor) **एरंड**

यूफोर्बिएसी कुल के पादप रिसिनस कम्यूनिस का सामान्य नाम। इसके बीजों से तेल निकलता है जो रंजक तथा स्नेहक होता है।

ridge **कटक**

पादप अंगों में उभरी हुई रेखा सा भाग।

ringent **मुंह खुला**

द्विओष्ठी दलपुंज जो पशु के चौड़े खुले मुंह की सी आकृति वाला जैसे -तुलसी का फूल।

ringing **वलयन**

रसारोहण परीक्षण के लिए किया जाने वाला एक क्रियात्मक प्रयोग जिसमें दारू को सुरक्षित रखते हुए किसी शाखा का बाह्य छाल चारों ओर से वलय रूप मे छीलकर उतार दिया जाता है।

root **मूल**

मुख्यतः मूलांकुर से परिवर्धित, जमीन के अंदर की ओर अर्थात् तने की विपरीत दिशा में बढ़ने वाला पौधे का पत्र-पुष्प विहीन भाग जो जल तथा खाद्य पदार्थों का अवशोषण करता है तथा पौधे को भूमि में स्थिर रखता है।

root cap **मूल गोप**

कोशिकाओं की टोपी जो मूलाग्र को ढके रहती है, जिसमें भूमि में प्रवेश करते समय मूलाग्र की सक्रिय कोशिकाओं को क्षति नहीं पहुंचती।

root climber **मूल रोहिणी**

लता जो अपस्थानिक मूलों के द्वारा आरोहण करती है जैसे पोथौस।

root hair **मूल रोम**

कोमल जड़ों की बाहरी कोशिकाओं के पतले नलिकाकार उद्वर्ध जो मिट्टी से पानी तथा लवणों का अवशोषण करते हैं।

root pressure **मूलीय दाब**

मूल के वल्कुट (कॉर्टेक्स) की कोशिका में उद्भूत वह दाब, जिसके कारण रस (सैप) जड़ की जीवित कोशिकाओं से दारू में प्रवेष करके तने में ऊपर चढ़ता है।

root tuber **मूल कद**

अनिश्चित आकार की फूली हुई जड़ जिसमें भोजन द्रव्य संचित होता है जैसे डेलिया, डायेस्कोरिया।

root tubercle **मूल गुलिका**

मटर कुल के पौधों की जड़ों पर उत्पन्न छोटी-छोटी गांठें जो सहजीवी जीवाणुओं की उपस्थिति से बन जाती हैं। यह नाइट्रोजन स्थिरीकरण के केंद्र हैं।

rootlet **मूलिका**

प्रधान जड़ से निकलने वाली छोटी पार्श्विक शाखा।

rosette **रोजेट**

पत्तियों का गुच्छा विशेषकर एक छोटे से पर्व से लगभग एक ही स्थान पर निकली हुई पत्तियों का समूह।

rotate **चक्राकार, पहियारूपी**

पहिये की आकृति जैसा गोल और चपटा जैसे सदाबहार का दलपुंज।

rotation of crop **सस्यावर्तन**

उर्वरता बनाए रखने और रोग निवारण के उद्देश्य से भूमि में प्रतिवर्ष एक ही फसल न बोकर विभिन्न उपयुक्त फसलों को बोने का क्रम। जैसे गेहूं वाले खेत में फलियों की फसल का बोना जिससे भूमि में क्षीण हुए नाइट्रोजन आदि उर्वरक की मात्रा पुनः बढ़ जाए।

rotund **गोल**

वर्तुल या कुछ-कुछ मंडलाकार जैसे - नैस्टर्शियम की पत्ती।

runcinate leaf **पश्चदंती पत्ती**

वह पत्ती, जिसका अग्रस्थ खंड चौड़ा और नोकीला तथा नीचे का खंड पीछे की ओर मुड़ा हुआ हो।

runner **उपरिभूस्तारी**

भूमि के ऊपर चारों ओर फैलने वाला प्ररोह जिसकी पर्वसंधियों से नीचे की ओर अपस्थानिक मूल तथा ऊपर की ओर वायवीय शाखाएं निकली रहती हैं जैसे- दूब।

"S"

saccate **सपुट**

थैले की आकृति का जैसे एन्टीराइनम (कुत्ताफूल) का दलपुंच।

Saccharum officinarum **सैकेरम औफीसिनरम, गन्ना**

सैकैरम की एक जाति जिसे सामान्य भाषा में गन्ना कहते हैं।

Saccharomyces **सैकैरोमाइसीज**

ऐस्कोमाइसिटीज का वंश विशेष। इन्हें सामान्यतः खमीर (यीस्ट) कहते हैं। इनमें प्रजनन वर्धी (वेजीटेटिव) रीतियों आदि द्वारा होता है और कभी-कभी एस्कस भी उत्पन्न होते हैं।

sacred basil (basil) **तुलसी**

लैबिएटी कुल के औसिमम सेक्टम का सामान्य नाम।

safranin **सैफ्रेनिन**

एक विशेष अभिरंजक जो दारू आदि लिग्निन वाले ऊतकों के अभिरंजन (स्टेनिंग) के काम आता है।

sagittate **बाणाकार**

पत्ती जिसके फलक की आकृति बाण के फण की-सी हो अर्थात जिसके त्रिकोण से फलक के निचले कोने लंबे होकर तने की ओर बढ़ गए हों जैसे सैजिटेरिया की पत्ती।

sago palms **सागू ताड़**

पामी कुल के पौधे, जिनसे साबूदाना प्राप्त होता है जैसे मैट्रोजाइलौन, एरेंगो, कैरिओटा, आदि।

Salvia aegyptiaca **सैल्विया इजीप्टिआका**

सैल्विया की एक जाति।

samara **समारा**

साधारण, शुष्क, अस्फुटनशील, प्रायः एक-बीजी फल जिसमें फलभित्ति बढ़कर परों की-सी आकृति की हो जाती है जैसे मैपल, एस, एल्म आदि के फल।

sand culture **बालुकी सवर्धन**

शुद्ध रेत में लवण घोलों को विभिन्न अनुपात में डालकर पौधों को उगाने की क्रिया।

Santalum album (sandal wood) **सैंटेलम एल्बम, चंदन**

सैंटेलम की एक जाति, जिसे सामान्य भाषा में चंदन कहते हैं। इसकी लकड़ी अति सुरभिमय होती है।

sap **रस**

पौधों में वर्तमान द्रव पदार्थ विशेषतः जलीय घोल, जो पौधों की दारू आदि वाहिकाओं में संचारित होता रहता है।

saprophyte **मृतजीवी**

वह पौधा जो अजीवित जैव पदार्थों से अपना पोषण प्राप्त करता है जैसे छत्रक (मशरूम)।

sapwood **रसदारू**

दारू का बाहरी भाग जिसके द्वारा पानी तथा विलयित पदार्थों का संचार होता है। यह भीतरी भाग की अपेक्षा नया और हल्के रंग का होता है।

scalariform conjugation **सीढ़ीनुमा संयुग्मन**

स्पाइरोगाइरा आदि शैवालों में एक प्रकार का संयुग्मन, जिसमें दो पाशर्ववर्ती शैवाल तंतुओं की पास-पास स्थित कोशिकाओं के बीच एक संयुग्मन नली बन जाती है और दोनो शैवालतंतु और नली मिलकर सीढ़ी जैसे दिखाई देते हैं।

scale **शल्क**

1. प्रायः हरे के अतिरिक्त किसी अन्य रंग की मांसल, झिल्लीदार अथवा कठोर संरचना जैसे प्याज के छिलके।

2. नवोत्पन्न कोमल कलिकाओं का संरक्षण करने वाली पत्तीनुमा संरचनाए।

scale leaf **शल्क पत्र**

आकृति में सामान्य हरी पत्ती सदृश परंतु पर्णहरित-हीन संरचना, जिसका कार्य भोजन संग्रहण, नव कलिका की रक्षा आदि होता है। यह अधिकतर भूमिगत तनों में पाई जाती है। जैसे प्याज।

schizocarp **भिदुर**

साधारण, शुष्क, बहुबीजी फल, जो युक्तांडपी अंडाशय से बनता है। परिपक्व होने पर इसके सामान्यतः अस्फुटनशील एकबीजी भाग-फलांशक (मेरिकार्प) अलग-अलग हो जाते हैं।

schizogenous cavity **वियुक्तिजात गुहिका**

वह गुहिका, जो संलग्न कोशिकाओं की भित्तियों के अलग-अलग हो जाने से बन जाते हैं।

schizomycetes **शाइजोमाइसिटीज**

कवकों (फंजाइ) का एक पादप समूह, जिसके अंतर्गत जीवाणु (बैक्टीरिया) आते हैं।

sclerenchyma **दृढ़ ऊतक**

मोटी भित्ति की प्रायः लिग्निन वाली कठोर कोशिकाओं की संहति जिसका मुख्य कार्य कोमल ऊतकों की खिचाव, मोड़, दाब आदि से हो सकने वाली हानि से रक्षा करना होता है।

scutellum **स्क्यूटेलम**

घास कुल के बीजों में रूपांतरित बीजपत्र, जो अवशोषण का कार्य करता है। भ्रूणपोष (एन्डोस्पर्म) में संचित खाद्य पदार्थ इसमें से होकर वर्धमान भ्रूण के पोषण के लिए जाते हैं।

secondary growth **द्वितीयक वृद्धि**

प्राथमिक वृद्धि के पश्चात होने वाली वृद्धि–मुख्यतः एधा (कैम्बियम) की क्रियाशीलता से दारू तथा फ्लोएम का बनना, जिससे तने का व्यास बढ़ता है।

secondary phloem **द्वितीयक फ्लोएम**

प्राथमिक फ्लोएम के बन चुकने के पश्चात एधा (कैम्बियम) की क्रियाशीलता से बनने वाला फ्लोएम।

secondary root **द्वितीयक मूल**

प्राथमिक मूल से निकलने वाली छोटी जड़।

secondary xylem **द्वितीयक दारू**

प्राथमिक दारू (जाइलम) के बन चुकने के पश्चात एधा (कैम्बियम) की क्रियाशीलता से बनने वाला दारू (जाइलम)।

seed **बीज**

बीजांड के निषेचन के फलस्वरूप भ्रूण, उसके आवरण तथा प्रायः भ्रूणपोष की बनी संरचना जो अंकुरण के पश्चात नए पौधे को जन्म देती है।

seed coat **बीजावरण**

बीज का संरक्षी आवरण।

seedling **पौध**

बीज के अंकुरण के बाद उत्पन्न नया पौधा।

segregation **विसंयोजन**

युग्मविकल्पी (एलेलोमॉर्फिक) लक्षणों, कारकों तथा जीनों का अर्धसूत्री विभाजन (मीयोसिस) के समय पृथक हो जाना।

seismonasty **कंपानुकुंचन**

वह अनुकुंचन (नैस्टी) जो वातावरण के कंपन से उद्दीपित होता है जैसे छुईमई की पत्तियों को फूंक मारने से बंद हो जाना।

selection **वरण**

जीवों की समष्टि में से अभीष्ट लक्षणों वाले व्यष्टियों का प्राकृतिक अथवा कृत्रिम चुनाव।

self-pollination **स्वपरागण**

किसी फूल के पराग का उसी फूल के वर्तिकाग्र (स्टिगमा) पर गिरना।

self sterility **स्वबंध्यता**

किसी फूल के पराग का उसी फूल के अंडाशय में निषेचन न कर सकना।

sensitive plant **लाजवन्ती**

माइमोसा प्युडिका नामक पौधे का सामान्य नाम। इसकी पत्तियां हल्के स्पर्श तथा मंद बयार से बंद हो जाती है। इस अनुक्रिया का नियामक पर्णवृंततल्प (पलवाइनस) होता है।

sepal **बाह्यदल**

सबसे बाहरी पुष्पपत्र जो रंग में पत्ती जैसा होता है। इनका समूह बाह्यदलपुंज (कैलिक्स) कहलाता है।

septicidal dehiscence **पट-विदारक स्फुटन**

फल के फटने का वह प्रकार जिसमें अंडप (कार्पेल) के संयोजक पट फट जाते हैं।

serology **सीरम विज्ञान**

प्रतिजनों और प्रतिरक्षियों की अंतरक्रियाओं का अध्ययन।

serrate **पंकितबद्ध**

ऐसी पत्ती जिसकी सीमा पर आरे के-से एक ओर झुके हुए दांत हों।

Sesbania aegyptiaca **सेस्बेनिया इजीप्टिआका**

सैस्बेनिया की एक जाति जिसका सामान्य नाम जयंत है।

sessile **अवृत**

बिना डंठल की पत्ती या फूल।

sex **लिंग**

उन सब संरचनात्मक और क्रियात्मक गुण धर्मों का समुच्चय जिससे नर और मादा जीव अलग-अलग पहचाने जा सकते हैं।

sex chromosome **लिंग गुणसूत्र**

ऐसा गुणसूत्र (क्रोमोसोम) जिससे लिंग का निर्धारण होता है।

sex linkage **लिंग सहलग्नता**

लिंग गुणसूत्र में जीनों द्वारा प्रदर्शित वंशागति की पद्धति जो बहुधा एक्स गुणसूत्र में पाई जाती है।

sexual **लैंगिक**

लिंग से संबद्ध जैसे (1) वह पौधा जिसमें लैंगिक जननेन्द्रिया हों, (2) वह जनन जिसमें युग्मकों के मिलन से पुनरूत्पत्ति हो।

sexuality **लैंगिकता**

ऐसी अवस्था जिसमें जनन लैंगिक विधि से हो।

sexual reproduction **लैंगिक जनन**

जनन का वह प्रकार जिसमें जीवों के शरीर से दो प्रकार की विशिष्ट कोशिकाएं नर और मादा युग्मक बनती हैं, जो एक दूसरे से मिल कर एक संयुक्त कोशिका युग्मनज बनाती हैं यह युग्मनज बढ़ने पर नव जीव बन जाता है।

sheath **आच्छद**

पतली सी संरचना जो किसी दूसरे अंग को लपेटे रहती है जैसे घास की पत्ती का वह निचला भाग जो तने को लपेटे रहता है।

shoe flower **जपा**

मालवेसी कुल के हिबिस्कस रोजासाइनेन्सिस का सामान्य नाम।

shoot **प्ररोह**

प्रांकुर के परिवर्धन के फलस्वरूप बनने वाले पौधे का गुरूत्व-अपवर्ती (नैगेटिवली जिओट्रॉपिक) भाग।

shrub **क्षुप**

बहुशाखीय काण्ठिल पौधा, जो आकार में पेड़ से छोटा सामान्यतः ३० फुट से कम उंचा होता है। जैसे कनेर, करोंदा आदि।

sieve plate **चालनी पट्टिका**

चालनी नलिकाओं की कोशिकाओं के सिरों की छिद्रिल भित्ति।

sieve tube **चालनी नलिका**

फ्लोएम की लंबी कोशिकाओं से बनी नलिका जिसमें से होकर पौधे के एक भाग से दूसरे भाग तक खाद्य-पदार्थों आदि का संचार होता है।

silicula **सिलिक्युला**

सिलिक्वा का छोटा और चपटा रूप। जैसे कैन्डीटफ्ट, कैप्सेल्ला (शेफर्ड्स पर्स)।

siliqua **सिलिक्वा**

ऊर्ध्ववर्ती, द्विअंडपी, भित्तिलग्न बीजांड एवं कूटपर वाले अंडाशय से बनने वाला साधारण, शुष्क, स्फुटनशील, लंबा और बहुबीजी फल। ऐसा फल दोनों सीवनियों से नीचे से ऊपर की ओर फटता है। जैसे सरसों की फली।

simple fruit **एकल फल**

जो फल एकांडपी अथवा युक्तांडपी जायांग वाले एक ही फूल से बनता है जैसे मटर की फली।

simple leaf **सरल पर्ण**

वह पत्ती, जिसका फलक इतना अधिक कटा-फटा न हो कि उसके स्पष्ट पत्रक बन जाएं।

simple pit **साधारण गर्त**

दारूभित्ति पर स्थित ऐसा गर्त जिसका किनारा उभर कर गर्त के ऊपर नहीं आता और गर्त को छोटा नहीं करता।

simple pitting **साधारण गर्तन**

साधारण गर्तों (सिम्पल पिट्स) का विन्यास।

sleep movement **नश गति**

रात को पत्तियों आदि की सामान्य स्थिति बदल जाना जैसे क्लोवर की पत्तियों एवं वृंत के संधिस्थान की कोशिकाओं में द्रवस्फीति (टर्जिडिटी) परिवर्तन के कारण होती है।

slime fungi **अवपंक कवक**

मिक्सोफाइटा के पौधे का सामान्य नाम।

soft bast **मृदु बास्ट**

फ्लोएम के अदृढ़ीकृत मृदूतक वाले संवाही भाग।

soil **मृदा**

विच्छेदित शैल, जैव पदार्थ, लवण आदि के मिश्रण से बना हुआ भूपटल का ऊपरी स्तर जिसमे पौधे उगते हैं।

Solanum tuberosum **सोलेनम ट्यूबरोसम**

सोलेनम की एक जाति जिसे सामान्य भाषा में आलू कहते हैं।

solitary **एकल**

अकेला, जो किसी अन्य से संबद्ध न हो जैसे एकल पुष्प।

somatoplasm (somoplasm) **कायद्रव्य**

बिजमैन के मतानुसार कायिक कोशिकाओं का पदार्थ विशेष जिसके द्वारा जीव की शारीरिक वृद्धि होती है।

soredium **सोरीडियम**

अधिकाश लाइकेनों में कवक-तंतुओं से घिरी एक अथवा अनेक शैवाल-कोशिकाओ से बना एक निर्वर्ध, जो लाइकेन से अलग होकर अनुकूल परिस्थितियों में स्वतंत्र लाइकेन मे परिवर्धित हो जाता है।

sorosis **सोरोसिस**

गूदेदार पुंजफल, जो स्पाइक के परिवर्धन से प्राप्त होता है जैसे शहतूत अनन्नास।

sorus **सोरस**

पर्णागों का बीजाणुधानी समूह, जो पुंचच्छद (इंडूसियम) से ढका रहता है।

soybean **सोयाबीन**

लेग्यूमिनोसी (पैपीलिओनेटी) कुल के ग्लिसाइन मेक्स का सामान्य नाम।

spadix **स्पेडिक्स**

स्पेथ से आवृत स्पाइक जिसमें स्थूल पुष्पावलिवृन्त पर छोटे-छोटे और सामान्यतः एकलिंगी फूल लगे रहते हैं।

spathe **स्पेथ**

एक दीर्घकाय प्रायः रंगीन सहपत्र, जो किसी पुष्पक्रम, विशेषतः स्पेडिक्स को रक्षार्थ घेरे रहता है।

spatulate **पेचुलाकार**

चम्मच अथवा स्पेचुला की आकृति की पत्ती।

specialisation **विशिष्टीकरण**

कोशिका, ऊतक, अंग अथवा समस्त पौधे की संरचना, कार्य आदि में वातावरण से समंजन के हेतु स्थायी परिवर्तन।

species **जाति**

1. जीवों के वर्गीकरण की इकाई, जिसका स्थान वंश से नीचे और उपचादि से ऊपर है, जैसे फाइकस इलैस्टिका (रबर) में फाइकस वशं की इलैस्टिका एक जाति है।

2. एक विशेष वर्ग के जीव-समूह जिनमें अंतर प्रजनन के फलस्वरूप अबन्ध्य संतति उत्पन्न हो सके।

spermatogenesis **शुक्रजनन**

नर युग्मक के निर्माण की प्रक्रिया।

sperm/spermatozoid **पुमाणु**

पुंधानी (एंथेरीडियम) में बनने वाला गतिशील नर युग्मक जो पक्ष्माभिका (सिलिया) की सहायता से अंडगोल (उस्फीयर) की ओर गतिमान होता है। इसके और अंडगोल के संलयन से युग्मनज (जाइगोट) बनता है।

sphaeraphide **स्फैरेफाइड**

कुछ पौधों की कोशिकाओं में विद्यमान रेफाइडों का गोल-सा पुंज।

spike **स्पाइक**

असीमाक्ष पुष्पक्रम, जिसमें अनेक अवृन्त पुष्प लंबे से पुष्पावलि वृन्त पर पास-पास लगे रहते हैं जैसे गेहूँ का पुष्पक्रम।

spikelet **स्पाइकिका**

लघु अथवा गौण स्पाइक, जिनसे घास कुल (ग्रैमिनी) का पुष्पक्रम बनता है। इसमें आधार पर तुप (ग्लूम) नामक दो सूखे शल्कों-से सहपत्र होते हैं और प्रत्येक पुष्प अलग से लेमा और पेलिया नाम के और भी छोटे शल्कों से संवृत रहता है।

spindle **तकुआ**

कोशिका-विभाजन में केंद्रकीय झिल्ली के लुप्त होने के साथ-साथ उद्भूत होने वाला अंरजय रेशों का गिल्ली की आकृति का विन्यास। इनमें रेशे एक ध्रुव तक अथवा ध्रुव से गुणसूत्र (क्रोमोसोम) तक विन्यस्त रहते हैं और गुणसूत्रों का संचालन नियंत्रित करता है।

spindle attachment **तर्कु अनुषंग**

अर्धगुणसूत्र (क्रोमेटिड) का वह स्थान जहां तर्कु-तंतु (स्पिन्डल फाइबर) जुड़ता है।

spindle fibre **तर्कु तंतु**

पतले तंतुओं की-सी संरचना, जिनसे मिलकर तर्कु (स्पिंडल) बनता है।

spindle shaped **तर्कु आकार**

तर्कु की आकृति का, लगभग दीर्घवृत्ताभ (इलिप्सॉएड)।

spine **शूल**

प्रायः पत्तियों के रूपांतरण से बनी कठोर और नुकीली संरचना जैसे बबूल के कांटे।

spinous **शूलमय**

शूलों से युक्त ।

Spirillum **सर्पिलाणु, स्पिरिलम**

सर्पिल आकृति का जीवाणु।

Spirogyra **स्पाइरोगाइरा**

हरे शैवालों के जिग्नीमेटेसी कुल का वंश विशेष। ये बहुत फिसलनदार, शांत पानी में उगने वाले और सर्पिल पर्णहरित पट्टिका वाले होते हैं।

spongy **स्पंजी**

वे ऊतक जिनमें असंख्य, वायु भरे, बड़े-बड़े अंतराकोशिकीय अवकाश हो जैसे पर्णमध्योतक (मीजोफिल) में खंभऊतक (पैलिसेड टिशू) के नीचे का ऊतक।

sporangiophore **बीजाणुधानीधर**

वह तंतु-सा अंग जो बीजाणुधानी (स्पोरैंजियम) के डंठल का काम करता है।

sporangium **बीजाणुधानी**

निम्न पादपों की अलैंगिक जननेन्द्रिय जिसमें बीजाणु उत्पन्न होकर बढ़ते रहते हैं और उचित समय पर बाहर निकल आते हैं।

spore **बीजाणु**

निम्न कोटि के पादपों की अलैंगिक जनन कोशिका, जो दूसरी कोशिका से युग्मन हुए बिना ही नव जीव में परिवर्धित हो सकती है। सामान्यतः बीजाणु में प्रतिकूल परिस्थितियों को झेलने की क्षमता होती है जैसे ऐस्कोबीजाणु।

spore mother cell **बीजाणु मातृकोशिका**

वह कोशिका जो विभाजन के उपरांत बीजाणुओं को जन्म देती है।

spore sac **बीजाणुपुट**

मॉस की स्फोटिका (कैप्स्यूल) के अंदर का आशय विशेष जिसमें बीजाणु होते हैं।

sporogonium **स्पोरोगोनियम**

ब्रायोफइटा का बीजाणूद्भिद (स्पोरोफाइट), जिसमें पाद (फुट) संपुटवृन्त (सीटा) और स्फोटिका (कैप्स्यूल) होते हैं।

sporophyll **बीजाणुपर्ण**

सारण पत्तियों के सदृश अथवा उनसे भिन्न आकृति की पत्ती जो बीजाणुओं को धारण करती है।

sporophyte **बीजाणुद्भिद**

पादपों के पीढ़ी–एकांतरण का वह जीव या पीढ़ी जिसमें अलैंगिक बीजाणु उत्पन्न होते है।

spring wood **बसंत दारू**

बसन्त ऋतु में बनने वाला द्वितीयक दारू जो वृद्धिकाल के आरंभिक दिनों में बनता है। इसकी कोशिकाएं शरद दारू की अपेक्षा बड़ी होती है।

spur **दलपुट**

दलपुंज या बाह्य दलपुंज का बढ़ा हुआ नलिकाकार भाग, जो सामान्यतः मकरंदकोश होता है।

spurred **दलपुटयुक्त**

दलपुट वाला।

stain **अभिरंजक**

रासायनिक द्रव्य, जो ऊतक अथवा अवयव विशेष को रंग कर स्पष्ट कर देता है जैसे सैफ्रेानन, इओसिन।

staining **अभिरंजन**

परीक्षणार्थ ऊतक अथवा अवयव विशेष को रासायनिक द्रव्य द्वार रंग कर स्पष्ट करने की क्रिया जैसे दारू (जाइलम) को सैफ्रेनिन से लाल और फ्लोएम को जैन्शियन वायोलेट से बैंगनी करना।

stamen **पुंकेसर**

फूल के पुमंग की एक इकाई। इसमें एक तंतु (फिलामेंट) के सिरे पर परागकोश लगा रहता है।

staminate **पुंकेसरी**

एकलिंगी पुष्प जिसमें पुंकेसर तो हों परंतु स्त्रीकेसर नहीं।

staminode **बंध्य पुंकेसर**

अपूर्ण अपरिवर्धित पुंकेसर जिसमें पराग का उत्पादन नहीं होता।

standard (vexillum) **ध्वज**

मटर कुल के फूलों में पीछे की ओर स्थित बड़ी और बाहरी पंखुड़ी।

standard error **मानक त्रुटि**

एक ही समष्टि से व्युत्पन्न प्रतिदर्श माध्यों में परिवर्तिता मापन हेतु प्रयुक्त सांख्यिकीय अचरांक।

starch **मंड**

जल में अविलेय एक जटिल श्वेत कार्बोहाइड्रेट जो लगभग सभी बीजों, जड़ों और काष्ठिल वनों के कुछ ऊतकों में संचित रहता है।

stele **रंभ**

संवहन-तंत्री पादपों की जड़ों और तनों का भीतरी भाग जो वल्कुट (कॉर्टेक्स) से अंतस्त्वचा द्वारा पृथक होता है। इसके अवयवों में मुख्य हैं :- दारू (जाइलम), फ्लोएम, एधा (कैंबियम) एवं परिचक्र और कभी-कभी मज्जा (पिथ) अथवा मज्जका (मेडचूला)।

stellate **ताराकार**

तारे की आकृति का जैसे कोशिका-विभाजन में तारा (ऐस्टर)।

stem **तना**

प्रांकुर (प्ल्यूमूल) के परिवर्धन से बना हुआ गुरूत्वानुवर्ती (नेगेटिवली जियोट्रापिक) सामान्यतः बेलनाकार अंग जिस पर शाखाएं, पत्तियां एवं पुष्प लगते हैं।

stem spine **स्तंभशूल, तनाशूल**

वह रूपांतरित शाखा जिसमें अग्रस्थ परिवर्धन रूद्ध हो जाता है और अग्रक कांटे की तरह कठोर, नुकीला ओर तीक्ष्ण हो जाता है जैसे (1) मॉस की स्फीटिका (कैप्स्यूल) के मध्य का अक्ष; (2) म्यूकर कुल के कवकों की बीजाणुधानी का केंद्रीय भाग।

stem tendril **स्तंभ प्रतान, तना प्रतान**

वह प्रतान (टेन्ड्रिल) जो आकृति विज्ञान के अनुसार तने का रूपांतर हो।

stem thorn **स्तंभ कंटक, तना कंटक**

वह कंटक जो आकारिकी के अनुसार तने का रूपांतर हो।

sterile **बंध्य**

सामान्य जनन–अंग अथवा जनन कोशिकाओं से हीन जैसे बिना पराकोश का पुंतंतु, बिना स्त्रीकेसर का फूल अथवा बीजाणु उत्पादन में असमर्थ कवक तंतु (हाइफा)।

stigma **वर्तिकाग्र**

पुष्पी पौधों के जायांग (गाइनेशियम) का परागग्रही अंग जो वर्तिका (स्टाइल) अग्र भाग होता है। जिस पर पराग–कण अंकुरित होते हैं। वर्तिकाग्र की सतह सामान्यतः खुरदुरी और चिपचिपी होने के कारण पराग कण शीघ्र ही वर्तिकाग्र से चिपक जाते हैं।

stilt root **अवस्तंभ मूल**

एक प्रकार की अपस्थानिक जड़ जो पौधे को सीधा खड़ रहने में सहारा देती है जैसे मक्का, केवड़ा आदि में।

stimulus **उत्तेजक**

वातावरण का कोई कारक (फैक्टर), जो जीव में किसी प्रकार की स्पष्ट अनुक्रिया प्रेरित करता है जैसे गुरूत्व, प्रकाश, ऊष्मा आदि।

stinging nettle **बिच्छूबूटी**

अर्टिकेसी कुल के वंश अर्टिका आदि पादपों का सामान्य नाम। इनकी पत्तियों आदि में दंशरोम होने से इनके स्पर्श से डंक-सा लगता है।

stipe **छत्रिकावृंत**

छत्रकों (मशरूम) में छत्रिका (पाइलियमस) को सहारा देने वाला दंड।

stolon **भूत्तारी**

1. पतली शाखा, जो पौधे के आधार के समीप तने के भूमिगत भाग से निकल कर कुछ दूर तक मिट्टी के अंदर ही अंदर क्षैतिजतः बढ़ती है ओर जिस में से शल्कपत्र, अपस्थानिक मूल और कलिकाएं फूट-फूट कर नए पौधों में परिवर्धित हो जाती है। इस प्रकार वर्धीजनन संपन्न होता है जैसे स्ट्रॉबेरी।

2. राइजोपस निग्रिकैन्स का वह कवक-तंतु जिसके वायवीय समांतर बढ़ते हुए भागों में स्थान-स्थान पर मूलाभास (राइजॉइड) निकलते रहते हैं।

stomata **रंध्र**

तने और पत्ती की बाह्यत्वचा (एपिडर्मिस) की दो द्वार-कोशिकाओं (गार्डसेल्स) से घिरे हुए छोटे-छोटे छिद्र जिनमें गैसीय विनिमय होता है।

stomatal **रंध्री**

रंध्र (स्टोमा) से संबंधित।

stomatal transpiration **रंध्री वाष्पोत्सर्जन**

वह वाष्पोत्सर्जन (ट्रान्सपिरेशन) जिसमें जल-वाष्प रंध्र में से होकर पौधे से बाहर निकलता है।

stomium **स्टोमियम**

पर्णांग (फर्न) की बीजाणुधानी (स्पोरैन्जियम) की भित्ति में का वह विवर जहां से परिपक्वावस्था में बीजाणु छिटक पड़ते हैं।

stone **अष्टि**

आम, आड़ू, खुबानी सरीखे फलों की कठोर अंतः फलभित्ति (एन्डोकार्प) जो बीज को बंद और सुरक्षित रखती है जैसे आम की गुठली।

storage **संग्रहण**

खाद्य पदार्थ आदि उपयोगी तत्त्वों का संग्रहण जैसे मूली की जड़ में।

storage tissue **संग्रही ऊतक**

वह ऊतक जो कार्बोहाइड्रेट, वसा और प्रोटीन आदि पादप के खाद्य पदार्थों का अपने अंदर संग्रहण करते हैं। इस प्रकार के ऊतक विशेष रूप से जड़ों और बीजो में होते हैं।

stratification **स्तरण**

एक के ऊपर एक स्तरों, का क्रम से निवेशित होना या करना जैसे (1) बीजों को रेत, लकड़ी के बुरादे, पीट आदि की तहों में रखकर नमी तथा निम्न ताप बनाए रखना ताकि अंकुरण में सहायता मिले (2) कोशिका–भित्ति पर स्तरों का चढ़ते जाना।

strain **विभेद**

उपजाति के रूप में जारी करने से पहले परीक्षणाधीन एक उन्नत जीन प्ररूप।

strobilus **शंकु**

तने के अक्ष पर बीजाणुपर्णों का त्रिकोण की आकृति का समुच्चय जैसे लाइकोपोडियम में।

stroma **स्ट्रोमा, पीठिका**

हरितलवक मे ग्रैना के बाह्य-स्तरित प्रदेश जहां प्रकाश संशलेषण की प्रकाशिक अभिक्रिया घटित होती है।

structure **संरचना**

जीवों अथवा ऊतकों, अंगों, अवयवों आदि की बनावट।

style **वर्तिका**

स्त्रीकेसर का वह तंतु जैसा भाग जो अंडाशय और वर्तिकाग्र (स्टिग्मा) के बीच होता है। इसके बीचों-बीच एक नलिका होती है जो अंडाशय की गुहिका से निकल कर वर्तिकाग्र में खुलती है।

suberin **सुबेरिन**

परित्वक (पैरिडर्म) की काग कोशिकाओं में सेलुलोस के साथ-साथ निक्षिप्त पदार्थ। यह एक संश्लिष्ट वसीय अम्ल है और इसकी उपस्थिति के कारण कोशिका भित्ति से होकर पानी आरपार नहीं जा सकता।

suberization **सुबेरिनीकरण**

कोशिका भित्तियों पर सुबेरिन नामक पदार्थ का जम जाना।

subsidiary cell **गौण कोशिका**

किसी दूसरी महत्वपूर्ण कोशिका की सहयोग कोशिका जैसे बाह्यत्वचा (एपिडर्मिस) की एक विशेष कोशिका जो द्वार कोशिका के बाहर की ओर अवस्थित हो।

subtending leaf **कक्षांतरधारी पत्र**

वह पत्ती जिसके कक्ष (एक्सिल) में से कलिका, शाखा, पुष्पक्ष आदि निकलते हैं।

succulent **गूदेदार**

1. जल संग्रहण के निमित्त विशिष्ट ऊतकों से युक्त अंग जैसे घीकुंवार (कुमारी) की पत्तियां, नागफनी का तना।

2. वह मरूदभिदी पौधा, जो अपने ऊतकों में जल संग्रहण करता हो –जैसे कैक्टस।

3. वे फल जिनमें पकने पर सारी या अधिकांश फलभित्ति (पेरीकार्प) मुलायम और मांसल होती है।

sucker **अंतः भूस्तारी**

भूमिगत तने की कक्षस्थ कलिका या जड़ की अपस्थानिक कलिका से विकसित पार्श्विक शाखाएँ। ये शाखाएं भूमि से लगी हुई फैलती हैं और उनकी गांठों से ऊपर की ओर प्ररोह और नीचे की ओर जड़े फूटती हैं जैसे गुलदाउदी, केला, गुलाब आदि।

sucrose **सुकरोस**

एक प्रकार की शर्करा (रासायनिक फारमूला $C_{12}H_{22}O_{11}$) जो न्यूनाधिक मात्रा में सभी सक्रिय पादप कोशिकाओं में वर्तमान रहती है। यह सुकरेस नामक किणवज (एन्जाइम) द्वारा शीघ्र ही ग्लूकोस और फ्रक्टोस के मिश्रण में परिवर्तित हो जाती है।

suction pressure **शोषण दाब**

कोशिकाओं में उत्भूत वह दाब जिसके कारण कोशिका में बाहर से जल का प्रवेश होता है। वस्तुतः यह कोशिका–रस (सेल–सैप) के रसाकर्षण दाब का विशेष अंश होता है जो कोशिका भित्ति को खिंचा रखने में व्यय नहीं हो जाता। इस प्रकार यह कोशिका रस के रसाकर्षण–दाब के अंतर के बराबर होता है।

sugar **शर्करा**

मीठा, सफेद, न्यूनाधिक क्रिस्टलीय, जल में विलयनशील कार्बोहाइड्रेट।

summer wood **ग्रीष्म दारू**

वार्षिक वलय की तह जो वृद्धिकाल के पूर्वार्ध में बनती है। इसकी दारूघनता उतरार्ध में बने दारू की घनता की अपेक्षा कम, कोशिकाएं अपेक्षाकृत बड़ी, भित्ति कम मोटी और रंग अपेक्षकृत गहरा होता है। इसको बसंत वुड भी कहते हैं।

sunhemp **सनई**

लेग्यूमिनोसी कुल के पैपिलिओनेटी उपकुल के क्रोटालेरिया जंसिया का सामान्य नाम।

superior **उर्ध्ववर्ती**

किसी दूसरे अंग के ऊपर अवस्थित जैसे वह अंडाशय (ओवरी) जो पुष्पासन (थैलेमस) में पंखुड़ियों और बाह्यदलों के ऊपर जुड़ा हुआ हो।

suspensor **निलंबक**

वह अंग, जिसके सहारे कोइ चीज लटकती है जैसे (1) बीजीय पौधो में भ्रूण के ऊपर की कोशिकाओं की शृंखला, जो भ्रूण को लटकाए रखती है; (2) युग्मकधानी (गैमेटेंजिया) वाला कवक-तंतु।

suture **सीवन**

संधिरेखा, विशेषतः (1) दो किनारों अथवा सीमाओं (मार्जिनो) की संधिरेखा, जैसे शिंबो में अंडपों के जुड़ने से बनी हुई अभ्यक्ष सीवन (वेन्ट्रल सूचर); (2) वह रेखा, जहां से शुष्क फलों में स्फुटन होता है जैसे शिंबों की अपाक्ष सीवन (डौर्सल सूचर)।

syconus **साइकोनस**

एक प्रकार का सग्रंथित फल जिसमें बढ़े हुए सरस और अवतल अथवा खोखले आशय पर अंडाशय (ओवरी) आसीन होता है जैसे अंजीर का फल।

symbiosis **सहजीवन**

किन्ही दो अथवा अधिक विजातीय जीवो के बीच घनिष्ट क्रियात्मक अथवा संरचनात्मक साहचर्य।

symbiotic **सहजीवी**

सहजीवन (सिम्बायोसिस) की अवस्था से संबंधित।

symmetrical **सममित**

(पुष्प के संबंधमें प्रयुक्त)

(1) जो केंद्र से गुजरने वाले अनुदैर्ध्य तल से दो नितांत एक समान अर्ध भागों में काटा जा सके।

(2) जिसके प्रत्येक चक्कर (बाह्यदलपुंज, दलपुंज, पुमग आदि) में अवयवों की संख्या बराबर हो।

sympodium **संधित अक्ष**

वह परिणामी अक्ष, जो एकशाखी (यूनिपैरस) शाखाविन्यास में प्रत्येक मुख्य शाखा की वृद्धि रूक जाने और पार्श्व शाखा के बढ़ जाने से और इसी प्रकार आवर्तन होते रहने से बन जाता है।

synapsis **सूत्रयुग्मन**

अर्धसूत्री विभाजन (मीयोसीस) की पूर्वावस्था (प्रोफेज) में दोनों जनकों से प्राप्त समजात (होमोलोगस) गुणसूत्रों का पास-पास आकर जोड़े-जोड़े बन जाना।

syncarpous **युक्तांडपी**

(पुष्पी पौधों के जायांग के संबंध में प्रयुक्त) पूर्णरूपेण अथवा अंशतः जुड़े हुए अंडप वाला, जैसे भिंडी का जायांग।

syncarpy **युक्तांडपता**

अंडपों के जुड़ों हुए होने की अवस्था।

synergid **सहायकोशिका**

अंड समुच्चय (एगएपरेटस) के अंडद्वार की ओर अवस्थित दो कोशिकाएं। ये परागनलिका से नर युग्मन के भ्रूणकोष तक स्थानांतरण और स्त्री युग्मक के साथ सुंयक्ति (फ्यूजन) में सहायक होती है।

syngenesious **युक्तपरागकोशी**

वे पुंकेसर जिनके पुतन्तु अलग-अलग हों परंतु परागकोश आपस में जुड़े हुए हों।

system **तंत्र**

1. विशेष कार्य संपन्न करने के हेतु मिलकर काम करने वाले अंगों का सामूहिक नाम जैसे ऊतक तंत्र।

2. कार्य विशेष के आयोजन के लिए व्यवस्थित विधि जैसे वर्गीकरण की लिनीएस पद्धति।

3. कार्य विशेष को करने के लिए व्यवस्थित पद्धति अथवा प्रणाली।

systematic botany **वर्गीकरण वनस्पति विज्ञान**

वनस्पति विज्ञान की वह शाखा जिसमें किसी विशेष पद्धति के वर्गीकरण सिद्धांतों का अनुसरण कर पौधों को वर्गों ओर श्रेणियों में निश्चित स्थान पर रखा जाता है।

systematics (taxonomy) **वर्गीकरणविज्ञान**

जीव-विज्ञान की वह शाखा जिसमें किसी विशेष पद्धति के वर्गीकरण-सिद्धांतों का अनुसरण कर जीवों को वर्गों और श्रेणियों में निश्चित स्थान पर रखा जाता है।

sweet lime **मीठा नींबू**

रूटेसी कुल के सिट्रस लिमेटा का सामान्य नाम।

"T"

Tagetes patula **टेगेटीज पटुला**

टेगेटीज की एक जाति, जिसे सामान्य भाषा में गैंदा कहते हैं।

Tamarindus indica **टैमैरिन्डस इन्डिका**

टेमैरिन्डस की एक जाति जिसे सामान्य भाषा में इमली कहते हैं इसकी फली खाई जाती है।

tannin **टेनिन**

एक रासायनिक पदार्थ, जो कुछ पेड़ों की छाल से निकाला जाता है।

tap root **मूसला जड़**

एक प्राथमिक मूल, जो ऊर्ध्वाधर दिशा में भूमि में नीचे की ओर वृद्धि करती है, और जिससे सामान्यतया छोटी-छोटी पार्श्विक मूलिकाएं निकलती रहती हैं जैसे गाजर, मूली।

tapetum **टेपीटम**

1. अपरिपक्व बीजाणुधानी में बीजाणु को घेरती हुई पोषक ऊतक की परत।

2. पराग कोष का अंतरतम भित्तीय (पैराइटल) उतक स्तर, जो वर्धी पराग मातृकोशिकाओं (पोलेन मदर सेल्स) के पोषण का काम करता है।

taxis **अनुचलन**

सूक्ष्मजीवों तथा जनन कोशिकाओं का चलन, जो वातावरण के दिशात्मक उद्दीपन से अनुप्रेरित होता है। यह चलन उद्दीपक की ओर अथवा उसकी विपरीत दिशा में होता है।

taxon **वर्गक, टैक्सोन**

किसी भी श्रेणी की वर्गीकृत इकाई।

taxonomy **वर्गीकरण विज्ञान**

जीव विज्ञान की वह शाखा जिसमें जीवों को प्राकृतिक एवं तर्कसंगत वर्गों में इस प्रकार रखा जाता है, जिससे उनके विकास तथा बंधुता पर कुछ प्रकाश पड़ सके।

tegmen **टेगमेन**

बीजकवच का भीतरी स्तर।

telegraph plant **शालपर्णी**

लेग्यूमिनोसी कुल के पैपीलिओनेटी उपकुल के डेस्मोडियम गाइरेन्स का सामान्य नाम।

telophase **अंत्यावस्था, टीलोफैज**

कोशिका विभाजन की अंतिम अवस्था, जिसमें संतति गुणसूत्रों के दो समूहों से दो नवकेंद्रको का निर्माण होता है।

tendril **प्रतान**

लता आदि आरोही पादपों के तने या पत्तियों से निकला हुआ लंबा, पतला, संवेदनशील अंग जो किसी वस्तु के चारों ओर लिपटकर लता को खड़ा रखता है। संरचना विज्ञान (मॉर्फोलोजी) की दृष्टि से यह रुपांतरित तना (जैसे अंगूर में), कक्षवर्ती शाखा (जैसे पैशन फ्लावर में), अनपत्र (जैसे स्माइलेक्स में) या पत्ती (जैसे मटर में) होता है।

Tephrosia purpurea **टेफ्रोसिया परप्यूरिया**

टेफ्रोसिया की एक जाति, जिसका सामान्य नाम सरफोका है। इसके पुष्प बड़े लुभावने होते हैं

terminal **अंतस्थ**

अक्ष या शाखा के सिरे पर स्थित, जैसे कलिका, फूल आदि।

terminal bud **अंतस्थ कलिका**

वह कलिका जो अक्ष या शाखा के सिरे पर स्थित हो।

tertiary period **तृतीय कल्प**

पृथ्वी के ऐतिहासिक कालक्रम में 6 करोड़ वर्ष से लेकर दस लाख वर्ष पूर्व तक की अवधि जो क्रिटेशस तथा क्वाटर्नरी कल्पों के बीच आती है। इसमें इओसीन से प्लायोसीन तक सभी युग आते हैं।

testa **बीजकवच**

बीज का बाहरी आवरण जो बीजांड (ओव्यूल) के कवच (इंटेगुमेंट) से परिवर्धित होता है।

tetrad **चतुष्क**

1. चार कोशिकाओं का एक समूह जो पूर्ण परिपक्व हो जाने तक साथ-साथ रहता है। ये एक ही मातृकोशिका के दो तलों में क्रमशः विभाजन होने से बनते है जैसे परागकण या बीजाणुओं के चार से समूह।

2. चार गुणसूत्रों का समूह जो अर्धसूत्री विभाजन (मीयोसिस) के उत्तरार्ध में द्विसंयोजी (बाइबैलेंट) गुणसूत्रों से बनता है।

tetradynamous **चतुर्दीर्घक**

चार लंबे और दो छोटे पुंकेसर वाला जैसे सरसों का फूल या पुमंग।

tetramerous **चतुष्टपी**

चार-चार के समुदाय में विन्यस्त अवयव वाला जैसे सरसों का फूल।

tetraploid **चतुर्गुणित**

अगुणित (हैप्लॉइड) संख्या से चार गुने गुणसूत्र वाला।

thalamus (torus) **पुष्पासन**

पुष्पवृंत का वह फूला हुआ-सा भाग, जिसपर पुष्प स्थित होता है।

thalloid **थैलसाभ**

थैलस की सी आकृति या संरचना वाला जैसे कुछ लिवरवर्ट।

thallophyta **थैलोफइटा**

अपुष्पीपादपों (क्रिप्टोगैम्स) का एक समुदाय, जिसके अंतर्गत शैवाल और कवक हैं। इन्हें निम्न क्रिप्टोगैम (लोवर क्रिप्टोगैम) भी कहते हैं।

thallus **थैलस**

शैवाल कवक आदि निम्नतम कोटि के पौधों का एककोशिकीय अथवा तंतुमय शरीर, जिसमें मूल, तना तथा पत्तियो का विभेदन नहीं होता।

thermonastic **तापानुकुंचनी**

तापानुकुंचन (थर्मोनैस्टी) से संबंधित।

thermonasty **तापानुकुंचन**

वह अनकुंचन (नैस्टी) जो पत्तियों, शल्कों पंखड़ियों आदि द्विपृष्ठी अंगों में ताप के कारण होता है।

thermotaxis **तापानुचलन**

परिवेश में ताप प्रवणता (टैम्परेचर ग्रेडिएंट) के उद्दीपन से पूरे के पूरे सूक्ष्मजीवों तथा जनन कोशिकाओं की गति। यदि वह गति अधिक ताप की दिशा में हो तो धन (पॉज़िटिव) और यदि उससे विपरीत दिशा में हो तो ऋण (नेगेटिव) कहलाती है।

thermotropic **तापानुवर्तनी**

तापानुवर्तन से संबंधित।

thermotropism **तापानुवर्तन**

वह अनुवर्तन (ट्रोपिज्म), जिसका उद्दीपन ताप हो।

thickening **स्थूलता**

किसी अंग का सामान्य से स्थूल, मोटा अथवा चौड़ा भाग। यह किसी पदार्थ के उस स्थान पर निवेशन अथवा किसी द्रव के अन्तः शोषण के कारण होता है।

thigomotropic **स्पर्शानुवर्तनी**

स्पर्शानुवर्तन (थिग्मोट्रोपिज्म) से संबंधित।

thigmotropism **स्पर्शानुवर्तन**

एक प्रकार का अनुवर्तन (ट्रॉपिज्म), जिसमें किसी ठोस वस्तु से पौधे के किसी विशेष अंग का स्थानिक संस्पर्श उद्दीपन का काम करता है जैसे (1) आरोही पादपों में प्रतानों (टेन्ड्रिल) का निकटस्थ वस्तु से संस्पर्श हो जाने पर शनैः शनैः उसके चारो और लिपट जाना और पौधे का इस प्रकार ऊपर की ओर बढ़ना; (2) मूलाग्रों का ठोस वस्तु के संस्पर्श से बचने की चेष्ठा में मूल तंत्र का ठोस वस्तु के विपरीत दिशा में बढ़ना।

thorn **कंटक**

छोटी, नुकीली, पत्रहीन रूपांतरित शाखा जिसमें संवहन ऊतक होते हैं।

thorn climber **कंटकारोही**

कंटकों की सहायता से आरोहण करने वाली जैसे कुछ लताएं।

thymine **थायमीन**

डीऑक्सी राइबो न्यूक्लीक अम्ल का पिरिमिडीन क्षारक घटक।

tissue system **ऊतक तंत्र**

बड़े-बड़े एकल ऊतकों के समुच्चय, जिसमें स्थितिजन्य अथवा क्रियात्मक तारतम्य हो जैसे बाह्यत्वचीय ऊतक तंत्र।

toxin **आविष्य, टॉक्सिन**

जीवाणु (बैक्टीरिया) आदि जीवों द्वारा उत्सर्जित अत्यधिक विषैला पदार्थ, जो पोषक के शरीर में विभिन्न रोग उत्पादन करता है। यह वस्तुतः परजीवी के उपापचय (मेटाबोलिज्म) का उत्पाद होता है जैसे डिप्थीरिया का रोगकारी जीवविष।

tonoplast **टोनोप्लास्ट**

रिक्तिका (वैक्युओल) के चारों ओर कोशिका भित्ति से संलग्न जीवद्रव्य की झिल्ली।

trabecula **ट्रैबीक्युला**

छड़-सी लंबी कोशिकाओं की कतार, जो किसी गुहिका के बीच में सेतुरूप स्थित हो, जैसे मॉस की बीजाणुधानी की गुहिका के बीच की संरचनाएं तथा सेलाजिनेला की अंतस्त्वचा (एंडोडर्मिस) की पट्टियां।

trachea (vessel) **दारु वाहिका**

कोई पतली-सी नलिका जिसमें से होकर पदार्थ (विशेषकर द्रव) गति करता है जैसे दारू की जलवाही नलिकाएं।

tracheid **दारू वाहिनिका**

ऐसी अछिद्रिल लंबी कोशिकाएं जिनकी द्वितीयक भित्तियां लिग्निनयुक्त होती है और जिनमें जीवद्रव्य नही होता। दारू ऊतकों में वर्तमान ये कोशिकाएं रस संचार और सहारा देने का कार्य करती हैं।

transcription **अनुलेखन**

वह प्रक्रिया जिसके द्वारा डी. एन. ए. टैम्पलेट से आर. एन. ए. का संश्लेषण होता है।

translation **अनुवादन**

मैसिन्जर आर. एन. ए. में टैम्पलेट पर प्रोटीन संश्लेषण।

translocation **स्थानान्तरण**

खाद्य पदार्थों आदि का पौधे के एक भाग से दूसरे भाग तक संचार।

transverse **अनुप्रस्थ**

बीच या आर-पार की संरचना, अंग, काट के लिए प्रयुक्त।

transverse dehiscent **अनुप्रस्थ स्फुटन**

फल, बीजाणुधानी आदि के फटने का वह प्रकार, जो चौड़ाई-वार होता है।

transverse section **अनुप्रस्थ काट**

शाखा, तने या किसी अंग का अक्ष से समकोण बनाता हुआ अर्थात चौड़ाइवार काट।

tree **वृक्ष**

काष्ठिल, बहुवर्षी (पेरेनियल) पौधा जिसमें मूलतंत्र से एक ही मुख्य तना निकलता है, जो समय गुजरने के साथ-साथ मोटा और लंबा होता जाता है। यह साधारणतः 30 फीट से अधिक ऊंचा होता है।

Trewia nudiflora **ट्रेविया नूडीफ्लोरा**

ट्रेविया की एक जाति।

trichogyne **घानी अग्रिका**

कुछ शैवालों के फलिकाजन (कार्पोगोनियम) का लंबा पतला उद्वर्ध, जिसमें से होकर नर युग्मक अंडधानी (ऊगोनियम) में चला जाता है।

trichome **त्वचा-रोम**

विभिन्न रूपों और संरचनाओं के बाह्यत्वचीय बाल जैसे पतले निर्वर्ध, जो रस अवशोषण (जैसे मूल रोम), स्रवण (जैसे ग्रंथिलरोम), वाष्पोत्सर्जन और नियंत्रण आदि में सहायक होते हैं।

Tridax procumbens **घावपत्ता**

ट्राइडैक्स वंश की जाति जिसका सामान्य नाम घावपत्ता है।

trihybrid **त्रिसंकर**

वह जीव जो तीन जीन केंद्रों (जीन लोसाई) पर विषमयुग्मजी होता है।

trilocular **त्रिकोष्ठकी**

तीन कोष्ठकों (लोक्यूल) वाला अंडाशय, जैसे लिली का अंडाशय।

trimerous **त्रितयी**

तीन-तीन के समुदाय में विन्यस्त अवयव वाला, जैसे लिली और प्याज का फूल।

triploid **त्रिगुणित**

ऐसा व्यष्टि जिसमें अगुणित गुणसूत्रों के तीन समुच्चय (3 x) होते हैं।

trisomic **एकाधिसूत्री**

एक ऐसी द्विगुणित कोशिका जिसमें एक गुणसूत्र अधिक होता है।

trivalent **त्रिसंयोजी**

अर्धसूत्री विभाजन में तीन समजातीय गुणसूत्रों के योग से बनने वाली संरचना।

tropism **अनुवर्तन**

पौधों या उनके अंगों का वक्रण अथवा उनकी वृद्धि की दिशा में परिवर्तन, जो वातावरण के किसी दिशात्मक उद्दीपन से प्रेरित हो जैसे सूरजमुखी के तथाकथित फूल का प्रकाश की ओर मुड़ना।

trypsin **ट्रिप्सिन**

जंतु तथा पौधों का एक एन्जाइम विशेष।

tube **नलिका, नली**

(1) नली।

(2) खोखली लंबी संरचना जैसे कुछ युक्तदली दलपुंजों का नीचे का भाग जैसे फ्लॉक्स के फूल में।

tube cell **नली कोशिका**

परागकण की वह कोशिका, जो पराग नलिका को जन्म देती है।

tuber **कंद**

एक प्रकार का भूमिगत रूपांतरित तना जो खाद्य पदार्थों के संग्रहण तथा वर्धी जनन का कार्य संपादित करती है। पार्श्वीय शाखाओं के सिरे पर अवस्थित इस शाखा पर कहीं-कहीं आँखें होती है, जो वस्तुतः गांठ होती हैं और जिनके कक्ष से अपरिवर्धित पत्तियां निकलती हैं जैसे आलू।

tubercle **गुलिका**

1. फलियों वाले पौधों की जड़ों की ग्रंथियां जिनमे नाइट्रोजन को स्थायी करने वाले जीवाणु होते हैं।

2. एक छोटा कंद (टचूबर)।

3. कंद (ट्यूबर) जैसी प्रतीत होने वाली जड़, जिसमें से अपस्थानिक मूल निकलते रहते हैं।

tuberous **कंदिल, गांठदार**

1. कंद जैसा।

2. कंद (टचूबर) उत्पन्न करने वाला।

tuberous root **कंदिल मूल**

मोटी मांसल जड़ जो देखने में कंद (टचूबर) सी प्रतीत होती हैं किन्तु जिसमें कलिकाएं और शल्कपत्र नहीं होते जैसे डालिया।

tubular corolla **नलिकाकार दलपुंज**

वह युक्तदली दलपुंज, जिसका नीचे का भाग जुड़कर एक नली-सी संरचना बनाता है जैसे फलॉक्स, जूही, सदाबहार आदि में।

tunic **कंचुक**

कोई बाह्य आवरण, जैसे प्याज आदि बल्बों के बाहर का झिल्लीनुमा आवरण।

tunicated bulb **कंचुकित शल्क कंद**

वह शल्क कंद जिसमें चौड़े-चौड़े शल्क पत्र बिम्बाकार तने को इस प्रकार से परिवेष्टित किए रहते हैं कि वे काट में संकेंद्रित वलय से दिखाई देते हैं जैसे प्याज।

turgid **स्फीत**

तनकर फूला हुआ जैसे जल संतृप्त कोशिका।

turgidity (turgor) **स्फीति**

तरल अंतर्वस्तुओं से भरे होने के कारण जीवित कोशिकाओं की भित्ति के तन जाने की अवस्था।

turgor movement **स्फीतिगति**

कोशिका द्रवस्फीति में परिवर्तन होने के कारण पादप अंग की गति। यह गति वृद्धिगति से द्रुततक होती है और एक ही अंग में बार-बार हो सकती है।जैसे रंध्रों (स्टोमेटा) का खुलना-बंद होना।

turgor pressure **स्फीति–दाब**

कोशिका–भित्ति पर कोशिका रस का जल–स्थैतिक (हाइड्रोस्टेटिक) दवाब, जिसके कारण कोशिका–भित्ति तनी हुई अवस्था में रहती है।

turnip **शलजम**

क्रूसीफेरी कुल के ब्रेसिका रेपा का सामान्य नाम। इसकी कुम्भीरूप (नैपीफॉर्म) जड़ खाई जाती है।

twiner **वल्लरी**

आरोही पादपों का एक प्रकार जो सहारे के चारों ओर लिपटकर ऊपर चढ़ता है जैसे मॉर्निंग ग्लोरी, आकाशबेल आदि।

tylosis **टाइलोसिस**

मृदुतक कोशिकाओं (पैरेनकाइमा) के विवर्ध जो कभी–कभी इतनी संख्या में हो जाते हैं कि दारू–वाहिनिकियों (ट्रैकीड) की अवकोशिका (ल्यूमेन) को पूर्णरूपेण भर देते हैं।

Tyndall'seffect **टिन्डाल प्रभाव**

कोशिका–द्रव्यी–आव्यूह (मैट्रिक्स) से निलंबित कोलाइडी–कणों द्वारा प्रकाश का शंकु के रूप में परावर्तन। इनका अन्वेषण "टिन्डाल" ने किया था।

typical **प्रारूपिक, प्ररूपी**

ऐसा प्रतिदर्श, नमूना या उदाहरण जिसमें संबंधित जीनस, स्पीशीज या संरचना के विशिष्ट लक्षण मौजूद हों।

Ulothrix **यूलोथ्रिक्स**

हरे शैवालों के यूलोट्रिकेसी कुल का वंश विशेष। इसके तंतुओं में पट्टिकाकार हरितलवक (क्लोरोप्लास्ट) होते हैं।

"U"

umbel **पुष्पछत्र**

एक प्रकार का असीमाक्ष पुष्पक्रम, जिसमें, अक्ष बहुत छोटा रह जाता है तथा एक ही लम्बाई के पुष्पवृंत एक ही स्थान से निकलते हुए प्रतीत होते हैं जैसे धनिया का।

underground **भूमिगत**

भूमि के अंदर रहने वाला, जैसे कंद।

unicellular **एककोशिक**

जिनका पूरा शरीर केवल एक ही कोशिका का बना होता है।

unicostate **एकशिरीय**

1. एक ही मध्य शिरा वाला जैसे पीपल की पत्ती का शिरा–विन्यास

2. इस प्रकार के शिरा–विन्यास वाली (पत्ती)।

unilocular **एककोष्ठकी**

एक कोष्ठक वाला जैसे मटर का अंडाशय।

uniparous **एकशाखी**

वह पुष्पक्रम या शाखा विन्यास जिसमें शाखा निकले वाले स्थान से एक ही ओर उपशाखा निकले।

unisexual **एकलिंगी**

1. केवल एक ही लिंग वाला, जैसे वह फूल जिसमें या तो पुंकेसर या केवल स्त्रीकेसर ही विद्यमान हो जैसे तुरई का फूल।

2. एक ही लिंग के फूल उत्पन्न करने वाला जैसे पपीते का पौधा।

unit characters **एकक लक्षण**

आनुवंशिकता का अविभाज्य लक्षण जो मेन्डेलीय अनुवंशिकता से संकरण प्रयोगों में एकक (यूनिट) माना जाता है।

univalent **एकसंयोजी, अयुग्म**

अर्धसूत्री–विभाजन में अयुग्मित गुणसूत्र।

urceolate **कुंभाकार**

कलश के समान आकृति वाला।

"V"

vacuolar membrane **रिक्तिका झिल्ली**

रिक्तिका के चारों ओर कोशिका–भित्ति से संलग्न जीवद्रव्यीय झिल्ली।

vacuole **रिक्तिका**

कोशिकाओं के जीवद्रव्य का वह गर्त, जिसमें कोशिका–रस होता है।

valvate **कोरस्पर्शी**

बिना ढके हुए एक दूसरे के किनारों को ही स्पर्श करता हुआ जैसे माइमोसोइडी कुल के दलपुंज।

variation **विविधता, विभिन्नता**

एक ही समष्टि के बीच एक या एकाधिक लक्षणों में विद्यमान भिन्नता।

variety **उपजाति, वैराइटी**

जीवों का एक प्रकार का समूह, जिसका स्थान जाति से नीचे है।

vascular **संवहनी**

संवहन अथवा संवहन तंत्र से संबंधित जैसे संवहनी (संवहन) पूल।

vascular bundle **संवहन पूल**

दारू (जाइलम) और फ्लोएम वाले संवहन ऊतकों का वलयक जो जड़, तना और पत्र के बीच से गुजरता है। द्विबीजपत्री तने में एधा नाम का एक ऊतक दारू और फ्लोएम को बीच में से पृथक करता है।

vascular tissue system **संवहन ऊतक तंत्र**

संवहन ऊतक का तंत्र।

vegetable kingdom **वनस्पति जगत**

सजीव जगत की दो शाखाओं में से एक, जिसके अंतर्गत सभी पौधे हैं।

vegetative **वर्धी, कायिक**

वर्धनशील; वृद्धि संबंधी जैसे जड़, तना आदि अंग।

vegetative body **वर्धी काय**

वर्धनशील अथवा वृद्धि संबंधी अवयव।

vegetative cell (somatic cell) **कायिका कोशिका**

1. जीव के शरीर की सामान्य कोशिका जिसका जनन–क्रिया से कोई संबंध नहीं होता।

2. परागकण की बड़ी कोशिका जो परागनलिका बनाती है।

3. सेलाजिनेला में लघु बीजाणु की सिरे वाली कोशिका, जो अंकुरण के उपरांत उपजती है।

vegetative propagation (vegetative reproduction) **वर्धी जनन, कायिक जनन**

1. जनन का वह प्रकार जिसमें जीव के शरीर का कोई भाग अलग होकर सीधे नव जीव में परिवर्धित हो जाए, जैसे दूब, घास, आलू आदि में।

2. युग्मकों के हस्तक्षेप के बिना कायिक व्यष्टियों की उत्पत्ति।

vein **शिरा**

पत्ती की वाहिकाएं जो पत्ती की सतह पर दिखाई देती हैं जैसे मध्यशिरा आदि।

veinlet **शिरिका**

शिराओं से निकलने वाली पतली उपशाखा।

velamen **आर्द्रताग्रही गुंठिका, वेलामेन**

अधिपादपों की वायवीय जड़ों के ऊपर की कार्कमय बाह्यत्वचा का आवरण। यह वायुमंडलीय आर्द्रता का अवशोषण करता है।

velum **गुंठिका, वीलम**

छत्रकों के नवोदित बीजाणुधर को ढकने वाली पतली झिल्ली, जो छत्रक और वृंत को आच्छादित किए रहती है।

venation **शिराविन्यास**

पत्रदल में शिराओं का क्रम या विन्यास।

venter **अंडधा**

स्त्रीधानी (आर्किगोनियम) का निचला फूला हुआ भाग, जिसमें अंडगोल होता है।

ventral (adaxial) **अभ्यक्ष**

अक्ष के ओर की दिशा अभ्यक्ष (वेन्ट्रल) दिशा होगी ।

ventral canal cell **अंडधा नाल कोशिका**

स्त्रीधानियों (आर्किगोनिया) की एक छोटी कोशिका जो ग्रीवा के एकदम बाद वाली अण्डगोल – मातृकोशिका के शीर्ष से विभाजन के उपरांत उत्पन्न होती है।

vernation **किसलय–विन्यास**

(परागकोश के संबंध में) मध्यस्थान अथवा उसके निकट तंतु से लगा हुआ, ताकि आसानी से झूल सके।

vertical **उदग्र**

धरातल से समकोण बनाता हुआ।

verticillaster **कूटचक्रक**

तुलसी कुल के पौधों में पाया जाने वाला एक प्रकार का सघन पुष्पक्रम। वस्तुतः यह दो ससीमाक्षों का समूह है।

vestigeal organ **अवशेषांग**

जीव में स्थित उसके पूर्वजों में वर्तमान कार्यशील अंग का निष्क्रिय अवशेष जो जीव की वंशावली को द्योतित करता है।

vigour **ओज**

जीव अथवा जैव क्रियाओं की सबल एवं सतेज क्रियाशीलता।

Vinca rosea (catharanathus roseus) **सदाबहार**

विंका वंश की जाति जिसे सदाबहार कहते हैं।

virus **विषाणु, वाइरस**

अति सूक्ष्म रोगजनक। ये जीवित कोशिकाओं में ही अपनी संख्या वृद्धि कर सकते हैं। पौधों में तंबाकू के मोज़ेक आदि अनेक रोगों के कारण हैं। इनमें आर. एन. ए. या डी. एन. ए. होता है जो प्रोटीन आवरण (कैप्सिड) द्वारा घिरा रहता है।

vital **जीव संबंधी, जैव**

जैव पदार्थों का ओज एवं शक्ति संबंधी गुण।

vital function **जीवकार्य**

पौधे की वे चेतनाएं जो उसमें जीवन एवं स्फूर्ति की द्योतक हों।

vitality **जीवनशक्ति**

जैव पदार्थों में जीवित रहने तथा जैव क्रियाओं को संपादित करने की शक्ति।

vitamin **विटामिन**

पादप अथवा जीवों के पोषण के लिए खाद्य पदार्थों में होने वाला एक आवश्यक तत्व।

Volvox **वोल्वोक्स**

हरे शैवालों के कुल वोल्वोकेसी का एक समंजलीय (सीनोबियल) वंश। इसकी कॉलोनी गोलाकार तथा व्यास में एक इंच के पचासवें भाग के लगभग होती है और साधारणतया एक अक्ष पर वक्राकार घूमती रहती है।

"W"

wart **मस्सा**

पौधों में दृढ़, ग्रंथिल प्रवर्ध जैसे स्पाइरोगाइरा के युग्माणु (जाइगोस्पोर) में।

waste product **उपशिष्ट उत्पाद**

उपापचय के पश्चात् बचा हुआ पदार्थ, जिसको शरीर बाहर निकाल देता है।

wavy **उर्मिल**

लहरदार।

w-chromosome **डब्ल्यू गुणसूत्र**

वह लिंग–गुणसूत्र जो युग्मकी लिंग में विद्यमान रहता है – मादा निर्धारक लिंग गुणसूत्र।

weed **अपतृण**

भूमि में अनचाहे तथा अनावश्यक रूप से उगने वाले पौधे, जो फसल के लिए हानिकर होते हैं।

white mustard **सफेद सरसों**

क्रूसीफेरी कुल के ब्रेसिका एल्बा का सामान्य नाम।

whorl **चक्कर**

चक्र के रूप में विन्यस्त अवयवों का समूह जैसे दलपुंज में।

whorled **चक्करदार**

(तने पर पत्तियों आदि के विन्यास के संबंध में) एक ही पर्वसंधि (नोड) पर दो से अधिक लगी हुआ (पत्तियां)।

wild type **वन्यप्ररूप**

ऐसा जीव जो प्राकृतिक समष्टि में प्रमुखतः पाया जाता है।

wilt **म्लानता**

जल की मात्रा कम या अधिक होने पर अथवा किसी अन्य कारण से पौधों का मुरझाना।

wilting **म्लान होना**

पौधे में जल की मात्रा कम हो जाने पर मुलायम तनों और पत्तियों की परिदृढ़ता में शिथिलता आ जाना।

wing **पंख**

पौधे के किसी अंग का बढ़ा हुआ झिल्लीनुमा भाग, जैसे चिलबिल, साल आदि के फलों के और जैकरंडा, टिकोमा आदि के बीजों के चपटे अंग।

wood fibre **काष्ठ तंतु**

दारू (जाइलम) का एक घटक। यह एक कोशिका के बढ़ जाने और काष्ठवत हो जाने से बनता है।

"X"

Xanthium stramonium **जैथियम स्ट्रेमोनियम**

जैथियम की एक जाति। इन पौधों के फूल कंटीले होते हैं।

xanthophyll **पर्णपीत, जैथोफिल**

पर्णहरित में विद्यमान एक पीला वर्णक।

X-chromosome **एक्स-गुणसूत्र**

लिंग निर्धारण से सहचरित ऐसा गुणसूत्र जो समयुग्मकी लिंग (मादा) में, दो प्रतियों में और विषमयुग्मकी लिंग (नर) में एक प्रति में विद्यमान रहता है।

xerophyte **मरूद्भिद**

बहुत ही सीमित जल वाली शुष्क, बलुई या फथरीली भूमि पर उगने वाला पौधा, जिसकी शरीर-रचना जल-संग्रह तथा वाष्पोत्सर्जन कम करने के अनुकूल होती है जैसे नागफनी, बबूल आदि।

xerophytic **मरूद्भिदी**

वे पौधे जिनमें शुष्क प्रदेशों, मरूस्थलों आदि में उगने की तथा पानी की अनुपलब्धि को झेल सकने की क्षमता हो।

xylem (wood) **दारू, जाइलम**

पौधों का लिग्निनयुक्त भाग, जो उच्च पादपों में संवहन-ऊतक होता है। प्रायः यह दारूवाहिनिका या दारूवाहिका अथवा दोनों का बना होता है, जिसके साथ काष्ठ तंतु एवं मृदूतक कोशिकाएं भी होती हैं।

xylem parenchyma (wood parenchyma) **दारू मृदूतक**

दारू में विद्यमान मृदूतक (पैरनकाइमा)।

"Y"

Y-chromosome **वाई-गुणसूत्र**

वह लिंग - गुणसूत्र जो विषयुग्मकी लिंग में विद्यमान रहता है और जो नर-निर्धारक लिंग गुणसूत्र है।

yeast **यीस्ट**

सैकैरोमाइसिटेसी कुल के सैकैरोमाइसीज वंश (जीनस) का सामान्य नाम। यह जाइमेस नामक एंजाइम उत्पन्न करता है जो कार्बोहाइड्रेट के आसवी किण्वन (ऐलकोहालिक फरमेंटेशन) को उत्प्रेरित करता है।

Yucca gloriosa **यक्का ग्लोरिओसा**

यक्का की एक जाति। इन पौधों के श्वेत पुष्प रात्रि में सुगंध देते हैं और पतंगों द्वारा परागित होते हैं।

"Z"

Zanthoxylum alatum **जैथोजाइलम एलेटम**

जैथोजाइलम की एक जाति, जिसे सामान्य भाषा में तेजबल कहते हैं। मसालों व दंत औषधियों के रूप में इसके फलों का उपयोग होता है।

Z-chromosome **जैड-गुणसूत्र**

लिंग निर्धारण से सहचरित ऐसा गुणसूत्र जो समयुग्मकी लिंग (नर) में जो प्रतियों में दो और विषमयुग्मकी लिंग (मादा) में एक प्रति में विद्यमान रहता है।

Zea mays (maize, Indian corn) **जिया मेज, मक्का**

जिया की एक जाति जिसका सामान्य नाम मक्का है। मक्का के मादा फूलों की वर्तिका तथा वर्तिकाग्र, मुलायम रेशमी रेशों जैसे बाहर लटकते रहते हैं।

Zinnia **जिनिया**

कम्पोजिटी कुल का वंश (जीनस) विशेष। ये पौधे बागों में लुभावने पुष्पों के लिए उगाए जाते हैं।

zone of elongation **दीर्घकरण प्रदेश**

कोशिका विभाजन से लंबाई की दिशा में बढ़ने वाला पौधे का भाग।

zoogloea **श्लेष्मावृत जीवाणु**

जीवाणु की वह अवस्था जिसमें उनका समूह एक श्लेष्मिक पदार्थ में स्थापित हो जाता है।

zoophilous **प्राणिपरागित**

कीटों के अतिरिक्त अन्य जंतुओं द्वारा परागित फूल ।

zoospore **जलबीजाणु**

एक प्रकार के अलैंगिक बीजाणु, जो पक्ष्माभिका आदि की सहायता से गति करते हैं।

zygomorphic **एक व्याससममित**

वे पुष्प जो केवल एक ही उर्ध्वाधर (वर्टिकल) तल से काटे जाने पर जो दो नितांत समान भागों में विभाजित हो सके जैसे मटर का फल।

zygomycetes **जाइगोमाइसिटीज**

कवकों के फाइकोमाइसिटीज वर्ग का एक उपवर्ग जिसका मुख्य लक्षण है संयुग्मन के फलस्वरूप युग्माणु (जाइगोस्पोर) का बनाना जैसे म्यूकर, राइजोपस।

zygospore **युग्माणु**

दो समान युग्मकों के संयुग्मन से उत्पन्न जनन कोशिका।

zygote **युग्मनज**

दो युग्मकों के मिलने से बनी कोशिका जो परिवर्धन के उपरांत नव जीव को जन्म देती है।

zygotic meiosis **युग्मनज अर्धसूत्रण**

द्विगुणित युग्मनज केंद्रक का अर्धसूत्री विभाजन जिसके फलस्वरूप चार अगुणित केंद्रक बनते हैं।

zymase **जाइमेस**

यीस्ट में वर्तमान एक एन्जाइम विशेष जो हैक्सोज शर्करा को ऐलकोहॉल और कार्बन-डाइ-ऑक्साइड में परिवर्तित कर देता है।

zymogen **जाइमोजेन**

मुख्यतः कार्बोहाइड्रेट के जाइमेसी किण्वन से शक्ति प्राप्त करने वाला सूक्ष्मजीव जैसे यीस्ट अथवा लैक्टिक बैक्टीरिया।

श्री एस. एस. टोंक के प्रबन्ध में चौ. च. सिं. हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय प्रेस, हिसार से मुद्रित